नई दिल्ली RNI No. DLHIN/2010/37009
वर्ष : 15
अंक : 03
सोमवार, 17 से 23 फरवरी 2025
मूल्य : 5 रू प्रति
रू 250 वार्षिक

सीएम रेखा गुप्ता ने भाजपा नेताओं के साथ कसी कमर 03
तानाशाही है जेलेंस्की, बात मान लो नहीं तो देश भी नहीं बचेगा... 08

NCR समाचार

विराट शतक के सामने पाकिस्तान ने टेके घुटने 10
फिजियोथेरेपी वक्त की मांग 11

इस्माईल खान

www.ncrsamacharlive.in
BY C.R.O. TEAM
twitter-@ncrsamacharlive
भारत का नं. 1 साप्ताहिक समाचार पत्र

मिसेज के बाद साइंस बेस्ड मूवी करेंगी सान्या 12

एक नजर

ध्यान वैश्विक शांति के लिए आवश्यक : जगदीप धनखड़

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि मेडिटेशन या ध्यान आत्मा के लिए एक भोजन की तरह है और इसके साथ ही यह वैश्विक शांति के लिए भी एक आवश्यकता है। उन्होंने यह बात नई दिल्ली के भारत मंडपम में ग्लोबल कॉन्फ्रेंस ऑफ मेडिटेशन लीडर्स (जीसीएमएल) में कही। यह आयोजन वैश्विक नेतृत्व, शासन और सामाजिक कल्याण में ध्यान को एकीकृत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा, ह्लध्यान केवल एक प्राचीन अभ्यास नहीं है, यह आत्मा के लिए भोजन है और वैश्विक शांति और कल्याण के लिए एक आवश्यकता है। धनखड़ ने यह भी कहा कि ध्यान में भारत का नेतृत्व दुनिया भर के प्रयासों से मेल खाता है, जैसे संयुक्त राष्ट्र द्वारा विश्व ध्यान दिवस को मान्यता देना और जी20 का 'एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य' का सपना। सम्मेलन में वैश्विक सरकारों से शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, कॉर्पोरेट नेतृत्व और शासन में ध्यान को एकीकृत करने का आग्रह करने का भी प्रस्ताव रखा गया। प्रस्ताव में राष्ट्रीय विकास नीतियों में माइंडफुलनेस को शामिल करने के लिए कार्रवाई योग्य रणनीतियों की रूपरेखा दी गई है। कार्यक्रम में बोलते हुए पद्म भूषण दाजी (कमलेश पटेल) ने इस बात पर जोर दिया कि सच्चे आध्यात्मिक विकास के लिए सूक्ष्म शरीर, मन, बुद्धि और अहंकार को बदलना आवश्यक है। ध्यान मस्तिष्क तरंगों, भावनात्मक बुद्धिमत्ता और समग्र कल्याण को प्रभावित करता है। उन्होंने दुनिया भर की सरकारों से आग्रह किया कि वे ध्यान को राष्ट्रीय कल्याण की आधारशिला के रूप में अपनाएं। उपराष्ट्रपति ने ध्यान को भारत की संस्कृति और शासन का अभिन्न अंग बनाने के लिए एक राष्ट्रीय आंदोलन का भी आह्वान किया।

भारत में पेट्रोलियम की कीमत दुनिया में सबसे कम: केंद्रीय मंत्री

विजयवाड़ा/नई दिल्ली। केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि भारत में पेट्रोलियम की कीमतें दुनिया में सबसे कम हैं। आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में देश में ईंधन की कीमतें वास्तविक रूप से कम हुई हैं। वैश्विक तेल आपूर्ति पर बोलते हुए पुरी ने कहा कि अब अधिक तेल अमेरिका, ब्राजील, गुयाना, सूरीनाम और कनाडा जैसे देशों से आ रहा है। केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा कि कच्चे तेल की कोई कमी नहीं है और मौजूदा समय में 40 देशों से आपूर्ति भारत को मिल रही है। पहले इनकी संख्या 27 थी। अगर और देश इसमें जुड़ना चाहते हैं तो हम उनका स्वागत करेंगे। इससे तेल की कीमतों को कम रखने में मदद मिलेगी। केंद्रीय मंत्री के कहा, पेट्रोलियम की कीमतें बीते तीन वर्षों में कम हुई हैं। उन्होंने आगे कहा कि पेट्रोल की कीमतों में -0.67 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। हालांकि, डीजल की कीमतों में 1.15 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। पुरी ने स्पष्टीकरण देते हुए कहा कि पेट्रोलियम की कीमत में गिरावट से सरकार को कोई वित्तीय फायदा नहीं हुआ है। बल्कि सरकार ने तेल कंपनियों को 22,000 करोड़ रुपये की राहत दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में हुई आर्थिक प्रगति पर प्रकाश डालते हुए पुरी ने कहा कि 2014 में भारत 10 वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और साथ ही पांच सबसे कमजोर अर्थव्यवस्थाओं में शामिल था।

दिल्ली में महिलाओं को जल्द मिलेगी 2500 वाली सौगात!

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने महिला समृद्धि योजना को लेकर अधिकारियों के साथ चर्चा की

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। दिल्ली की महिलाओं को हर महीने 2500 रुपए वाली सौगात जल्द मिल सकती है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता महिला समृद्धि योजना को लेकर काफी गंभीर हैं। उन्होंने इस दिशा में कदम बढ़ा दिए हैं। एक बैठक में इस योजना को लेकर अधिकारियों को कई निर्देश दिए गए हैं।

दिल्ली की नवनियुक्त मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और उनके मंत्रियों ने शनिवार को अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में बजट तैयार करने और महिला समृद्धि योजना के क्रियान्वयन पर चर्चा की गई। महिला समृद्धि योजना के तहत भाजपा ने दिल्ली की महिलाओं को हर महीने 2500 रुपए देने का चुनावी वादा किया है। एक सूत्र ने बताया कि मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को महिला समृद्धि योजना का लाभ कैसे दिया जाए, इसके लिए पात्रता मानदंड तैयार को कहा है। साथ ही अन्य राज्य सरकारों द्वारा शुरू की गई इसी तरह की योजनाओं का तुलनात्मक अध्ययन करने का भी निर्देश दिया है।

बैठक में अधिकारियों द्वारा मुख्यमंत्री को दिल्ली सरकार के बजट की जानकारी दी गई। इस बात पर जोर दिया गया कि लोगों को अधिकतम लाभ पहुंचाने के लिए पैसे का कुशलतापूर्वक उपयोग किया जाना चाहिए। बैठक में सड़कों, फ्लाईओवरों की मरम्मत और सफाई तथा बरसात के मौसम में जलभराव को रोकने की योजना जैसे अन्य मुद्दों पर भी चर्चा की गई।

विपक्षी आप ने सत्तारूढ़ भाजपा पर पहली कैबिनेट बैठक में महिला समृद्धि योजना को पारित न करने का आरोप लगाया है। पूर्व

मुख्यमंत्री आतिशी ने सीएम रेखा गुप्ता को पत्र लिखकर इस मुद्दे पर आप विधायकों के साथ उनसे मिलने का समय मांगा है।

इस बीच पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश वर्मा ने विभिन्न कार्यों का जायजा लिया। अधिकारियों ने बताया कि अब तक मिंटो रोड अंडरपास और पुल प्रहलाद जैसे करीब दो दर्जन जलभराव वाले स्थानों की पहचान की गई है। अन्य कैबिनेट मंत्रियों ने भी शहर में चल रही परियोजनाओं की प्रगति का आकलन करने के लिए फील्ड के दौरे किए।

गृह, शिक्षा एवं शहरी विकास मंत्री आशीष सूद ने अपने विभागों का कार्यभार संभाला और संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने अपने विधानसभा क्षेत्र जनकपुरी के पंखा रोड का दौरा किया और अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे सड़कों पर पड़े कूड़े को हटवाएं और विधानसभा क्षेत्र में समुचित सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करें।

एक्स पर एक पोस्ट में सूद ने कहा कि उन्होंने अधिकारियों के साथ पूरी दिल्ली के समग्र विकास पर चर्चा की और चल रही परियोजनाओं की समीक्षा की।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने प्रधानमंत्री मोदी से की मुलाकात

नयी दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से उनके आवास में भेंट की और दिल्ली में सुशासन और विकास के लिए प्रतिबद्धता व्यक्त की। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री के साथ इस भेंट की जानकारी सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट की। श्रीमती रेखा गुप्ता ने कहा, ह्लआज प्रधानमंत्री आवास में यशस्वी प्रधानमंत्री माननीय नरेन्द्र मोदी जी से शिष्टाचार भेंट की। आपके मार्गदर्शन और नेतृत्व में भाजपा की डबल इंजन सरकार लोक कल्याण और सुशासन के पथ पर चलते हुए दिल्लीवासियों के सपनों को एक विकसित दिल्ली में बदलने को प्रतिबद्ध है। श्रीमती रेखा गुप्ता (50) दिल्ली विधान सभा चुनाव में निर्वाचित भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सदस्यों की बुधवार को हुई बैठक में सर्वसम्मति से विधायक दल की नेता चुनी गयी। उन्हें 20 फरवरी को मुख्यमंत्री पद की शपथ दिलायी गयी।

शत-प्रतिशत पूरा होगा महिलाओं से किया गया वादाः मुख्यमंत्री

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने रविवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने विधानसभा चुनाव के दौरान महिलाओं से जो वादे किये हैं, उन्हें पूरा किया गया।

श्रीमती गुप्ता ने दिल्ली भाजपा के कार्यालय 14 में विधानसभा सत्र को लेकर हुई विधायक दल की बैठक के बाद संवाददाताओं से आज यहां कहा, दिल्ली को लेकर हमने जो वादे किये हैं, वे पूरे होंगे। आम आदमी पार्टी (आप) की पूर्ववर्ती सरकार ने हमारे लिए खाली खजाना छोड़ा है, इसके बावजूद सभी किए गए वादे पूरे होंगे।

उन्होंने कहा, सोमवार को विधानसभा का सत्र शुरू होगा। नवनिर्वाचित विधायक शपथ लेंगे और विधानसभा के अध्यक्ष तथा उपाध्यक्ष का चयन होगा। इसके बाद उपराज्यपाल का अभिभाषण होगा। यह तीन दिनों का सत्र है। तीन दिनों के सत्र के दौरान सारे कामों , जो दिल्ली के जनता के हित के लिए हैं, पर चर्चा होगी। सदन में नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की रिपोर्ट रखी जाएगी।

उन्होंने कहा, सदन का पहला सत्र दिल्ली के लिए नए आयाम लेकर आएगा और बार-बार एक ही बात कहना चाहूंगी कि दिल्ली के लिए हमारी प्रतिबद्धता पूर्णता खरी है और वादे शत प्रतिशत पूरे किये जाएंगे। श्रीमती गुप्ता ने कहा, पिछले चार दिनों में लगातार बैठकें कर रहे हैं। जो स्थिति पिछली सरकार ने हमारे सामने छोड़ी है, उसे जब अधिकारियों के साथ बैठकर सरकार की वित्तीय स्थिति देखते हैं, तो सारे सरकारी खजाने खाली हैं।

उन्होंने कहा, महिला सम्मान योजना को लेकर कई बैठकें कर चुके हैं। आज सरकार का खजाना खाली है। दिल्ली की महिलाओं के लिए हम जरूर लाएंगे, अपने वादे को शत प्रतिशत पूरा करेंगे।जनता की अपेक्षा को पूरी करना हमारी जिम्मेदारी है। साथ ही, जिन्होंने दिल्ली को लूटने का काम किया और ठगने का काम किया तथा जिस झूठ को प्रचारित करने का काम कर रहे हैं, उनका मुंह बंद करवाना हमारा काम है। जनता के एक-एक पैसे का हिसाब लिया जाएगा।

इस मौके पर दिल्ली भाजपा के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि कल से विधानसभा का नया सत्र शुरू होने जा रहा है।

कांग्रेस को जरूरत नहीं तो मेरे पास 'विकल्प' मौजूद है : थरूर

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा केरल की वाम लोकतांत्रिक मोर्चा(एलडीएफ) सरकार की तारीफ से विशेष चर्चा में आये तिरुवनंतपुरम से कांग्रेस के लोकसभा सदस्य शशि थरूर ने यह कहकर अब सबको चौंका दिया है कि पार्टी के लिए वह उपलब्ध हैं लेकिन यदि उनकी सेवाओं की जरूरत नहीं है तो उनके पास 'विकल्प' हैं।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने यह बयान मलयाली भाषा के एक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को दिया है। इस बयान के बाद उनके कांग्रेस छोड़ने की अटकलें और तेज हो गई हैं हालांकि उन्होंने इसका खंडन किया है। श्री थरूर ने हाल में श्री मोदी की अमेरिका यात्रा की तारीफ करने के साथ ही केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजय के नेतृत्व वाली एलडीएफ सरकार के कामों की प्रशंसा की जिसके कारण राजनीतिक गलियारे में उनके कांग्रेस छोड़ने की अटकलें बढ़ गई थीं। हालांकि इन टिप्पणियों के बीच श्री थरूर ने कांग्रेस छोड़ने की अफवाहों का खंडन किया और कहा कि वह सिर्फ अपने काम को लेकर पार्टी से सवाल कर रहे हैं।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के खिलाफ चुनाव लड़ने के बाद से ही अलग थलग नजर आ रहे तिरुवनंतपुरम से चौथी बार पार्टी के टिकट पर लोकसभा पहुंचे श्री थरूर ने पार्टी नेता राहुल गांधी से भी अपनी भूमिका तय करने को लेकर बात की लेकिन उन्हें कोई जवाब नहीं मिला। अब श्री मोदी और केरल सरकार की तारीफ करके पार्टी की सेवा में उपलब्ध की बात करने के साथ ही उन्होंने चेतावनी भी दे दी कि उनके पास 'विकल्प' भी मौजूद है। श्री थरूर के इस बयान के बाद राजनीतिक हलचल बढ़ गई है और अटकलें ने तेजी पकड़ ली है कि श्री थरूर कांग्रेस छोड़ रहे हैं।

दक्षिणी दिल्ली में पिता की चिंता बनी मौत का कारण, बोर्ड परीक्षा के लिए जाते वक्त हादसे में बेटी और बाइक सवार की मौत

कुणाल/दिल्लीः दक्षिणी दिल्ली के तुगलकाबाद रोड पर एक दिल दहलाने वाला हादसा हुआ, जिसमें एक बेटी और बाइक सवार की जान चली गई। यह घटना उस समय हुई जब एक पिता अपनी बेटी को बोर्ड परीक्षा के लिए छोड़ने जा रहे थे और इस फिक्र में कि उनकी बेटी का पेपर छूट न जाए, उन्होंने अपनी बेटी को एक बाइक सवार के साथ भेज दिया। अक्सर तुगलकाबाद रोड पर अक्सर जाम की समस्या देखि जाती है, जिसका मुख्य कारण घरों के सामने गाड़ी खड़ी होना है। ट्रैफिक पुलिस का कहना है कि वे रोजाना 50 से 60 चालान काटते हैं, लेकिन दबंगों के डर से वे ज्यादा सख्त कार्रवाई नहीं कर पाते। इस जाम से बचने के लिए

पिता ने अपनी बेटी को बाइक पर बिठा दिया और बाइक सवार से कहा कि वह उसे एग्जाम सेंटर तक छोड़ दे, ताकि बेटी का समय न बर्बाद हो। बाइक सवार ने सहमति दी और रास्ते में उनकी गाड़ी जाम में फंस गई। इसी दौरान एक टउऊट्रक ने बाइक सवार को टक्कर मारी। ट्रक का नंबर यूपी का था और ट्रक ड्राइवर का नाम युगल बताया जा रहा है। टक्कर के बाद ट्रक ने बाइक सवार जाबाज खान और लड़की को कई मीटर तक घसीटा, जिससे दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। बाइक सवार जाबाज खान की उम्र करीब 27 साल थी, जबकि लड़की की उम्र 15 से 16 वर्ष के बीच बताई जा रही है। हादसे के बाद प्रशासन मौके पर काफी देर से पहुंची और वहां जमा भीड़ को हटाने में समय लगा। एंबुलेंस को फोन करने के बाद भी काफी देर तक एंबुलेंस नहीं पहुंची। आखिरकार, प्रशासन की गाड़ी में दोनों शवों को अस्पताल भेजा गया। पोस्टमार्टम के बाद उनके शव परिवार को सौंप दिए जाएंगे। यह हादसा उन हालातों को उजागर करता है, जहां सड़क पर जाम और ट्रैफिक नियमों की अवहेलना से जान-माल का नुकसान हो रहा है।

कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़, खेती की आत्मा है किसान : शिवराज चौहान

दिल्ली में तीन दिवसीय 'पूसा कृषि विज्ञान मेला 2025' का केंद्रीय मंत्री ने किया उद्घाटन

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (आईसीएआर) के तीन दिवसीय पूसा कृषि विज्ञान मेले का उद्घाटन शनिवार को केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने किया। इस अवसर पर शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ है, खेती की आत्मा किसान है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संकल्प को पूरा करने के लिए कृषि क्षेत्र में हम लगातार काम कर रहे हैं। उन्होंने आईसीएआर को बधाई देते हुए कहा कि आज जो किस्में दिखाई हैं, वो अपने आपमें बड़ी उपलब्धि है। वैज्ञानिक दिन-रात परिश्रम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारी 6 सूत्रीय रणनीति है। इसमें उत्पादन बढ़ाना, अच्छे बीज तैयार करना, बीज किसानों तक पहुंचाना शामिल है।

इस अवसर पर केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री रामनाथ ठाकुर, भारतीय कृषि

अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के महानिदेशक डॉ. हिमांशु पाठक, आईएआरआई के निदेशक डॉ. सी.एच. श्रीनिवास राव, उप महानिदेशक डॉ. डी.के. यादव सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी और बड़ी संख्या में किसान, कृषि वैज्ञानिक, कृषि उद्यमी, स्टार्टअप के प्रतिनिधि, खाद्य प्रसंस्करणकर्ता आदि उपस्थित रहे।

केंद्रीय कृषि मंत्री ने कहा कि 24 फरवरी को प्रधानमंत्री भागलपुर में किसान सम्मान निधि के तहत किसानों के खाते में राशि भेजेंगे। रविवार को वे बिहार में मखाना उत्पादकों के बीच जाएंगे, उनकी समस्याएं जानेंगे और समझेंगे। उन्होंने कहा कि इससे पहले वे सुपारी उत्पादकों के बीच गये थे। शिवराज चौहान ने कहा कि हमें किसानों की लागत का इंतजाम भी करना है। किसान क्रेडिट कार्ड की सीमा 3 लाख रुपये से बढ़ाकर 5 लाख रुपये कर दी गई है। इससे फल-सब्जी के किसान को फायदा मिलेगा।

उन्होंने बताया कि तीसरा कार्य है, उत्पादन का ठीक दाम देना। इसके लिए लगातार एमएसपी पर बढ़ोतरी की गई है। किसान का गेहूं, चावल तो सरकार खरीदेगी ही, मसूर उड़द, तुअर पूरी खरीदी जाएगी। इन चीजों का उत्पादन तब बढ़ेगा, जब उनको अच्छे दाम मिलेंगे। किसान जहां बेचता है वहां सस्ता बिकता है और दिल्ली मुंबई में आ जाए तो महंगा हो जाता है। अभी टमाटर के रेट कम हो गए। हमने योजना बनाई है कि नाफेड के माध्यम से ट्रांसपोर्टेशन का खर्च केंद्र सरकार चुकाएगी, जिससे किसान को ठीक दाम मिले।

केंद्रीय मंत्री शिवराज चौहान ने कहा कि सोयाबीन के रेट घटे तो बाहर से आने वाले तेल पर इम्पोर्ट ड्यूटी 27.5 प्रतिशत कर दी। चावल के निर्यात पर प्रतिबंध था, हमने उसे हटाया और एक्सपोर्ट ड्यूटी कम की। शिवराज सिंह ने कहा कि देश में कोई चीज हो न हो, 5 साल, 12 महीने चुनाव की तैयारी चलती रहती है। सालभर नहीं हुआ, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान के चुनाव हुए, फिर लोकसभा चुनाव, फिर महाराष्ट्र, झारखंड, जम्मू कश्मीर, हरियाणा के चुनाव और उसके बाद दिल्ली का दंगल।

इस चुनाव की तैयारी में सारे काम ठप्प हो जाते हैं, प्रधानमंत्री से लेकर मुख्यमंत्री, अधिकारी सब चुनाव में लग जाते हैं। लांग टर्म की प्लानिंग नहीं हो पाती। अगर संशोधन करके ये तय कर दिया जाए कि सभी चुनाव एक बार में होंगे, तो अच्छा कैसा रहेगा? इस किसान मेले में संकल्प लें कि पांच साल में एक बार लोकसभा और विधानसभा के चुनाव होना चाहिए, ताकि सभी लोग जनता की सेवा में लग सकें।

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह ने नवोन्मेषी कृषक और अध्येता कृषक पुरस्कारों से किसानों को सम्मानित किया, जिन्होंने अपनी खेती में नई

2.1 करोड़ डॉलर मेरे दोस्त पीएम मोदी को: ट्रंप ने फिर दोहराया

नई दिल्ली/ वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने लगातार तीसरे दिन 'वोटर टर्नआउट' के लिए कथित रूप से भारत को मिले 2.1 करोड़ डॉलर का मुद्दा उठाया है।

श्री ट्रंप का यह ताजा बयान उस रिपोर्ट के बाद आया है जिसमें दावा किया गया है कि 2022 में 2.1 करोड़ डॉलर का अनुदान भारत के लिए नहीं बल्कि बंगलादेश के लिए मंजूर किया गया था। राष्ट्रपति ट्रंप ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'मेरे मित्र प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भारत को 'वोटर टर्नआउट' के लिए 2.1

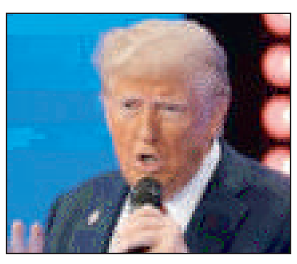

करोड़ डॉलर दिए जा रहे हैं.... हम भारत में मतदान के लिए 2.1 करोड़ डॉलर दे रहे हैं। हमारा क्या? मैं भी तो मतदान बढ़ाना चाहता हूं। इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में राष्ट्रपति ट्रंप ने बंगलादेश को मिले 2.9 करोड़ डॉलर अमेरिकी मदद का भी जिक्र किया।

श्री ट्रंप ने कहा कि बंगलादेश को 2.9 करोड़ डॉलर राजनीतिक परिदृश्य में स्थिरता लाने के लिए दिए गए। उन्होंने कहा, बंगलादेश में 2.9 करोड़ अमेरिकी डॉलर एक ऐसी फर्म को दे दिए गए, जिसके बारे में किसी ने कभी सुना ही नहीं था।

एनसीआर समचार,
साप्ताहिक समाचार पत्र में विज्ञापन के लिए संपर्क करें।

कार्यालय :
12/276, संगम विहार
नई दिल्ली- 62

फोन :
8888883968
9811111715

एनसीआर समाचार पत्र के स्वामित्व/ प्रकाशन परिवर्तन के संबंध में

आवश्यक सूचना

एनसीआर समाचार पत्र के समस्त पाठकों तथा समाचार पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षों से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टर जी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृव में हो रहा है।

अतः भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ नए कार्यालय जी-12/276, संगम विहार, नई दिल्ली- 110062, दूरभाष (मोबाईल) 8888883968, 9811111715 सम्पर्क करें।

ताजा खबर

संक्षिप्त

पति की मानसिक स्थिति ठीक नहीं, पत्नी को जिंदा जलाया

कोरबा। दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है.

कटघोरा थाना क्षेत्र के ढेलवाडीह में बीती रात एक सनकी पति ने अपनी पत्नी को घर से कुछ दूर जिंदा जलाने के इरादे से आग लगा दिया. मॉर्निंग वॉक पर निकले राहगिरों ने जब देखा तो महिला बुरी तरह से झुलसी हालत में मिली. राहगिरों ने तत्काल एंबुलेंस बुलाकर उसे अस्पताल भेजा और पुलिस को सूचना दी. सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मौके से पीड़िता के जले हुए चप्पल, माचिस और ज्वलनशील पदार्थ (पेट्रोल/मिट्टीतेल) की खाली बोतल बरामद किया है और मामले में पीड़िता के आरोपी पति को गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई में जुट गई है. जानकारी के अनुसार आरोपी पति मानसिक रूप से बीमार है. उसने बीती रात करीब 3 बजे अपनी पत्नी को घर से कुछ दूरी पर पुराने स्क्ष्यूटरकालोनी में दुर्गा पंडाल के पास ले जाकर घटना को अंजाम दिया है. फिलहाल पीड़िता को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है. उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है.

बेंगलुरु के एक युवक और युवती की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

कर्नाटक। चिकमंगलुरु में बेंगलुरु के एक युवक और युवती की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है। मामला चिकमंगलुरु तालुक के

दसराहल्ली गांव में सामने आया है। युवती का शव कार में मिला, जबकि युवक का शव पास के पेड़ पर मिला। आशंका है कि युवक ने युवती की हत्या करने के बाद आत्महत्या कर ली। बेंगलुरु में पंजीकृत एक पीले रंग की प्लेट वाली कार में दो लोग पहुंचे। कार का पंजीकरण न्न 03-ध् 4628 के रूप में किया गया है। युवती के गले पर गला घोंटने का निशान है। युवक युवती के घूंघट से लटका हुआ मिला। इस तरह मामले को लेकर संशय पैदा हो गया है।

मदरसे में नाबालिग लड़की के साथ मारपीट, आरोपी गिरफ्तार

कर्नाटक। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि यहां एक मदरसे में 11 वर्षीय लड़की के साथ एक व्यक्ति ने मारपीट की। 16 फरवरी को हेग्डे नगर में हुई यह घटना मदरसे में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। बुधवार को दर्ज कराई गई शिकायत में पीड़िता की मां ने आरोप लगाया कि उसकी बेटी को जुलाई 2024 में मदरसे और उसके छात्रावास में पांचवीं कक्षा में दाखिला दिलाया गया था। पुलिस ने बताया कि छात्रावास के केयरटेकर का बेटा मोहम्मद हसन अक्सर छात्रावास आता-जाता था। 16 फरवरी को शाम करीब साढ़े चार बजे लड़की को कार्यालय बुलाया गया। हसन ने कथित तौर पर चावल गिराने और छात्रावास की अन्य लड़कियों के साथ खेलते समय झगड़ा करने पर लड़की की पिटाई की। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि कोथनूर पुलिस थाने ने किशोर न्याय अधिनियम की धारा 75 (बच्चों के साथ क्रूरता के लिए सजा) और भारतीय दंड संहिता की धारा 115 (स्वेच्छा से चोट पहुंचाना) के तहत मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

भतीजी की शादी होने वाली थी, चाचा भगा ले गया और फिर...

यूपी। हाल में कानपुर के घाटमपुर में एक युवती अपनी शादी के दिन ही घर छोड़कर भाग गई थी. अब जब वह 5 दिन बाद मिली तो फांसी के फंदे पर झूल रही थी उसके साथ एक युवक का शव भी बरामद हुआ है. घाटमपुर की रहने वाली सोनी की 15 फरवरी को शादी थी.

लेकिन उसका अपने रिश्ते में चाचा लगने वाले 25 साल के अंकित से कई सालों से अफेयर चल रहा था. दोनों एक दूसरे को बहुत प्यार करते थे और शादी करना चाहते थे लेकिन एक ही गांव में पड़ोस में रहने के चलते रिश्ते में चाचा होने का संबंध उन दोनों के प्यार में बाधा बना हुआ था. दोनों जानते थे उनकी शादी नहीं हो पाएगी. अंकित ने पहले भी सोनी से कहा था कि चलो भाग चलते हैं लेकिन उसने घर छोड़ने से मना कर दिया था. इधर घर वालों को उनके रिश्ते की भनक हो गई थी, इसलिए सोनी के घर वालों ने उसकी शादी तय कर दी और 15 फरवरी को उसकी शादी थी. लेकिन 14 फरवरी को ही दोनों रात में अपने घर से निकल गए,घर में शादी की तैयारी हो गई थी,मंडप सजा था लेकिन लड़की ही घर पर नहीं था. घर वालों ने पता किया तो अंकित भी घर से गायब था.इसलिए समझने में देर नहीं लगी कि दोनों घर से एक साथ भागे हैं. पुलिस को सूचना दी गई और घर वाले इधर-उधर घूमते रहे लेकिन उसका कहीं पता नहीं चला. बुधवार की शाम को घाटमपुर से कई किलोमीटर दूर सजेती के एक टूटे मकान में दोनों एक ही दुपट्टे से लटके मिले. दोनों ने एक साथ आत्महत्या कर ली थी. पुलिस ने दोनों का पंचनामा करके बॉडी पोस्टमार्टम को भेजी है. इस घटना के संबंध में कुछ भी बात करने से मना कर रहे हैं क्योंकि घर में शादी का माहौल था, ऐसे में बेटी ही घर से भाग जाए, तो घर वाले क्या करें. पुलिस के डीसीपी महेश कुमार का कहना है दोनों के बीच चाचा भतीजी का रिश्ता था. दोनों में प्रेम संबंध था और दोनों शादी से एक दिन पहले घर से भागे थे. ये प्रेम के चलते आत्महत्या करने का मामला लग रहा है और घर वालों ने भी कोई शिकायत नहीं की है.

भोपाल में रिसेप्शन स्थल से दुल्हन फरार, पुलिस ने तलाश शुरू की

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में बुधवार रात एक 22 वर्षीय दुल्हन शादी के बंधन में बंधने के एक दिन बाद रिसेप्शन स्थल से भाग गई, एक पुलिस अधिकारी ने गुरुवार को बताया। दुल्हन विदिशा जिले के गंजबासौदा की रहने वाली है। उसने अपनी इच्छा के विरुद्ध 18 फरवरी को गंजबासौदा में भोपाल निवासी के साथ विवाह बंधन में बंधी और उनकी रिसेप्शन पार्टी भोपाल में होने वाली थी । दंपत्ति बुधवार रात कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे, जहां वह कार से उतर गई और मौके से दूसरी कार में बैठकर फरार हो गई। घटना के बाद दूल्हे ने टीटी नगर थाने में शिकायत दर्ज कराई । इस पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर दुल्हन की तलाश में तलाशी अभियान शुरू कर दिया है।

टीटी नगर पुलिस स्टेशन के प्रभारी सुधीर अरजारिया ने एएनआई को बताया, कल रात करीब 9ः30 बजे हमें शिकायत मिली कि भोपाल के अंकुर स्कूल के पास स्थित एक समारोह स्थल पर रिसेप्शन पार्टी का आयोजन किया जाना था । दूल्हे ने पुलिस को बताया कि रिसेप्शन के लिए समारोह स्थल पर पहुंचने पर वह कार से उतर गया और दुल्हन दूसरे गेट से उतर गई। इस बीच, वह दूसरी कार में बैठ गई और मौके से फरार हो गई। अधिकारी ने कहा, जब हमने विस्तृत जानकारी एकत्र की और मामले की जांच की, तो पता चला कि जोड़े ने 18 फरवरी को गंजबासौदा में शादी की थी। इसके लिए कल भोपाल में एक रिसेप्शन पार्टी का आयोजन किया गया था । साथ ही, शादी के बाद दुल्हन की विदाई में भी बाधा आई। जिस कार से जोड़े को आना था, उसके सभी टायर खराब हो गए थे, जिसके कारण वे उसमें नहीं जा सके। वे उसी बस से भोपाल पहुंचे , जिसमें बाराती गए थे। उन्होंने आगे बताया, मामले की जांच के दौरान जब पुलिस टीम देर रात गंजबासौदा पहुंची तो पता चला कि दुल्हन का अपने पड़ोस में रहने वाले एक व्यक्ति से प्रेम संबंध था। उसके परिवार वालों ने उसकी मर्जी के खिलाफ उसे शादी के लिए मजबूर किया था, जिसके चलते यह संभव है कि वह उसी व्यक्ति के साथ भाग गई हो।

शादी में हर्ष फायरिंग के दौरान महिला को लगी गोली, स्पॉट पर मौत

सीतापुर। सीतापुर के लहरपुर कोतवाली क्षेत्र में एक शादी समारोह के दौरान हर्ष फायरिंग ने एक परिवार की खुशियों को मातम में बदल दिया। खपूरा गांव में हर्ष फायरिंग के दौरान एक महिला के गोली लग गई। आनन फानन में महिला को सीएचसी ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच कर रही है। हर्ष फायरिंग के आरोपी अन्नू यादव को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। उधर, घटना के बाद शादी वाले घर में मातमी सन्नाटा पसरा हुआ है।

गुरुवार देर रात कोतवाली क्षेत्र के पीरकपुर खपूरा गांव में बराती लाल के घर बेटी की शादी थी। थाना हरगांव क्षेत्र के ग्राम बेनियापुर से बारात आई। शादी की तैयारी चल रही है। रस्मों के बीच लखनऊ निवासी अन्नू यादव ने हर्ष फायरिंग कर दी। इसी दौरान अचानक जानकी देवी पत्नी मुन्नालाल (50 वर्ष) निवासी ग्राम इच्छा थाना तंबौर को गोली लग गई। गोली लगते ही वह लहूलुहान हालत में गिर पड़ीं। घटना की जानकारी मिलते ही हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। घायल महिला को नजदीकी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। वहां पर डॉक्टर ने महिला को मृत घोषित कर दिया। मौत की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। शादी की खुशियां मातम में बदल गई। सन्नाटा पसर गया।

30 वर्षीय बस ड्राइवर पर लापरवाही से गाड़ी चलाने का मामला दर्ज

मुंबई। मुंबई उत्तर मध्य जिला फोरम (एमएनसीडीएफ) के सह-संयोजक उरीच कामथ, 40 ने एक बेस्ट ड्राइवर के खिलाफ लापरवाही से गाड़ी चलाने और सार्वजनिक सुरक्षा को खतरे में डालने का आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज कराई है। बाद में,

बेस्ट ड्राइवर ने कथित तौर पर पुलिस स्टेशन में एमएनसीडीएफ सदस्य को खुलेआम धमकाया। माहिम पुलिस ने 19 फरवरी को बेस्ट ड्राइवर समीर शेख, 30 के खिलाफ लापरवाही से गाड़ी चलाने के आरोप में एफआईआर दर्ज की।

एफआईआर के अनुसार, शिकायतकर्ता उरीच कामथ, जो माहिम पश्चिम में रहता है और एक इवेंट मैनेजमेंट कंपनी में काम करता है, मुंबई उत्तर मध्य जिला फोरम (एमएनसीडीएफ) का सह-संयोजक भी है, जो एक सामाजिक संगठन है जो नागरिक मुद्दों और शिकायतों को संबोधित करता है। बुधवार को दोपहर करीब 12ः50 बजे कामथ अपनी कार से माटुंगा स्टेशन से माहिम पश्चिम की ओर जा रहे थे। माहिम पश्चिम में शोभ होटल जंक्शन पर पहुंचने पर, पूर्व-पश्चिम सिग्नल चालू था, और कामथ पूर्व से पश्चिम की ओर बढ़ रहे थे, जब एक बेस्ट बस (रू01 श्रढ 7067) ने दक्षिण-उत्तर सिग्नल को तोड़ दिया, जो बंद था, और लापरवाही से गाड़ी चला रहा था। कामथ ने बस का पीछा किया और माहिम पश्चिम में विक्टोरिया स्कूल के पास ड्राइवर से भिड़ गए, और पूछा कि उसने सिग्नल क्यों तोड़ा है। ड्राइवर ने जवाब दिया कि वह पुलिस को समझाएगा। कंडक्टर ने यह भी दावा किया कि ड्राइवर ने सिग्नल नहीं तोड़ा है। कामथ ने 100 नंबर डायल किया और पुलिस मौके पर पहुंची और ड्राइवर से पूछताछ की, जिसने खुद को कुर्ला ईस्ट का निवासी समीर शेख बताया। चूंकि बस में करीब 20 यात्री थे, इसलिए पुलिस ने बस को आगे बढ़ने दिया, लेकिन बाद में कामथ ने माहिम पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई।

पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 281 (सार्वजनिक मार्ग पर लापरवाही से वाहन चलाना) और 125 (दूसरों की जान या व्यक्तिगत सुरक्षा को खतरे में डालने वाला कृत्य) के साथ-साथ मोटर वाहन अधिनियम की धारा 177 (अधिनियम या किसी नियम के किसी प्रावधान का उल्लंघन करना) और 184 (खतरनाक तरीके से वाहन चलाना) के तहत मामला दर्ज किया। कामथ ने कहा, बेस्ट बस चालक ने मुझे और दो अन्य वाहनों, एक बाइक और एक अन्य चार पहिया वाहन को टक्कर मार दी। मैंने 100 नंबर डायल किया और पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस स्टेशन में, बस चालक ने पुलिस को प्रभावित करने के लिए कई व्यक्तियों को बुलाया और अभद्रता से बात की, लेकिन उन्होंने फिर भी मामला दर्ज कर लिया। पूरे शहर में, बेस्ट बस चालक अक्सर नियमों, संकेतों की अनदेखी करते हैं और सीट बेल्ट नहीं पहनते हैं। एमएनसीडीएफ नागरिक कल्याण मंच के संस्थापक अधिवक्ता त्रिवेंद्रकुमार करनानी ने कहा, यह घटना सड़क सुरक्षा के महत्वपूर्ण महत्व और सार्वजनिक जीवन को खतरे में डालने वालों के खिलाफ सख्त उपायों की आवश्यकता को रेखांकित करती है। हम सभी नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ड्राइवर को तत्काल निलंबित करने के लिए अधिकारियों को पत्र लिखेंगे।

दो बार असफल होने के बाद तीसरी बार में हत्या

लुधियाना। लुधियाना पुलिस ने एक महिला की हत्या की गुत्थी सुलझाते हुए चौंकाने वाला खुलासा किया है. इस हत्या के पीछे कोई और नहीं, बल्कि खुद उसका पति ही मास्टरमाइंड निकला. इस हत्या के मामले में पुलिस ने आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता आलोक मित्तल समेत 7 लोगों को गिरफ्तार किया है.

पुलिस कमिश्नर कुलदीप चहल ने बताया कि आलोक मित्तल का एक महिला से प्रेम संबंध था, जिसकी जानकारी उसकी पत्नी को हो गई थी. इससे बचने के लिए आलोक ने अपनी पत्नी की हत्या की साजिश रची. उसने 2.5 लाख रुपये की सुपारी देकर हत्या करवाई, जिसमें से 50 हजार रुपये एडवांस दिए गए थे और बाकी पैसे बाद में देने थे. हत्या से पहले आलोक अपनी पत्नी को डिनर पर ले गया, फिर डीजे पर डांस किया और बाद में सुपारी किलर्स से उसकी हत्या करवा दी. पुलिस ने हत्या में इस्तेमाल की गई कार भी बरामद कर ली है.

पुलिस जांच में पता चला है कि आलोक पहले भी दो बार अपनी पत्नी को मारने की साजिश रच चुका था, लेकिन सफल नहीं हो पाया था. इस बार उसने पूरी प्लानिंग के साथ वारदात को अंजाम दिया. हालांकि, पुलिस की जांच में साजिश का पर्दाफाश हो गया और आरोपी को उसकी प्रेमिका समेत गिरफ्तार कर लिया गया. इस मामले में गिरफ्तार कुछ आरोपी साहनेवाल और ढंडारी इलाके के रहने वाले हैं. पुलिस उनके पुराने रिकॉर्ड भी खंगाल रही है. इस हत्याकांड का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें हत्या से पहले पति-पत्नी खुश नजर आ रहे थे, लेकिन कुछ ही समय बाद पत्नी की हत्या करवा दी. पुलिस मामले की गहराई से जांच कर रही है.

पति के सामने पत्नी का तीन युवकों ने किया यौन शोषण

तिरुप्पुर। ओडिशा के तिरुप्पुर से शर्मसार करने वाला मामला सामने आया है. जहां एक 27 वर्षीय महिला के साथ उसके पति के सामने बिहार के रहने वाले तीन युवकों ने यौन शोषण किया. बताया जाता है कि महिला फैक्ट्री में नौकरी की तलाश में आई थी.

फिलहाल पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है. पुलिस ने बताया कि सोमवार की रात महिला अपने तीन साल के बच्चे और पति के साथ शहर पहुंची थी, लेकिन उसे नहीं पता था कि कहां जाना है. तभी उन तीन लोगों ने उनसे कहा कि वे उन्हें आश्रय देंगे और कपड़ा फैक्ट्री में नौकरी दिलाएंगे. जिसके बाद तीनों महिला, उसके पति और बच्चों को लेकर लक्ष्मी नगर गए. लक्ष्मी नगर पहुंचने के बाद अपराधियों ने पति पर चाकू तान दिया और महिला का यौन शोषण किया. साथ ही किसी को बताने पर उसे जान से मारने की धमकी देकर छोड़ दिया गया. हालांकि, परिवार डरा नहीं और उत्तरी अखिल महिला पुलिस स्टेशन पहुंचा. जहां परिवार ने तीनों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई. जिसके बाद एक्शन में आई पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मुहम्मद नदीम, मुहम्मद दानिश और एक 17 वर्षीय लड़के को गिरफ्तार कर लिया. फिलहाल महिला को इलाज के लिए सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है. पुलिस द्वारा आगे की जांच की जा रही है.

शराब के नशे में बस के अंदर युवती की बहादुरी

केरल। कोट्टायम में एक शराबी महिला ने बस के अंदर यात्रियों पर हमला कर दिया। महिला के हमले में कई यात्रियों की पिटाई कर दी गई। पल्लिकोथोडु पुलिस ने इस घटना में पाला से एक महिला को गिरफ्तार किया है।

यह घटना मंगलवार शाम करीब पांच बजे घटी। एक शराबी महिला ने चंगनस्सेरी से पोनकुन्नम जा रही एक निजी बस के अंदर हिंसा फैला दी। उसने बस में महिलाओं का अपमान किया। बस में मौजूद लोगों के साथ कुछ हाथापाई भी हुई। बस के चौदहवें मील पर पहुंचते ही युवती को जबरन बस से उतार दिया गया। इसी बीच, एक यात्री को बालों से पकड़कर घुमाया गया और जमीन पर फेंक दिया गया। स्थानीय लोगों से सूचना मिलने के बाद, पल्लिकोथोडु पुलिस स्टेशन के एसआई जोबी के नेतृत्व में एक पुलिस दल घटनास्थल पर पहुंचा। महिला को पुलिकलकावाला से हिरासत में लिया गया। चूंकि उसके हाथ पर घाव था, इसलिए उसे अस्पताल ले जाया गया, प्राथमिक उपचार दिया गया तथा चिकित्सीय परीक्षण कराया गया। परीक्षण से पता चला कि वह नशे में थी। इसके साथ ही पुलिस ने स्वतः संज्ञान लेते हुए मामला दर्ज कर लिया। उसके रिश्तेदार को बुलाने के बाद उसे जमानत पर रिहा कर दिया गया।

हाई-प्रोफाइल सेक्स रैकेट का भंडाफोड़, नाबालिग समेत 3 को बचाया गया

मीरा-भायंदर। मीरा भयंदर-वसई विरार (एमबीवीवी) पुलिस से जुड़ी मानव तस्करी निरोधक इकाई (एएचटीयू) ने मीरा रोड में स्पा और वेलनेस सेंटर की आड़ में चल रहे एक और हाई-प्रोफाइल वेश्यावृत्ति रैकेट का भंडाफोड़ किया है।

देह व्यापार की गतिविधियों के बारे में मिली सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस निरीक्षक देवीदास हंडोरे और एएसआई उमेश पाटिल के नेतृत्व में एक टीम ने स्पा संचालक से संपर्क स्थापित करने और सौदा करने के लिए एक फर्जी ग्राहक को नियुक्त किया।

सूचना की सत्यता की पुष्टि करने के बाद, पुलिस टीम ने बुधवार को शाम करीब 4ः35 बजे मीरा रोड के रामदेव पार्क इलाके में मेराकी थाई स्पा पर छापा मारा। टीम ने परिसर से दो महिलाओं (24 और 31 वर्ष की आयु) और एक नाबालिग लड़की को बचाया और कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद उन्हें सुरक्षित रूप से पुनर्वास केंद्र भेज दिया। विडंबना यह है कि प्रतिष्ठान का मालिक और प्रबंधक अभी भी फरार हैं।

एक जांच अधिकारी ने कहा, स्पा पर छापा मारने से कुछ मिनट पहले मैनेजर किसी काम से बाहर गया था। उसने अपने मोबाइल फोन पर क्लोज सर्किट टेलीविजन (सीसीटीवी) कैमरे से जुड़े छापे की लाइव फीड देखी और फिर कभी वापस नहीं लौटा। हालांकि, उसे और मालिक को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। इस बीच, आईपीसी की धारा 370 और भारतीय न्याय संहिता, अनैतिक तस्करी निवारण अधिनियम (पीआईटीए) और यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पीओसीएसओ) अधिनियम-2012 की संबंधित धाराओं के तहत एक मामला दर्ज किया गया है। स्पा के मालिक और प्रबंधक ने न केवल एक आकर्षक वेबसाइट होस्ट की थी, बल्कि अपनी वेश्यावृत्ति गतिविधियों को बढ़ावा देने और मालिश सेवाओं की पेशकश की आड़ में संभावित ग्राहकों को लुभाने के लिए प्रमुख वेब पोर्टल और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर विज्ञापन भी डाले थे।

गोली लगने से चार वर्षीय बच्चे की मौतः नाबालिग गिरफ्तार

कर्नाटक। नागमंगल तालुक में चार वर्षीय बच्चे की मौत के सिलसिले में पुलिस ने पोल्ट्री फार्म के मालिक और एक नाबालिग लड़के को हिरासत में लिया है। पुलिस

ने बताया कि पश्चिम बंगाल के नाबालिग नरसिंह मूर्ति और डॉडेमादहल्ली गांव में पोल्ट्री फार्म के मालिक को हिरासत में लिया गया है।

पश्चिम बंगाल के रहने वाले शशांक और लिपिका कुछ सालों से नरसिंह मूर्ति के पोल्ट्री फार्म में काम कर रहे थे और रविवार को अपने नाबालिग बेटे के साथ उनसे मिलने गए थे। नाबालिग को पता नहीं था कि सिंगल बैरल बंदूक लोडेड है, इसलिए उसने सोचा कि यह एक खिलौना बंदूक है और उसने ट्रिगर दबा दिया। दुर्भाग्य से, शशांक और लिपिका का चार वर्षीय बेटा अभिजीत, जो पास में खेल रहा था, उसके पेट में गोली लग गई और अस्पताल ले जाते समय उसकी मौत हो गई। यह दुर्घटना नरसिंह मूर्ति की लापरवाही के कारण हुई, जो पोल्ट्री फार्म में लोडेड बंदूक रख रहे थे। लिपिका की शिकायत के आधार पर नागमंगला ग्रामीण पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और मूर्ति तथा नाबालिग को हिरासत में ले लिया है।

कॉलेज छात्रा के साथ घूमने निकला था प्रेमी, किसी अज्ञात नंबर से आई कॉल फिर बड़ी वारदात

ओडिशा। संबलपुर विश्वविद्यालय में एक छात्रा पर हुए हमले के मामले में एसपी मुकेश कुमार भामू ने गुरुवार को अहम जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस हमले के 12 घंटे के भीतर ही आरोपी राकेश दास को गिरफ्तार कर लिया गया है और उसे कोर्ट में पेश किया गया है।

एसपी मुकेश कुमार भामू ने समाचार एजेंसी आईएएनएस को घटना की पूरी जानकारी देते हुए कहा कि यह घटना हमला मेटाकानी मंदिर के पास हुआ, जहां छात्रा और आरोपी के बीच बातचीत चल रही थी। अचानक छात्रा का फोन आया, जिस पर राकेश ने छात्रा से उस कॉलर के बारे में सवाल किया और उसे कॉल काटने के लिए कहा। छात्रा के मना करने पर आरोपी राकेश गुस्से में आ गया और उसने एक पत्थर उठाकर छात्रा के सिर पर हमला कर दिया। एसपी ने बताया कि हमला करने के बाद वह मौके से फरार हो गया। आरोपी ने मौके से भागने से पहले छात्रा का मोबाइल भी तोड़ दिया। हमारी जांच में यह सामने आया कि छात्रा और आरोपी के बीच पिछले दो महीने से संपर्क था और दोनों पहले भी दो बार मिल चुके थे। इसके बाद पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और कई छापेमारी की मदद से आरोपी का पीछा किया और उसे गिरफ्तार कर लिया। इस मामले में आगे की जांच जारी है।

बिजली के झटके से एक ही परिवार के तीन सदस्यों की मौत

निजामाबाद। निजामाबाद जिले के बोधन पुलिस स्टेशन की सीमा के अंतर्गत पेगडापल्ली में गुरुवार को बिजली के शॉर्ट सर्किट के कारण एक ही परिवार के तीन सदस्यों की मौत हो गई, बोधन पुलिस स्टेशन के इंस्पेक्टर ने बताया। पुलिस के अनुसार, घटना एक खेत में हुई, जहां परिवार के तीन सदस्य काम कर रहे थे। पीड़ितों की पहचान एक व्यक्ति, उसकी पत्नी और उनके बेटे के रूप में हुई है। हमने मामला दर्ज कर लिया है और मामले की जांच कर रहे हैं। अधिक जानकारी की प्रतीक्षा है।

सीएम रेखा गुप्ता ने भाजपा नेताओं के साथ कसी कमर

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। भाजपा विधायक दल ने रविवार को एक बैठक में नवगठित आठवीं दिल्ली विधानसभा के सोमवार से शुरू होने जा रहे पहले सत्र के लिए अपने एजेंडे पर चर्चा की। प्रदेश भाजपा कार्यालय में आयोजित बैठक में सदन की नेता और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, उनके मंत्रिमंडल के सदस्य और पार्टी के विधायक शामिल हुए। भाजपा विधायकों को सत्र के बारे में महत्वपूर्ण जानकारियां दी गईं क्योंकि उनमें से कई पहली बार विधायक बने हैं। पार्टी विधायकों ने बताया कि बैठक में आने वाले दिनों में सरकार और पार्टी संगठन के साथ समन्वय पर भी चर्चा की गई।

उन्होंने बताया कि पार्टी भविष्य में इस उद्देश्य के लिए एक समन्वय समिति बना सकती है। भाजपा विधायक राज कुमार भाटिया ने कहा कि प्रदेश महासचिव (संगठन) पवन राणा ने विधायकों को सदन के लिए उनके संसदीय आचरण के बारे में जानकारी दी। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने गुप्ता के साथ संवाददाता सम्मेलन में कहा कि भाजपा सरकार का एकमात्र एजेंडा 'विकसित दिल्ली' सुनिश्चित करना और लोगों की पीड़ा और समस्याओं को दूर करना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नवगठित विधानसभा का पहला सत्र सोमवार को नये सदस्यों के शपथ लेने के साथ शुरू होगा और उपराज्यपाल वी के सक्सेना प्रोटेम स्पीकर' (अस्थायी अध्यक्ष) को शपथ दिलाएंगे। सदन द्वारा नया स्पीकर चुने जाने तक सत्र का संचालन करने के लिए भाजपा विधायक अरविंदर सिंह लवली को प्रोटेम स्पीकर' नियुक्त किया गया है। भाजपा ने विजेंद्र गुप्ता और मोहन सिंह बिष्ट को क्रमशः विधानसभा अध्यक्ष और उपाध्यक्ष पद के लिए उम्मीदवार बनाया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि तीन दिवसीय सत्र की सबसे महत्वपूर्ण बात नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की 14 रिपोर्ट को सदन के पटल पर रखना है। गुप्ता ने कहा, पिछली सरकारों द्वारा जनता की गाढ़ी कमाई के जो एक-एक रुपये का दुरुपयोग किया गया, उसका हिसाब लिया जाएगा।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा सरकार की प्रतिबद्धताएं बिल्कुल सच्ची'' हैं और उन्हें शत-प्रतिशत पूरा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार लोगों की सेवा करने के अपने काम पर ध्यान केंद्रित कर रही है। मुख्यमंत्री ने आम आदमी पार्टी (आप) पर निशाना साधते हुए कहा कि पार्टी के काम और दृष्टि'' को लोग पिछले एक दशक में देख चुके हैं।

इससे पहले दिन में, 'आप' विधायकों ने सर्वसम्मति से दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी को दिल्ली विधानसभा का नेता प्रतिपक्ष चुना। आतिशी ने कहा कि उन्होंने मुख्यमंत्री के तौर पर पहले ही कैग की रिपोर्ट सदन को भेज दी है। सचदेवा ने आरोप लगाया कि ह्यआप' नेताओं को झूठ बोलने'' की आदत है और उन्होंने कहा कि ह्यआप' सरकार के दौरान विधानसभा सत्र कभी स्थगित नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि ह्यआप' के पास रिपोर्ट पेश करने के लिए पर्याप्त समय था, बजाय इसके कि वह अब यह दिखावा करे कि दिल्ली विधानसभा चुनावों के कारण रिपोर्ट पेश नहीं की जा सकी।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने गृहमंत्री अमित शाह से की मुलाकात

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने रविवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। अमित शाह ने एक्स पर पोस्ट करके मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को नए दायित्व की बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि दिल्ली की जनता ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और जनकल्याण की नीतियों पर जो भरोसा दिखाया है, उसे अटूट रखते हुए मुख्यमंत्री के रूप में आपका यह कार्यकाल निश्चित ही दिल्ली को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा और जनता की सभी आशाओं और आकांक्षाओं को पूरा करेगा।

इसके बाद दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने गृहमंत्री अमित शाह धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि आपके सहयोग एवं मार्गदर्शन में दिल्ली सरकार दिल्ली की जनता के सपने पूर्ण करने और विकसित दिल्ली के लक्ष्य के लिए हर क्षण प्रयत्नशील रहेगी। उल्लेखनीय है कि सोमवार से दिल्ली विधानसभा सत्र शुरू होगा और मंगलवार को सदन में नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) रिपोर्ट को रखा जाएगा। दिल्ली विधानसभा चुनाव में सीएजी रिपोर्ट को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने आम आदमी पार्टी संयोजन अरविंद केजरीवाल पर खूब हमले किए थे।

दिल्ली की जनता की सेवा करना ही लक्ष्य है भाजपा का : मुकेश बंसल

जनता की कसौटी पर खरी उतरेगी भाजपा सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में भाजपा की सरकार बनने से हर वादा पूरा होगा, हर जरूरत पूरी होगी, सभी समस्याओं को हल किया जाएगा, दिल्ली की हर तरफ से प्रगति होगी जी हां ऐसा कहना है कर्दमपुरी वार्ड के निगम पार्षद मुकेश बंसल का।

मुकेश बंसल ने कहा कि दिल्ली में भाजपा की सरकार आने से दिल्ली वालों की हर जरूरत को पूरा किया जाएगा, भारतीय जनता पार्टी ने दिल्ली की जनता से जो भी वादे किए हैं वह सभी वादे पूरे किए जाएंगे, कांग्रेस और आम आदमी पार्टी की वजह से दिल्ली की जनता को जो भी परेशानियां हुई है उन सभी परेशानियों को हल किया जाएगा और पूरी दिल्ली की प्रगति होगी। मुकेश बंसल ने आगे कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने दिल्ली में विकास के कार्यों को करना भी शुरू कर दिया है, यमुना जी की साफ सफाई का कार्य शुरू हो गया है, यमुना जी की आरती का कार्यक्रम शुरू हो गया है, बहुत जल्द महिलाओं को 2500 रुपए महीना देने का वादा भी पूरा किया जाएगा। मुकेश बंसल ने आगे कहा कि अभी मात्र कुछ दिन ही हुए हैं दिल्ली में भाजपा की सरकार को बने हुए, अभी विधानसभा का पहला सत्र होना है। मुकेश बंसल ने कहा कि विपक्ष ने खुद तो इतने सालों में दिल्ली की जनता के लिए कुछ किया नहीं और अब जब दिल्ली की जनता ने उनको दिल्ली की कुर्सी से हटा दिया है तो भारतीय जनता पार्टी की छवि को खराब करने के लिए विपक्ष भाजपा पर बेबुनियाद आरोप लगा रहा है। मुकेश बंसल ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी को विपक्ष के द्वारा लगाए गए आरोपों से कोई फर्क नहीं पड़ता क्योंकि भारतीय जनता पार्टी का लक्ष्य बिल्कुल साफ है, भारतीय जनता पार्टी का सिर्फ एक ही लक्ष्य है, दिल्ली की जनता की सेवा करना, दिल्ली की जनता के लिए जनहित योजनाओं को लागू करना। मुकेश बंसल ने आगे कहा कि विपक्ष भारतीय जनता पार्टी को उसके लक्ष्य से भटकना चाहता है लेकिन भारतीय जनता पार्टी विपक्ष की चाल में नहीं आएगी।

एमसीडी के 12 हजार कच्चे कर्मचारी होंगे पक्के : आतिशी

नई दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी (आआपा) की सरकार ने एमसीडी के 12 हजार कच्चे कर्मचारियों को एक साथ पक्का करने का फैसला लिया है। आगामी 25 फरवरी को आयोजित होने वाले एमसीडी के सदन में इन 12 हजार कच्चे कर्मचारियों को पक्का करने पर मुहर लगाई जाएगी। आतिशी ने नेता दुर्गेश पाठक, एमसीडी मेयर महेश खिंची और सदन के नेता मुकेश गोयल के साथ रविवार को पार्टी मुख्यालय में संयुक्त प्रेसवार्ता कर इस फैसले की जानकारी दी। आतिशी ने कहा कि आआपा कच्चे कर्मचारियों को पक्का करने के लिए प्रतिबद्ध है। यह जानकारी देते हुए आआपा की वरिष्ठ नेता आतिशी ने बताया कि आम आदमी पार्टी ने एमसीडी चुनाव में कच्चे कर्मचारियों को पक्का करने का वादा किया था। अरविंद केजरीवाल के मार्गदर्शन में अब तक आआपा की सरकार 4500 कच्चे सफाई कर्मियों को पक्का कर चुकी है। उन्होंने कहा कि उन्हें लगता है कि इस देश के इतिहास में आज तक किसी भी सरकार ने अपने एक निर्णय में एक साथ 12 हजार कच्चे कर्मचारियों को पक्का नहीं किया होगा। आतिशी ने कहा कि इसी के तहत पंजाब में आआपा सरकार लगातार संविदा पर काम कर रहे शिक्षकों को पक्का कर रही है। दिल्ली में एमसीडी के अंदर आआपा की सरकार ने अभी तक 4500 सफाई कर्मचारियों को पक्का कर चुकी है। आतिशी ने कहा कि अब इस कड़ी में आज आआपा की एमसीडी सरकार ने यह बड़ा निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि उन्हें यह घोषणा करते हुए खुशी है कि आगामी 25 फरवरी को आयोजित होने वाले एमसीडी के सदन में 12 हजार कच्चे कर्मचारियों को पक्का किया जाएगा। इस दौरान एमसीडी मेयर महेश खिंची ने कहा कि आआपा ने अब तक जो-जो वादे किए, सत्ता में आने के बाद उन सभी वादों को पूरा करके दिखाया। पिछले दो साल से दिल्ली नगर निगम में आआपा की सरकार है। एमसीडी में आआपाने जो वादे किए थे, उसे पूरा करके दिखाया। वहीं आआपा के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा ह्लएमसीडी के सभी 12,000 अस्थायी कर्मचारियों को बहुत-बहुत शुभकामनाएं। आआपा ने अपना वादा निभाते हुए निगम के इन अस्थायी कर्मचारियों को स्थायी करने का ऐतिहासिक फैसला कर लिया है। 25 फरवरी को एमससीडी सदन की बैठक में ये प्रस्ताव पारित होगा।

दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बनाए जाने पर आतिशी का पहला रिएक्शन

दिल्लीवालों के हक की लड़ाई रहेगी जारी

नई दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी (आप) ने दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी को विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बनाया है। इस पर आतिशी का पहला रिएक्शन सामने आया है। उन्होंने नेता प्रतिपक्ष बनाए जाने पर कहा कि आम आदमी पार्टी जनता के मुद्दों को सदन में पूरी ताकत से उठाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि दिल्लीवालों के हक की लड़ाई जारी रहेगी। आतिशी ने कहा कि चुनाव के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने दिल्ली की सभी महिलाओं को 2,500 रुपये प्रति महीना देने की गारंटी दी थी। हम भाजपा सरकार से यह वादा जरूर पूरा कराएंगे।

पूर्व सीएम आतिशी ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट में लिखा, दिल्ली विधानसभा में आम आदमी पार्टी के विधायक दल की नेता की जिम्मेदारी सौंपने के लिए आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल और विधायक दल का आभार। दिल्ली की जनता ने हमें विपक्ष की भूमिका सौंपी है, और हम एक मजबूत विपक्ष के रूप में यह सुनिश्चित करेंगे कि भाजपा सरकार दिल्लीवालों से किए अपने सभी वादे पूरे करें। उन्होंने आगे लिखा, चुनाव के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली की सभी महिलाओं को 2,500 रुपये प्रति महीना देने की गारंटी दी थी। हम भाजपा सरकार से यह वादा जरूर पूरा करवाएंगे। आम आदमी पार्टी जनता के मुद्दों को सदन में पूरी ताकत से उठाएगी। दिल्ली और दिल्लीवालों के हक की लड़ाई जारी रहेगी। वहीं आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद ने भी आतिशी को विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बनने पर बधाई दी। उन्होंने ह्यएक्स पोस्ट में लिखा, मैं आतिशी को सदन में आप का नेता चुने जाने पर बधाई देता हूं। आम आदमी पार्टी दिल्ली की जनता के हित में रचनात्मक विपक्ष की भूमिका निभाएगी।

हाल ही में संपन्न दिल्ली विधानसभा चुनाव में जीत हासिल करने वाले सभी 70 नवनिर्वाचित विधायक 24 फरवरी से शुरू हो रहे दिल्ली विधानसभा के पहले सत्र में सदस्य के तौर पर शपथ लेंगे। यह सत्र 24 फरवरी से शुरू होकर 27 फरवरी तक चलेगा। तीन दिवसीय सत्र में विधायकों के शपथ ग्रहण के बाद विधानसभा अध्यक्ष-उपाध्यक्ष का चुनाव भी किया जाएगा।

मानव उत्थान सेवा समिति द्वारा वृहद रक्तदान शिविर मे 155 लोगो ने किया रक्तदान

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रसिद्ध समाजसेवी एवं आध्यात्मिक गुरु श्री सतपाल जी महाराज की प्रेरणा से अखिल भारतीय सामाजिक एवं आध्यात्मिक पंजीकृत संस्था मानव उत्थान सेवा समिति देश के विभिन्न सामाजिक क्षेत्र जैसे स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यावरण, राष्ट्रीय उत्थान, प्राकृतिक आपदा तथा सांस्कृतिक विकास हेतु समय-समय पर कार्यक्रम करती रहती है।

इसी श्रृंखला में गत वर्षों की भांति इस वर्ष भी संस्था के प्रधान कार्यालय श्री हंस सत्संग भवन 2/12 पूर्वी पंजाबी बाग नई दिल्ली के प्रांगण मे राम मनोहर लोहिया अस्पताल के साथ मिलकर एक वृहद रक्तदान शिविर का आयोजन आज दिनांक 23 फरवरी 2025 रविवार को प्रातः 9बजे से सांय 4 बजे तक किया गया। कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि मोती नगर विधानसभा के विधायक हरीश खुराना रहे। इस शिविर मे संस्था के अनेक कार्यकर्ता, सामाजिक एवं गणमान्य व्यक्ति, वरिष्ठ चिकित्सक मौजूद रहें। संस्था के प्रबंधक एवं केंद्रीय समिति के संगठन सचिव महात्मा श्री सत्यबोधानंद जी ने कहा कि रक्तदान महादान होता है, दूसरों की मुसीबत में काम आने वाले व्यक्ति का जीवन महान होता है, सभी स्वस्थ निरोग व सुयोग्य व्यक्तियों को जीवन मे रक्तदान अवश्य करना चाहिए।

एनजीटी ने दिल्ली सरकार को 31 मई तक 24 नालों की सफाई पूरी करने का निर्देश दिया

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने दिल्ली सरकार के सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग को एक हलफनामा देने का निर्देश दिया है कि मानसून के दौरान बाढ़ को रोकने के लिए राष्ट्रीय राजधानी में 24 नालों की सफाई व गाद निकालने का काम 31 मई तक पूरा कर लिया जाएगा।

एनजीटी यमुना में गिरने वाले 24 नालों की सफाई के मुद्दे पर सुनवाई कर रहा था। एनजीटी अध्यक्ष न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव की पीठ ने 21 फरवरी के आदेश में कहा कि सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग ने नालों से गाद निकालने की स्थिति के बारे में 20 फरवरी को एक रिपोर्ट पेश की थी, जिसमें कार्य पूरा होने की समयसीमा का विवरण भी था। रिपोर्ट के अनुसार, सभी नालों से गाद निकालने का काम 31 मई तक पूरा करने का समय है।

आईजीआई से वन्यजीव तस्करी में तीन गिरफ्तार, कई दुर्लभ वन्यजीव बरामद

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट (आईजीआई) पर कस्टम विभाग ने वन्यजीव तस्करी के आरोप में तीन लोगों को पकड़ा है। यह तीनों भारतीय यात्री बैंकाक से आने वाली फ्लाइट से दुर्लभ वन्यजीव लेकर आईजीआई पर उतरे थे। कस्टम के अधिकारियों ने उनके बैग से विदेशी और दुर्लभ वन्यजीव बरामद किये।

कस्मट विभाग के अनुसार बैंकॉक से दिल्ली आने वाली एयर इंडिया फ्लाइट एआई 303 से तीन यात्री उतरे थे। कस्टम अधिकारियों ने इन तीनों यात्रियों को देर रात 1:30 बजे आईजीआई एयरपोर्ट पर पकड़ा गया। तलाशी लेने पर उनके बैग से विदेशी और दुर्लभ वन्यजीव बरामद हुए।

कस्टम विभाग के अनुसार तीनों यात्रियों के बैग से अलग-अलग प्रजाति के वन्यजीव मिले। इन वन्यजीव में अलग-अलग प्रजाति के कई सांप थे। इनमें से पांच कॉर्न सांप, आठ मिल्क स्नेक और नौ बॉल पाइथन स्नेक हैं।

हार्ट रोग पर सेमिनार का आयोजन

नई दिल्ली, एजेंसी। कालरा अस्पताल में आज एक कार्यक्रम में हार्ट रोग पर सेमिनार का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कालरा अस्पताल के हार्ट रोग विशेषज्ञ डॉ आर एन कालरा व हार्ट रोग विशेषज्ञ डॉ अंकित कालरा ने कहा कि हार्ट रोगियों को स्वास्थ्य के प्रति जागरुक रहना चाहिए और नियमित रूप से ब्लड प्रेशर की जांच के साथ सीने के साथ पीठ के दर्द को नजरअंदाज न करे क्योंकि ये हार्ट रोग के लक्षण हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि हार्ट रोग का इलाज सरल है बशर्ते रोगी समय-समय पर हार्ट की जांच कराये। डॉ अंकित कालरा ने कहा कि एक समय था जब हार्ट की बीमारी बड़ी मानी जाती थी लेकिन अब नई नई तकनीकों से हार्ट का इलाज सरल हुआ है। डॉ आर एन कालरा ने कहा कि तमाम बीमारियों की जड़ मधुमेह व उच्चरक्त चाप है। इन दोनों को काबू करने के लिये नियमित व्यायाम के साथ खान पान पर विशेष ध्यान दें। ताकि मोटापा व कोलेस्ट्राल न बढ़ने पाये। सेमिनार में जाने माने हार्ट रोग विशेषज्ञों ने भाग लिया व हार्ट रोग पर जानकारी दी।

एक नजर

37वें पर्यटन उद्यान उत्सव का समापन

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पर्यटन द्वारा आयोजित त्रिदिवसीय 37वें उद्यान पर्यटन उत्सव का आज पुरस्कार वितरण के साथ समापन हो गया। पर्यटन उद्यान उत्सव का सभी आयु वर्ग के आगुंतकों ने लुत्फ उठाया। उत्सव में अनेक प्रकार की प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिसमें प्रतिभागियों ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया और पुरस्कार प्राप्त किए। 37वें पर्यटन उद्यान उत्सव का मुख्य आकर्षण खुशहाली और स्वास्थ्य बागवानी के साथ पर आधारित था। उत्सव का उद्देश्य दिल्लीवासियों को पर्यावरण के प्रति जागरूक करना था। इस उत्सव में अनगिनत फूलों, गमलों को प्रदर्शित किया गया था। पर्यटन उद्यान उत्सव में बागवानी विभाग, सरकारी संगठन, संस्थाएं, नर्सरी के अलावा व्यक्तिगत रूप से प्रतिभागी मिलकर अपने पौधों और पुष्पों का प्रदर्शन करके इस पर्यटन उद्यान उत्सव को सफल बनाया। मेले के अन्य आकर्षणों में फूलों से बनी पशु-पक्षियो की आकृतियां, ट्र गार्डन, थीम गार्डन, बोनसाई, औषधीय एवं सुगंधित पौधे एवं डहलिया आदि के साथ सेल्फी प्वाइंट रहे जहां हर आयु वर्ग के लोग फोटो लेते नजर आ रहे थे। आज दिल्ली टूरिज्म ने वनमाली ट्री वॉक संस्था के साथ मिलकर पर्यटन उद्यान उत्सव में एक सैर का भी आयोजन किया गया। जिसका बहुत लोगों ने लाभ उठाया।

महिला पहलवान यौन शोषण मामले में तीन मार्च तक टली सुनवाई

नई दिल्ली, एजेंसी। राउज एवेन्यू अदालत ने महिला पहलवानों से यौन शोषण के मामले में भारतीय कुश्ती संघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व अध्यक्ष और भाजपा नेता बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ दर्ज मामले की सुनवाई टाल दी है। अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट वैभव चौरसिया की अनुपलब्धता की वजह से सुनवाई को टाला गया है। अगली सुनवाई के लिए तीन मार्च का दिन तय किया गया है। पिछले साल मई में अदालत ने छह में से पांच महिला पहलवानों की ओर से लगाए गए आरोपों के आधार पर बृजभूषण के खिलाफ आरोप तय करने का आदेश दिया था। अदालत ने सह-आरोपी और डब्ल्यूएफआई के पूर्व सहायक सचिव विनोद तोमर के खिलाफ भी आपराधिक धमकी का आरोप तय किया है।

आतिशी दिल्ली विधानसभा में होंगी नेता प्रतिपक्ष

नई दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी(आप) ने रविवार को एलान किया कि पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी दिल्ली विधानसभा में विपक्ष की नेता होंगी। आप के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष गोपाल राय ने इसकी आज घोषणा की। उन्होंने कहा कि आज आपके विधायक दल की बैठक हुई जिसमें विधायकों ने सर्वसम्मति से सुश्री आतिशी को नेता प्रतिपक्ष के रूप में चुना। श्री राय ने कहा कि सुश्री आतिशी ने दिल्ली के मुख्यमंत्री पद की जिम्मेदारी बखूबी निभाई है।

उनपर नेता प्रतिपक्ष होने के नाते केजरीवाल सरकार द्वारा किए गए कामों की रक्षा करना और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा जनता से किए वादों को पूरा करवाने की जिम्मेदारी होगी। सुश्री आतिशी ने नेता प्रतिपक्ष चुने जाने के बाद कहा,मैं पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल और सभी विधायकों का धन्यवाद करती हूं जिन्होंने मुझे नेता प्रतिपक्ष बनाया है। भाजपा ने जो भी वादे किए, विपक्ष के नाते हम उन सभी वादों को पूरा करवाने की जिम्मेदारी निभायेंगे। उन्होंने कहा, दिल्ली की जनता ने हमें विपक्ष की भूमिका सौंपी है, और हम एक मजबूत विपक्ष के रूप में यह सुनिश्चित करेंगे कि भाजपा सरकार दिल्लीवालों से किए अपने सभी वादे पूरे करें।चुनाव के दौरान मोदी जी ने दिल्ली की सभी महिलाओं को 2500 रुपये महीना देने की गारंटी दी थी।

निगम 36 स्थानों पर कॉम्पैक्टर मशीन लगाएगा

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में अपशिष्ट प्रबंधन को बेहतर करने के लिए नगर निगम ने नए कॉम्पैक्टर लगाने का कार्य शुरू किया है। दस स्थानों पर कॉम्पैक्टर लगाने के बाद 36 अन्य स्थानों पर भी ये लगाए जाएंगे। इसका उद्देश्य स्थानीय कचरे को कम करने और लैंडफिल साइट में पहुंचने वाले कूड़े को सीमित करना है। इस संबंध में अधिकारियों ने बताया कि दिल्ली में हर दिन 11 हजार मीट्रिक टन से अधिक कूड़ा उत्पन्न होता है। इसमें लगभग 3200 मीट्रिक टन कूड़े अभी भी भलस्वा और गाजीपुर लैंडफिल साइट में पहुंच रहा है। नए कॉम्पैक्टर लगने से हर दिन उत्पन्न होने वाले कूड़े का निस्तारण स्थानीय स्तर पर ही किया जा सकेगा।

सांसद बांसुरी के खिलाफ 14 जुलाई तक टली सिविल मानहानि की सुनवाई

नई दिल्ली, एजेंसी। रोहिणी जिला अदालत ने भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज के खिलाफ आप नेता सत्येंद्र जैन द्वारा दायर की गई दीवानी (सिविल) मानहानि की शिकायत पर सुनवाई को स्थगित कर दिया। वरिष्ठ सिविल न्यायाधीश नैना गुप्ता के अनुपस्थित रहने की वजह से सुनवाई टाल दी गई।

मामले की अगली सुनवाई 14 जुलाई को होगी। जैन ने आरोप लगाया था कि पांच अक्टूबर, 2023 को बांसुरी ने एक टीवी चैनल पर साक्षात्कार के दौरान उनके खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी की थी। वरिष्ठ सिविल न्यायाधीश नैना गुप्ता ने बांसुरी और अन्य के खिलाफ 11 दिसंबर, 2024 को नोटिस जारी कर जवाब मांगा था। सत्येंद्र ने टीवी चैनल को संबंधित सामग्री हटाने और आगे बयान देने से रोकने की प्रार्थना की है। जैन ने एक रुपये के हजार्ने का दावा किया। बता दें कि जैन ने बांसुरी के खिलाफ राउज एवेन्यू अदालत में आपराधिक मानहानि की शिकायत दायर की थी, जिसपर अदालत ने 20 फरवरी को संज्ञान लेने से इनकार करते हुए उसे खारिज कर दिया।

चरस तस्करी मामले में महिला गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने चरस बेचने वाली एक महिला को गिरफ्तार किया है। महिला हिमाचल प्रदेश से चरस लाकर गुजरात के सूरत में बेच रही थी। पुलिस ने महिला के पास से करीब दो किलोग्राम चरस (मलाना क्रीम) बरामद की है। बरामद चरस की अंतरराष्ट्रीय बाजार में लाखों रुपये कीमत बताई जा रही है। पुलिस की पूछताछ में महिला ने खुलासा किया है कि वह पिछले करीब एक साल से हिमाचल प्रदेश से चरस लेकर दिल्ली आती थी। यहां समय बिताने के बाद यह चरस लेकर गुजरात के सूरत पहुंचकर पार्टी के हवाले कर देती थी। क्राइम ब्रांच की डीसीपी अपूर्वा गुप्ता ने बताया कि उनकी टीम पिछले काफी समय से नशे का धंधा करने वाले लोगों की जांच में जुटी थी। इस दौरान टीम को सूचना मिली कि एक महिला चरस लेकर दिल्ली आने वाली है।

एनजीटी ने दिल्ली सरकार को 31 मई तक 24 नालों की सफाई पूरी करने का निर्देश दिया

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने दिल्ली सरकार के सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग को एक हलफनामा देने का निर्देश दिया है कि मानसून के दौरान बाढ़ को रोकने के लिए राष्ट्रीय राजधानी में 24 नालों की सफाई व गाद निकालने का काम 31 मई तक पूरा कर लिया जाएगा। एनजीटी यमुना में गिरने वाले 24 नालों की सफाई के मुद्दे पर सुनवाई कर रहा था। एनजीटी अध्यक्ष न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव की पीठ ने 21 फरवरी के आदेश में कहा कि सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग ने नालों से गाद निकालने की स्थिति के बारे में 20 फरवरी को एक रिपोर्ट पेश की थी, जिसमें कार्य पूरा होने की समयसीमा का विवरण भी था। रिपोर्ट के अनुसार, सभी नालों से गाद निकालने का काम 31 मई तक पूरा करने का समय है।

प्रधानमंत्री मोदी के मेक इन इंडिया का सपना पूरा हो रहा : मुख्यमंत्री

योगी ने किया देश के प्रथम बायोपॉलिमर संयंत्र का किया शिलान्यास

लखीमपुर खीरी, एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को लखीमपुर खीरी के कुंभी में देश के पहले बायो पॉलिमर संयंत्र का शिलान्यास किया। सीएम योगी ने कहा कि एक ओर पूरी दुनिया प्रयागराज महाकुंभ में भागीदार बन रही है, वहीं आज कुंभी में ही आपने महाकुंभ रच दिया है। उन्होंने कहा कि मुझे यहां आना 11 बजे था, लेकिन दो घंटे पहले नौ बजे ही आ गया। गोला के बाद प्रयागराज जाना है। लोगों की भीड़ देखकर सीएम योगी ने कहा कि यह दृश्य अपने आप में अद्भुत है। कुंभी में निवेश का महाकुंभ नजर आ रहा है। 2850 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाला प्लांट अपनी तरह का यह पहला निवेश है। इसके लिए बलरामपुर चीनी मिल लिमिडेट और लखीमपुर खीरी के लोगों को बधाई।

बता दें कि बलरामपुर चीनी मिल लिमिटेड द्वारा यह संयंत्र 2850 करोड़ रुपये की लागत से बनाया जा रहा है। यह जैविक तरीके से पॉलिमर उत्पादन का कार्य करेगा। इससे पर्यावरण के अनुकूल औद्योगिक क्रांति को बढ़ावा मिलेगा। कुंभी के बाद सीएम योगी ने गोला गोकर्णनाथ पहुंचकर शिव मंदिर कॉरिडोर का शिलान्यास किया। इसके अलावा, 1620 करोड़ रुपये की 373 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इन परियोजनाओं में सड़क, बिजली, जल आपूर्ति, स्वास्थ्य और शिक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण योजनाएं शामिल हैं।

पर्यावरण को लेकर पूरी दुनिया चिंतित

सीएम योगी ने कहा कि पर्यावरण और प्रदूषण से पूरी दुनिया चिंतित है। ग्लोबल वार्मिंग एक चेतावनी है। असमय बारिश, सूखा ये सभी दुष्परिणाम ग्लोबल वार्मिंग के हैं। पर्यावण के प्रति हम लोग जितने जागरूक होंगे। पर्यावरण हमें जीने के लिए उतना ही अनुकूल वातारण उपलब्ध कराएगा। कहा कि प्रदेश ने अपनी पॉलिसी के तहत इस तरह के निवेश को प्रोत्साहित करने का निर्णय लिया है। बलरामपुर चीनी मिल पहला ऐसा ग्रुप है, जिसने इस पहल में कदम बढ़ाया।

यह प्लांट बायो प्लास्टिक से बोतल, कप, डिब्बे का निर्माण करेगा। यहां पर जो बोतल, प्लेट व अन्य उत्पाद बनेंगे, वो डिस्पोजल होंगे। ये हर प्रकार से उपयोगी होंगे। पर्यावरण को बचाने के लिए प्रधानमंत्री मोदी का जो अभियान है। पूरी दुनिया जिसके लिए चिंतित है, इस चिंता को दूर करने के लिए बलराम चीनी मिल ने बड़ी पहल को आगे बढ़ाया है। कहा कि यह प्लांट बहुत ही शीघ्र अपना उत्पादन शुरू करके प्लास्टिक का सब्सिट्यूट उपलब्ध कराएगा। मेक इन इंडिया का विजन आगे बढ़ाएगा। सीएम योगी ने कहा कि प्रदेश में 120 चीनी मिल हैं। इनमें से 10 चीनी मिल बलरामपुर चीनी मिल ग्रुप की हैं। इस प्लांट की वार्षिक क्षमता 80 हजार टन होगी। यह जीरो लिक्विड डिस्चार्ज के अंतर्गत संचालित होगा। इस तरह के प्लांट से किसानों की आमदनी बढ़ाने और नौजवानों को रोजगार दिलाने में मदद मिलेगी।

यूपी में बेहतरीन कानून व्यवस्था- योगी

सीएम ने कहा कि उत्तर प्रदेश में बेहतरीन कानून व्यवस्था की स्थिति है। भ्रष्टाचार और भ्रष्टाचारियों पर जीरो टॉरेंस की नीति का परिणाम है कि प्रदेश में 45 लाख करोड़ से अधिक के निवेश के प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं, जिनमें 15 लाख करोड़ निवेश करा चुके हैं। 60 लाख नौजवानों को नौकरी उपलब्ध कराई है। लगातार प्रस्ताव आ रहे हैं। आने वाले दिनों में प्रदेश के युवाओं को उनकी क्षमता और योग्यता नौकरी और रोजगार उपलब्ध कराएंगे।

'महाकुंभ में 60 करोड़ श्रद्धालुओं ने लगाई डुबकी'

उन्होंने कहा कि प्रदेश में निवेश के लिए अनुकूल वातावरण बना है। इस अनुकूल वातावरण का ही परिणाम है कि महाकुंभ में देश की आधी आबादी आस्था की डुबकी लगा चुकी है। 13 जनवरी लेकर 22 फरवरी के बीच 60 करोड़ श्रद्धालु महाकुंभ में डुबकी लगा चुके हैं। दुनिया के अंदर किसी भी आयोजन में इतनी भीड़ भागीदरी नहीं होती है। अब उत्तर प्रदेश में कोई भी आयोजन होता है, इसी भव्यता से होता है।

पुरानी रंजिश में हुई फायरिंग मे एक घायल, लखनऊ रेफर

दीपक कौशा

उत्तर प्रदेश: स्थानीय थाना इटियाथोक क्षेत्र के बकठोरवा स्थित गन्ना तौल केंद्र पर गन्ना तौल कराने गए एक युवक के साथ विपक्षी ने पुरानी रंजिश को लेकर गाली गलौज व मारपीट करते हुए पिस्टल से फायरिंग कर वट से सिर पर वार कर दिया। घटना मे युवक घायल हो गया। जिसे इलाज के लिए गोण्डा से लखनऊ रेफर किया गया है।

यह आरोप लगाते हुए गिलौली निवासी राम नरेश चौबे ने इटियाथोक पुलिस को दिए शिकायती पत्र मे कहा है की उनका करीब 16 वर्षीय पुत्र भानू प्रताप चौबे सेंटर पर गन्ना बेंचने हेतु शनिवार सुबह करीब 11 बजे गया था। पुरानी रंजिश को लेकर तुलसीपुर कोड़री थाना कोतवाली देहात गोण्डा निवासी विशाल पांडेय पुत्र रमाकांत पांडेय अचानक गन्ना सेंटर पर आ गए। वह मेरे पुत्र को वहां रोककर गाली गलौज देते हुए मुक्का थप्पड़ व लाठी डंडे से मारे पीटे और पिस्टल से उसके ऊपर फायर कर वट से सिर पर मार दिए। इस घटना मे लडके को काफी चोट आई और हल्ला गुहार मचाने पर वह जान से मारने की धमकी देते हुए चले गए। इलाज हेतु पुत्र को गोण्डा जिला अस्पताल लाया गया जहां से उसे लखनऊ रेफर कर दिया गया है। वही तौल केंद्र पर मिले राजेंद्र कुमार चौबे उर्फ अमित ने बताया की उनका छोटा भाई भानू प्रताप गन्ना लेकर तौल केंद्र पर गया था। वहा मौजूद विपक्षी विशाल पांडेय ने पुरानी रंजिश को लेकर मेरे भाई पर फायरिंग कर दिया जिसमे वह घायल हो गया। वही सेंटर पर मौजूद कुछ लोगो ने भी नाम न छापने की शर्त पर फायरिंग और विवाद की पुष्टि की है। घटना के बाद उक्त सेंटर पर पहुंचकर स्थानीय पुलिस टीम ने जांच पड़ताल की है। वही बार्डर के बिलकुल बगल का मामला होने पर गोण्डा देहात कोतवाली पुलिस टीम ने भी सेंटर पर पहुंचकर आवश्यक जानकारी ली। थाना के प्रभारी निरीक्षक शेष मणि पांडेय ने बताया की मामले मे विशाल पांडेय के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच पड़ताल की जा रही है।

उत्तर प्रदेश: कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मोहम्मद आरिफ अंसारी ने आम आदमी पार्टी की सदस्यता ली

सूरज मौर्य

उत्तर प्रदेश: मीरजापुर जनपद में आज आम आदमी पार्टी के जिला कार्यालय पर कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व सभासद उम्मीदवार मोहम्मद आरिफ अंसारी ने कांग्रेस से त्यागपत्र देते हुए आम आदमी पार्टी (अअढ) की सदस्यता ग्रहण की। आम आदमी पार्टी के प्रदेश सचिव सुनील कुमार पांडे और मीरजापुर के जिला अध्यक्ष प्रोफेसर बी सिंह के समक्ष मोहम्मद आरिफ अंसारी ने आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल और प्रदेश प्रभारी संजय सिंह की नीतियों और सिद्धांतों पर विश्वास जताते हुए पार्टी की सदस्यता ली।k

इस मौके पर मोहम्मद आरिफ अंसारी ने मीरजापुर नगर और जिले में आम आदमी पार्टी को मजबूत करने का संकल्प लिया। साथ ही, आम आदमी पार्टी के प्रदेश सचिव सुनील कुमार पांडे और जिला अध्यक्ष प्रोफेसर बी सिंह ने उन्हें आम आदमी पार्टी (छात्र विंग) के मीरजापुर जिले का नया अध्यक्ष नियुक्त किया और नियुक्ति पत्र सौंपा। आम आदमी पार्टी के जिला महासचिव दिलीप सिंह गहरवार, यूथ विंग के जिला महामंत्री आनंद कुमार सिंह, नगर प्रभारी मनबोध दुबे, नगर अध्यक्ष संतोष सोनी और वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ. अशोक खरवार ने मोहम्मद आरिफ अंसारी को उनकी नई भूमिका के लिए बधाई दी। कार्यक्रम के बाद, आम आदमी पार्टी के नेताओं ने मीरजापुर के एमएलसी श्री श्याम नारायण सिंह (विनीत सिंह) के घर जाकर उनके माता के निधन पर शोक व्यक्त किया। नेताओं ने उनके आवास पर पहुंचकर शोक संवेदना व्यक्त की और उनकी माता के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। यह कार्यक्रम मीरजापुर में आम आदमी पार्टी की बढ़ती सक्रियता और स्थानीय राजनीति में बदलाव का संकेत दे रहा है, जिसमें पार्टी की नीतियों पर विश्वास करने वाले नेताओं की संख्या में इजाफा हो रहा है।

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने यूपी विधानसभा गैलरी का किया अवलोकन

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने शनिवार को विधानसभा गैलरी का भ्रमण कर नवीनीकरण एवं आधुनिकीकरण कार्यों का अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि यह आधुनिक तकनीकों और सांस्कृतिक धरोहर के समन्वय का उत्कृष्ट उदाहरण है। इन नवाचारों से आम जनता और जनप्रतिनिधियों को उत्तर प्रदेश विधानसभा के ऐतिहासिक महत्व और कार्यप्रणाली को समझने में सहायता मिलेगी।

राज्यपाल ने विधानसभा में स्थापित भित्ति चित्रों का अवलोकन किया, जिनमें भारत की ऐतिहासिक घटनाओं और राजनीतिक परंपराओं को चित्रित किया गया है। उन्होंने यूपी विधानसभा में हुए नवीनीकरण कार्यों और तकनीकी उन्नयन की प्रशंसा की।

उन्होंने कहा कि विधानसभा का आधुनिकीकरण इसे भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप बना रहा है। इस दौरान उन्होंने विधानसभा डिजिटल गैलरी का भी अवलोकन किया, जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री, राज्यपाल, कैबिनेट मंत्रियों, राज्य मंत्रियों और विधायकों की तस्वीरों के साथ-साथ सरकार की योजनाओं और कार्यक्रमों की जानकारी डिजिटल माध्यम से प्रदर्शित की गई है।

राज्यपाल ने गैलरी में लगी हाईटेक स्क्रीन पर विभिन्न विभागों और समितियों की जानकारी, विधायकों एवं मंत्रियों के कार्यक्षेत्र और उनकी जिम्मेदारियों की डिजिटल प्रदर्शनी को भी देखा और इसे एक प्रभावी पहल बताया।

उन्होंने हेलीकॉप्टर सिमुलेशन का भी अवलोकन किया, जहां उत्तर प्रदेश के महत्वपूर्ण पौराणिक एवं आध्यात्मिक स्थानों का वर्चुअल भ्रमण हेलीकॉप्टर सिमुलेशन के माध्यम से कराया जाता है। उन्होंने इसे एक अद्भुत अनुभव बताया। उन्होंने विधानसभा डिजिटल कॉरिडोर में पिछले पांच वर्षों में उत्तर प्रदेश सरकार के कार्यों को भी सराहा।

उन्होंने विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना और उनकी पूरी टीम को बधाई देते हुए कहा कि आपके प्रयासों से विधानसभा का विकास और सौंदर्यीकरण अद्वितीय है। उन्होंने विधानसभा परिसर में स्थित विभिन्न भित्तिचित्रों, अत्याधुनिक हाईटेक सुविधाओं, डिजिटल गैलरी और विधानसभा की ऐतिहासिक धरोहरों को संजोने वाले नवाचारों को ध्यानपूर्वक देखा और सराहा।

उन्होंने डिजिटल म्यूजियम, साउंड एंड लाइट शो, विधानसभा के कार्यालय, बैठक कक्ष, राजर्षि पुरुषोत्तम दास हॉल, विधानसभा मंडप, संसदीय दल के कार्यालय का अवलोकन भी किया। इस दौरान विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने राज्यपाल को रामायण की तीन खंडों वाली पुस्तक भेंट की।

महाकुंभ में स्नान करने वाले श्रद्धालुओं का आंकड़ा 60 करोड़ के पार पहुंचा

महाकुंभ नगर (उप्र), एजेंसी। उत्तर प्रदेश सरकार ने शनिवार को दावा किया कि प्रयागराज में 13 जनवरी से शुरू हुए महाकुंभ में अब तक 60 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालुओं ने गंगा और त्रिवेणी संगम में डुबकी लगाई है।

मेला प्रशासन द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक, शनिवार को शाम चार बजे तक कुल 1.11 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने गंगा और संगम में डुबकी लगाई जबकि 13 जनवरी से अभी तक कुल 60.42 करोड़ श्रद्धालु गंगा और संगम में स्नान कर चुके हैं। सरकार द्वारा जारी बयान के मुताबिक, एक अनुमान के मुताबिक दुनिया में कुल 120 करोड़ सनातनी हैं। इस लिहाज से महाकुंभ में दुनिया के आधे से अधिक सनातनी गंगा और त्रिवेणी संगम में डुबकी लगाकर पुण्य फल प्राप्त कर चुके हैं। शिवरात्रि के अंतिम स्नान पर्व 26 फरवरी तक यह संख्या 65 करोड़ से भी ऊपर पहुंच सकती है। महाकुंभ में 73 देशों के राजनयिक और भूटान नरेश नामग्याल वांगचुक समेत तमाम देशों के अतिथि यहां अमृत स्नान करने पहुंचे। यही नहीं, नेपाल से 50 लाख से अधिक लोग अब तक त्रिवेणी के पवित्र जल में स्नान कर चुके हैं।

जेपी नड्डा और योगी आदित्यनाथ ने संगम में लगाई पवित्र डुबकी

महाकुंभ नगर, एजेंसी। तीर्थराज प्रयाग की धरती पर आयोजित दिव्य और भव्य महाकुंभ में आम से लेकर खास श्रद्धालुओं का आगमन लगातार जारी है। महाकुंभ का समापन 26 फरवरी को होने वाला है। इसके पहले लोग पवित्र त्रिवेणी संगम में आस्था की डुबकी लगाकर पुण्य के भागी बन रहे हैं। इसी बीच, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एक बार फिर शनिवार को महाकुंभ पहुंचे। उनके साथ केंद्रीय मंत्री और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा भी थे।

महाकुंभ पहुंचे सीएम योगी आदित्यनाथ ने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा का गर्मजोशी से स्वागत किया। इसके बाद दोनों नेताओं ने पवित्र संगम में आस्था की डुबकी लगाई। इसकी तस्वीरें और वीडियो भी सोशल मीडिया पर सामने आईं। वीडियो में देखा जा सकता है कि दोनों दिग्गज राजनेता पवित्र संगम में आस्था की डुबकी लगा रहे हैं। इस दौरान उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक, मंत्री स्वतंत्र देव सिंह समेत अन्य गणमान्य भी मौजूद रहे।

दोनों दिग्गज नेताओं की पवित्र त्रिवेणी में आस्था की डुबकी महाकुंभ में मौजूद लोगों के बीच आकर्षण का केंद्र भी बनी। इसके पहले सीएम योगी आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया, 'महान ऋषियों, मुनियों एवं तपस्वियों की तपोभूमि तीर्थराज प्रयाग की पावन धरा पर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जगत प्रकाश नड्डा जी का हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन।'

प्रयागराज में जारी महाकुंभ मेला 144 साल के बाद आयोजित हुआ है। यह हिंदू धर्म के सबसे बड़े और महत्वपूर्ण धार्मिक आयोजनों में से एक है। इस खास अवसर पर लाखों श्रद्धालु संगम में डुबकी लगा रहे हैं, जो उनके लिए धार्मिक उन्नति और पापों से मुक्ति का प्रतीक माना जाता है। 13 जनवरी से शुरू महाकुंभ में हर दिन लाखों श्रद्धालु पहुंच रहे हैं और इनकी संख्या 60 करोड़ को भी पार कर गई है।

महाकुंभ नगर मेला प्रशासन के मुताबिक, प्रयागराज महाकुंभ में स्नान करने वाले श्रद्धालुओं का आंकड़ा 60 करोड़ के पार पहुंच गया है। शनिवार दोपहर 12 बजे तक 71.18 लाख श्रद्धालु पवित्र त्रिवेणी में स्नान कर चुके थे। महाकुंभ का आखिरी स्नान महाशिवरात्रि पर 26 फरवरी को है। दावा किया जा रहा है कि शेष बचे चार दिनों में स्नानार्थियों की संख्या 65 करोड़ के पार भी जा सकती है।

अब तक के कुल स्नानार्थियों की संख्या का विश्लेषण करें तो सर्वाधिक करीब 8 करोड़ श्रद्धालुओं ने मौनी अमावस्या पर स्नान किया था। जबकि 3.5 करोड़ श्रद्धालुओं ने मकर संक्रांति के अवसर पर अमृत स्नान किया। एक फरवरी और 30 जनवरी को 2-2 करोड़ के पार और पौष पूर्णिमा पर 1.7 करोड़ श्रद्धालुओं ने पुण्य डुबकी लगाई। इसके अलावा बसंत पंचमी पर 2.57 करोड़ श्रद्धालुओं ने त्रिवेणी में आस्था की डुबकी लगाई थी। वहीं माघी पूर्णिमा पर भी दो करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने संगम में पावन स्नान किया।

प्रयागराज के डीएम रवींद्र मांदड़ के अनुसार, श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए की गई तैयारियों को सुनिश्चित करने के लिए सभी अधिकारी-कर्मचारी लगातार ऑन फील्ड रहकर मॉनिटिरंग कर रहे हैं। उनके अनुसार, हम लोग लगातार प्रयास कर रहे हैं कि श्रद्धालुओं के फीडबैक के अनुसार उस पर काम करके श्रद्धालुओं को सुविधा प्रदान की जाए। ट्रैफिक व्यवस्था को लेकर भी लगातार काम किया जा रहा है। वीकएंड्स, पीक डे व अवकाश के दिनों में पुलिस ट्रैफिक डायवर्जन की योजना लागू करती है। इसके लिए पुलिस के अधिकारियों को भी ब्रीफ कर सचेत किया गया है।

एक नजर

उत्तर प्रदेश: मीरजापुर में मंडलायुक्त की अध्यक्षता में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की समीक्षा बैठक संपन्न

सूरज मौर्य/उत्तर प्रदेश: जनपद मीरजापुर में मंडलायुक्त विंध्याचल मंडल, श्री बालकृष्ण त्रिपाठी की अध्यक्षता में आयुक्त कार्यालय सभागार में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (ठल्ट) की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में मण्डलीय अपर निदेशक, संयुक्त निदेशक, मण्डलीय कार्यक्रम/लेखा प्रबंधक, मण्डलीय टीम के सदस्य, साथ ही समस्त मुख्य चिकित्सा अधिकारी और अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने भाग लिया। बैठक की शुरूआत पिछले सत्र में दिए गए निर्देशों के अनुपालन की चर्चा से हुई। इसके बाद राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन से संबंधित विभिन्न कार्यक्रमों की समीक्षा की गई, जिसमें वित्तीय प्रगति, एच.एम.आई.एस. कार्यक्रम, कम्युनिटी प्रोसेस, शहरी स्वास्थ्य मिशन, क्वालिटी एश्योरेंस, और राष्ट्रीय क्षयरोग कार्यक्रम की प्रगति पर चर्चा की गई। मंडलायुक्त ने समीक्षा करते हुए कम प्रगति वाले बिंदुओं पर असंतोष व्यक्त किया और 15 दिनों के भीतर सुधारात्मक कार्यवाही किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने आगामी त्यौहारों जैसे महाशिवरात्रि और होली के मद्देनजर सभी चिकित्सा इकाइयों में जीवन रक्षक औषधियों, मेडिकल उपकरणों और एम्बुलेंस की उचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के आदेश दिए, ताकि किसी भी आकस्मिक स्थिति का सामना किया जा सके।

उत्तर प्रदेश: आयुक्त चित्रकूट धाम मंडल अजीत कुमार बांदा ने जिला चिकित्सालय का किया आकस्मिक निरीक्षण

मदन/उत्तर प्रदेश: शुक्रवार को 12:00 बजे आयुक्त चित्रकूट धाम मंडल बांदा अजीत कुमार द्वारा जिला चिकित्सालय बांदा का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान मुख्य चिकित्सा अधीक्षक एवं डॉक्टर एस.डी. त्रिपाठी एवं स्टाफ उपस्थित मिले। इस दौरान अस्पताल की सिटी स्कैन मशीन खराब पाई गई, जिसे तत्काल ठीक कराए जाने के साथ ही दवाइयों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित कराई जाए।

अस्पताल में डॉक्टर्स एवं पैरामेडिकल स्टाफ का ड्यूटी चार्ट उपलब्ध रहे और इसके साथ ही आउटसोर्सिंग स्टाफ का मानदेय समय से दिया जाए। सभी वार्डों में साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखा जाए। ऑक्सीजन प्लांट की मरम्मत शीघ्र कराई जाए। निरीक्षण में वेंटीलेटर क्रियाशील पाए गए। निरीक्षण के दौरान एडिशनल कमिश्नर भगवान शरण एवं अन्य स्टाफ उपस्थित रहे।

संभल के सांसद को लंबित जुमार्ने मामले में बिजली विभाग ने सात मार्च तक का समय दिया

संभल, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के संभल से समाजवादी पार्टी (सपा) के सांसद जिया उर रहमान बर्क को बिजली विभाग ने 1.91 करोड़ रुपये के लंबित जुमार्ने पर स्पष्टीकरण देने के लिए सात मार्च तक का समय दिया है। बिजली विभाग के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। बिजली विभाग के अधिशाषी अभियंता नवीन गौतम ने शनिवार को यहां संवाददाताओं को संभल के सांसद पर लगाए गए 1.91 करोड़ रुपये के जुमार्ने के संबंध में जानकारी दी। गौतम ने बताया कि सांसद के अधिवक्ता ने सात फरवरी को इस मामले में अतिरिक्त समय देने का अनुरोध किया था, जिस पर सात मार्च की सुनवाई की नई तारीख तय की गयी। यह पूछे जाने पर कि इस मामले में कितने नोटिस जारी किए गए हैं, गौतम ने पुष्टि की कि सांसद को अब तक दो नोटिस भेजे गए हैं। क्या सांसद ने कोई साक्ष्य प्रस्तुत किया था, इस पर गौतम ने कहा कि आज तक कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया गया है। अगर सात मार्च तक सांसद की ओर से कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया गया तो उनके खिलाफ क्या कार्रवाई होगी? इस पर गौतम ने कहा कि सांसद के लिए कोई साक्ष्य प्रस्तुत करने का यह आखिरी अवसर होगा, और उसके बाद मामले को अंतिम रूप दिया जाएगा। पिछले साल दिसंबर में बिजली चोरी के आरोप के बाद बिजली विभाग ने सांसद पर जुमार्ना लगाया था।

मेरठ में रैपिड रेल कॉरिडोर के रास्ते में बाधा बनी मस्जिद हटाई गई

मेरठ (उप्र), एजेंसी। मेरठ में 'रैपिड रेल कॉरिडोर' के निर्माण में बाधा बनी सालों पुरानी एक मस्जिद को प्रशासन ने मुस्लिम समुदाय के लोगों की सहमति से रास्ते से हटा दिया। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अधिकारियों और मस्जिद प्रबंधन के साथ विचार-विमर्श के बाद स्थानीय मुस्लिम समुदाय की सहमति से शुक्रवार को तोड़फोड़ करके मस्जिद को हटा दिया गया। नगर के अपर जिलाधिकारी (एडीएम) बृजेश कुमार सिंह ने बताया कि मस्जिद रैपिड रेल परियोजना की प्रगति में बाधा बन रही थी, जिसके कारण इसे हटाने का निर्णय लिया गया। यह प्रक्रिया मुस्लिम समुदाय के सदस्यों द्वारा मस्जिद के कुछ हिस्सों को गिराने के लिए हथौड़ों का उपयोग करने के साथ शुरू हुई। बाद में जब अधिकांश संरचना को हटा दिया गया, तो प्रशासन ने देर रात तोड़फोड़ के काम को पूरा करने के लिए बुलडोजर का इस्तेमाल किया। इस दौरान सारा मलबा भी साफ कर दिया गया। एक बयान में अपर जिलाधिकारी (नगर) सिंह ने पुष्टि की कि मस्जिद को हटाने का काम आपसी सहमति से किया गया। सिंह ने कहा, 'मुस्लिम समुदाय ने मस्जिद को हटाने की पहल की और मैंने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम (एनसीआरटीसी) के अधिकारियों के साथ उनके साथ चर्चा की। हालांकि, मस्जिद को हटाना केवल मुस्लिम समुदाय की सहमति से किया गया।' मस्जिद कितनी पुरानी है? इस सवाल पर सिंह ने बताया कि स्थानीय लोगों में इसे लेकर अलग-अलग राय है, कुछ का दावा था कि यह लगभग 80 साल पुरानी है और अन्य का कहना है कि यह 168 साल पुरानी हो सकती है। मस्जिद को स्थानांतरित करने के मामले पर सिंह ने स्पष्ट किया कि इस समय समुदाय को कोई वैकल्पिक भूमि प्रदान नहीं की गई है और मुस्लिम पक्ष द्वारा ऐसा कोई अनुरोध नहीं किया गया है। स्थानीय निवासियों के अनुसार, मस्जिद को हटाए जाने के बाद पहली बार शुक्रवार की नमाज मस्जिद में नहीं हो सकी। प्रशासन ने पहले बिजली की आपूर्ति काट दी थी और मस्जिद का गेट हटा दिया था।

राजस्थान: टीबी मुक्त ग्राम पंचायत के लिए विशेष अभियान की शुरूआत कार्यशाला में जुटे सभी अधिकारी

मनोज कुमार चोर्डिया

राजस्थान: टीबी (क्षय रोग) उन्मूलन के लिए राज्यभर में टीबी मुक्त ग्राम पंचायत अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य 24 मार्च 2025 तक टीबी के उपचार, पहचान और रोकथाम को प्रभावी ढंग से सुदृढ़ करना है। इस दिशा में नागौर जिले में शनिवार को एक कार्यशाला आयोजित की गई, जिसमें जिलेभर के विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया। जिला कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित इस कार्यशाला की अध्यक्षता नागौर के जिला कलेक्टर अरुण कुमार पुरोहित ने की। कलेक्टर ने अपने संबोधन में कहा कि यह अभियान भारत सरकार और राजस्थान सरकार की प्राथमिकता है, और इसके सफल कार्यान्वयन के लिए जनसहभागिता अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने इस अभियान को ग्राम पंचायत स्तर पर प्रभावी ढंग से

लागू करने की आवश्यकता पर बल दिया, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में टीबी उन्मूलन की दिशा में ठोस कदम उठाए जा सकें। अतिरिक्त जिला कलेक्टर चंपालाल जीनगर ने बताया कि इस अभियान के तहत विभिन्न जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जाएंगी, जैसे कि संभावित टीबी रोगियों की पहचान, उपचार दर में वृद्धि, तंबाकू नियंत्रण, स्कूल प्रतियोगिताएं, मीडिया अभियान और सामुदायिक जागरूकता कार्यक्रम। स्वास्थ्य विभाग इन गतिविधियों की निगरानी करेगा और सभी हितधारकों को सक्रिय रूप से शामिल करेगा। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जुगल किशोर सैनी ने कहा कि इस अभियान के तहत निक्षय मित्रों की संख्या बढ़ाई जाएगी, जो प्रत्येक टीबी रोगी को पोषण किट प्रदान करेंगे। उन्होंने यह भी बताया कि संदिग्ध टीबी मामलों की पहचान और समय पर उपचार शुरू करने के लिए कई पहल की जाएंगी। उनका लक्ष्य है कि टीबी के उपचार की सफलता दर 85 प्रतिशत से अधिक हो। जिला टीबी कार्यक्रम समिति के सचिव डॉ. श्रवण राव ने अभियान के प्रमुख लक्ष्य और इंडिकेटर्स पर चर्चा की, जिनमें संदिग्ध टीबी मामलों की जांच, टीबी नोटिफिकेशन दर, उपचार सफलता दर, और निक्षय पोषण योजना का लाभ शामिल हैं। उन्होंने इस अभियान को सफल बनाने के लिए विभिन्न विभागों और अधिकारियों की भूमिका को रेखांकित किया। इस कार्यशाला में महिला एवं बाल विकास विभाग के उपनिदेशक दुर्गा सिंह उदावत, मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी रामलाल खराड़ी, उपखंड अधिकारी गोविंद सिंह भींचर, जिला उद्योग अधिकारी बजरंग सांगवा सहित कई प्रमुख अधिकारी उपस्थित थे। सभी अधिकारियों ने इस अभियान को सफल बनाने के लिए अपने कर्तव्यों को निभाने का संकल्प लिया। इस प्रकार, टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत नागौर जिले में टीबी उन्मूलन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है।

तेलंगाना पुलिस विभाग की जरूरतों को पूरा करेंगे डिप्टी सीएम भट्टी विक्रमार्क मल्लू

शेख इब्राहिम

आंध्र प्रदेश: तेलंगाना के डिप्टी सीएम भट्टी विक्रमार्क मल्लू ने राज्य के विकास और सुरक्षा को लेकर महत्वपूर्ण बयान दिया। उन्होंने कहा कि राज्य के प्रत्येक नागरिक को यह विश्वास दिलाया जाना चाहिए कि वे पूरी तरह से सुरक्षित हैं, और इसके लिए पुलिस विभाग की सभी जरूरतों को पूरा करना उनकी जिम्मेदारी होगी। शनिवार को डॉ. बीआर अंबेडकर सचिवालय में गृह विभाग की निःशुल्क बजट बैठक के दौरान, डिप्टी सीएम ने वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की।

इस दौरान उन्होंने राज्य के तेजी से बढ़ते विकास पर प्रकाश डाला और बताया कि नगर साम्राज्य के आसपास राज्य का विकास सुनिश्चित किया जाएगा, साथ ही हैदराबाद में मौजूदा तीन शहरों के अलावा चौथे "फ्यूचर सिटी" की योजना भी बनाई जा रही है। उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय रिंग रोड का काम तेजी से किया जा रहा है, और राज्य में आर्थिक संसाधनों, पर्यावरण, और रोजगार के अवसरों की वृद्धि के कारण हैदराबाद और राज्य में बड़े पैमाने पर पलायन हो रहा है, जिससे सुरक्षा के लिहाज से गृह विभाग को और अधिक तैयार रहना होगा। डिप्टी सीएम ने तेलंगाना पुलिस विभाग की देशभर में प्रतिष्ठा की सराहना करते हुए विशेष रूप से साइबर अपराधों के मामलों में उनकी सफलता की तारीफ की। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को बधाई दी और कहा कि पुलिसकर्मियों के रहने के लिए अधिक क्वार्टर बनवाए जाने चाहिए, इसके लिए शीघ्र प्रस्ताव भेजे जाएं। उपमुख्यमंत्री ने यह भी सुझाव दिया कि जहां तक संभव हो, पुलिस विभाग को मजबूत करने के लिए सीएसआर फंड इकट्ठा किया जाए। बैठक में पिछले वर्ष के दौरान पुलिस विभाग में भरे गए पदों और वर्तमान रिक्तियों का भी जायजा लिया गया। बैठक में गृह विभाग के प्रमुख सचिव रवि गुप्ता, विशेष मुख्य सचिव रामकृष्ण राव, ग्रेहाउंड्स के महानिदेशक अभिलाष बिष्ट, साइबराबाद सीपी अविनाश महंती, राचाकोंडा सीपी सुधीर बाबू और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। यह बैठक तेलंगाना पुलिस की और भी अधिक मजबूती और सुरक्षा सुनिश्चित करने के दिशा में एक अहम कदम साबित होगी।

मध्य प्रदेश: नोहलेश्वर महोत्सव नोहटा में पहुंचा हेलीकॉप्टर

जुगल किशोर पाठक

मध्य प्रदेश: दमोह जिले की जबेरा विधानसभा के अंतर्गत नोहटा में स्थानीय विधायक एवं राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार श्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी जी के द्वारा नोहलेश्वर महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है, जिसका शुभारंभ 18 फरवरी को किया गया था और यह 28 फरवरी 2025 तक चलेगा।

इस महोत्सव में देश के मुख्य कलाकारों सहित क्षेत्रीय कलाकारों के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति की जा रही है और मेले में विभिन्न प्रकार की सामग्री आकर्षण का केंद्र बनी हुई है।

जिसमें मुख्य रूप से हेलीकॉप्टर से हवाई यात्रा भी एक मुख्य आकर्षण का केंद्र है, जिसका शुभारंभ 22 फरवरी 2025 से किया जाएगा, जिसकी एडवांस बुकिंग 500 से अधिक अभी तक हो चुकी है। आज महोत्सव के समीप हेलीकॉप्टर का आगमन हुआ, जिसे देखने के लिए बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी पहुंच रहे हैं।

राजस्थान: नारियो के लिए खड़ा हुआ पूरा भारतीय समाज

मांगी लाल

राजस्थान: नारी तू नारायणी ,नारी शक्ति का अवतार है। नारी लक्ष्मी का स्वरूप व अवतार है। समाज में, देश - विदेश में सबको जगह नारी का सम्मान है। फिर नारी के साथ में अत्याचार, देह शोषण ,दरींदगी, ब्लैकमेल क्यों हो रहा है। इस पर क्यों नहीं नियंत्रणहो रहा है।

नारी को समानता का अधिकार मिलते हुए भी नारी के साथ मे अनहोनी ,अप्रत्याशित घटनाएं हो रही है। जो सभ्य समाज के नाम पर एक कलंक है ।फिर नारी सामाजिक , न्यायिक, मानसिक रूप से प्रताड़ित क्यों हो रही है।न्याय भी इन्हें नहीं मिल पा रहा है। यह बहुत ही दर्दनाक, दुखदाई और दिल को दहला देने वाली व झक जोर ने वाली हैं। विजयनगर अजमेर में नाबालिग स्कूल छात्रा के देहशोषण , धर्मांतरण और ब्लैकमेल कांड की परत दर परत खुलती जा रही है । प्रकरण में जैसे-जैसे जांच आगे बढ़ रही है। अपराधियों के काली करतुते और उनके घिनोने मंनसूबे सामने आ रहे हैं। जो वर्ष 1992 के अजमेर ब्लैकमेल कांड से भी ज्यादा खौफनाक है। आरोपी युवक छात्रों के साथ शहर में बने कैफै, हटस में ना केवल देहशोषण करते बल्कि ब्लैकमेल कर धर्मांतरण का दबाव बना रहे थे।धार्मिक क्रियाकलाप नहीं करने पर पीड़ितों को कई तरह की यातनाए देते है। यहां तक कि रविवार उनकी कलाई काटने तक यातनाएं दी गई। उनकी दरिंदगी के पीछे कस्बे का एक अतीत सरपरस्त होना भी सामने आया है। जो उन्हें आर्थिक रूप से मदद करने को तत्पर रहते हैं। आरोपी प्रकरण के बाद से ही भूमिगत है। छ माह से स्कूली छात्राओ के साथ में दरीदंगी का घिनौना खेल खेला जा रहा था। उनका देह शोषण होना भी सामने आया है। प्रकरण सामने आने के बाद में कस्बे में आमजन में गुस्सा है। वहीं पीड़िताए और उनका परिवार दहसत के माहौल में जीने को मजबूर है। परीक्षा के दिनों में घर में तनाव का माहौल है। परिवार के सदस्यों की माने तो छात्राएं उनके साथ घटी घटनाक्रम और उसके बाद के माहौल को लेकर के अवसाद में है। उन्हें अपने भविष्य को लेकर चिंता है। ऐसी स्थिति में बात को दबाने, छिपाने के बजाय सबके सामने और समाज के सामने उजागर करना होगा। समाज मे जागरूकता का माहौल बनाना होगा। एक दूसरे की सहायता करके इस माहौल पर नियंत्रण करना पड़ेगा। तभी नारी को हम सम्मानित जीवन दे सकते है। स्वच्छंद , आजाद रूप से घूम सकने मे उनका हौसला बढ़ाकर सक्षम बनाया जा सकेगा।

एक नजर

मध्य प्रदेश: सिंगोली में आयुर्वेद चिकित्सा शिविर आयोजित, 103 रोगियों का किया गया उपचार

ख्वाजा हुसैन/मध्य प्रदेश: जिला आयुष अधिकारी डॉ. आशीष कुमार वोरना के मार्गदर्शन में आयुर्वेद औषधालय थडोद द्वारा सिंगोली में "सर्व रोग निदान आयुर्वेद चिकित्सा शिविर" का आयोजन किया गया। इस शिविर में आमवात, संधिवात, कमर दर्द, शिरशूल, प्रतिश्याय, खांसी, श्वास, अध्यमान, अग्निमांध, चर्मरोग, उच्च रक्तचाप, शुगर, अश्मरी, मूत्रकृछ जैसी बीमारियों से ग्रस्त 103 रोगियों का डॉ. आर.पी. वर्मा द्वारा परीक्षण और उपचार किया गया। साथ ही, रोगियों को निशुल्क आयुर्वेदिक औषधियाँ भी प्रदान की गई। इस शिविर में डॉ. आर.पी. वर्मा ने उपस्थित लोगों को आयुर्वेदिक दिनचर्या और ऋतुचर्या के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने उच्च रक्तचाप और शुगर के उपचार में उपयोगी एकल आयुर्वेदिक औषधियों के बारे में भी बताया। शिविर का आयोजन नगर के समाजसेवी प्रकाश नागोरी के सहयोग से किया गया। इस मौके पर डॉ. आर.पी. वर्मा, संजू भदौरिया, भंवरलाल खराडी और गोविन्द दास ने अपनी सेवाएँ प्रदान की।

हरियाणा: गांव गहली की बेटी नीतू ने नीट पीजी प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण की, स्त्री रोग विशेषज्ञ बनने की ओर एक कदम और बढ़ीं

सतीश/हरियाणा: गांव गहली की बेटी नीतू ने नीट पीजी प्रवेश परीक्षा में सफलता प्राप्त की है और अब वह मुम्बई के प्रतिष्ठित ग्रांट मेडिकल कॉलेज में स्त्री रोग विशेषज्ञ बनने के लिए अपनी पढ़ाई जारी रखेंगी। नीतू ने इस वर्ष एसएमएस मेडिकल कॉलेज जयपुर से एमबीबीएस की डिग्री पूरी की है। वह एक साधारण परिवार से आती हैं। उनके पिता महिपाल जटराणा आर्मी से रिटायर्ड हैं, और उनका छोटा भाई नवीन भी एम्स ऋषिकेश से एमबीबीएस कर रहा है। नीतू का चयन हाल ही में हरियाणा के एएमओ पद पर भी हुआ था। गांव में नीतू की इस उपलब्धि पर खुशी का माहौल है। इस अवसर पर गहली वासी जाट महासभा के जिला प्रधान विजयपाल एडवोकेट ने नीतू की सफलता पर गर्व व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने क्षेत्र और जिले का नाम रोशन किया है। उन्होंने युवाओं से अपील की कि शिक्षा को प्राथमिकता दें, क्योंकि यह जीवन और भविष्य को उज्जवल बनाता है। इस खुशी के मौके पर सरपंच मनजीत कुमारी, माता सती वेल्फेयर समिति के अध्यक्ष सिकंदर गहली, राजेंद्र जटराणा, धर्मपाल जटराणा, मालाराम थानेदार, रामफल फौजी, उत्तम सिंह, अजीत सिंह, विक्रम पंच और कई अन्य ग्रामीणों ने नीतू की सफलता पर अपनी शुभकामनाएं दीं।

राजस्थान: पीपाड़ सिटी के राजकीय जिला अस्पताल में एक्स-रे मशीन की कमी, मरीजों को हो रही परेशानी

मांगी लाल/राजस्थान: पीपाड़ सिटी के राजकीय जिला अस्पताल में एक्स-रे मशीन की कमी के कारण मरीजों को गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि, जिला कलेक्टर गौरव अग्रवाल ने पुरानी एक्स-रे मशीन की स्थिति को देखते हुए नई मशीन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए थे, लेकिन अब तक इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए हैं।? अस्पताल में 40 साल पुरानी एक्स-रे मशीन के कारण वर्कलोड बढ़ने से यह अक्सर खराब हो जाती है, जिससे मरीजों को समय पर जांच नहीं मिल पाती। स्वचालित ऊर्जा नियमन बोर्ड की गाइडलाइन भी ठंडे पड़ गई हैं, जिससे सुरक्षा मानकों का पालन नहीं हो पा रहा है।? पिछले सप्ताह जिला कलेक्टर गौरव अग्रवाल ने अस्पताल का निरीक्षण किया था, जहां रेडियोग्राफर ने नई एक्स-रे मशीन की मांग रखी थी। कलेक्टर ने शीघ्र कार्यवाही करने के निर्देश दिए थे, लेकिन अब तक कोई नई मशीन उपलब्ध नहीं हो पाई है।? सीएमएचओ ने एक अन्य अस्पताल से 100 एमएम की मशीन भेजने की बात कही थी, लेकिन सीनियर रेडियोग्राफर अनिल सोनेल ने अस्पताल के वर्कलोड को देखते हुए 500 एमएम क्षमता की मशीन की आवश्यकता जताई थी।? यदि समय पर एक्स-रे मशीन उपलब्ध हो जाती है, तो मरीजों को काफी राहत मिलेगी और उन्हें आर्थिक लाभ भी होगा।

जम्मू कश्मीर: कश्मीर मुद्दा पहले ही सुलझ चुका है, विदेशी मध्यस्थता की कोई जरूरत नहीं

राजेश कुमार (जेके)

जम्मू कश्मीर: भारतीय जनता पार्टी (भा.ज.पा.) के वरिष्ठ नेता और पूर्व उपमुख्यमंत्री, कविंदर गुप्ता ने तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोआन द्वारा कश्मीर मुद्दे पर भारत और पाकिस्तान के बीच बातचीत के जरिए समाधान की आवश्यकता की ओर इशारा करने वाले बयान की कड़ी निंदा की। गुप्ता ने इसे "अनुचित हस्तक्षेप" बताते हुए कहा कि कश्मीर भारत का अभिन्न हिस्सा है, और किसी भी विदेशी शक्ति को भारत के आंतरिक मामलों में दखल देने का अधिकार नहीं है। कविंदर गुप्ता ने स्पष्ट किया कि जम्मू-कश्मीर का मुद्दा भारत का आंतरिक मामला है और इसे अंतरराष्ट्रीय मंच पर

उठाना पूरी तरह से निरर्थक है। उन्होंने तुर्की के राष्ट्रपति से यह भी कहा कि वे अपने आंतरिक मुद्दों पर ध्यान दें, न कि भारत के मामलों में दखल देने का प्रयास करें। गुप्ता ने 2019 में जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 की समाप्ति को क्षेत्र में शांति, विकास और एकीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने जम्मू-कश्मीर में अभूतपूर्व विकास कार्य किए हैं और क्षेत्र के लोगों ने अलगाववादी आख्यानों को नकारा है। कविंदर गुप्ता ने इस बात पर जोर दिया कि जम्मू-कश्मीर की संप्रभुता पर किसी भी प्रकार के सवाल उठाना अस्वीकार्य है। उन्होंने कहा कि भारतीय लोकतंत्र मजबूत है और जम्मू-कश्मीर की नीतियों का उद्देश्य शांति, स्थिरता और विकास सुनिश्चित करना है। इसके बाद, कविंदर गुप्ता ने जम्मू में भाजपा मुख्यालय में जम्मू-कश्मीर भाजपा अध्यक्ष सत शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में भाग लिया। इस बैठक में पार्टी की आगामी योजनाओं, संगठनात्मक मुद्दों और भाजपा की जमीनी स्तर पर पहुंच को मजबूत करने के लिए रणनीतियों पर चर्चा की गई। गुप्ता ने इस अवसर पर भाजपा के प्रतिबद्धता को दोहराया और कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में नया जम्मू-कश्मीर क्षेत्र के विकास को आकार देता रहेगा।

हरियाणा: समाज को दहेज मुक्त संदेश यक्षिता के कुआं पूजन पर आदर्श पहल

सतीश/हरियाणा: केशव नगर निवासी पूर्व तहसीलदार लालाराम नाहर ने अपनी नवजात सुपौत्री यक्षिता का जन्मोत्सव और कुआं पूजन बड़े धूमधाम से मनाया। इस आयोजन का खास पहलू यह था कि लड़की के छुछक में किसी भी प्रकार का दहेज नहीं लिया गया। यह कदम समाज में दहेज की कुप्रथा के खिलाफ एक मजबूत संदेश देने के रूप में देखा गया। इससे पहले, यक्षिता के माता-पिता, डॉ. रमन सिंह और गिरीश की शादी भी बिना किसी दहेज के संपन्न हुई थी। पूर्व तहसीलदार लालाराम नाहर ने कहा, "हम लड़की और लड़के के बीच किसी भी प्रकार के भेदभाव को नहीं मानते। इस कुआं पूजन का उद्देश्य समाज में समानता का संदेश देना है। सर्व अनुसूचित जाति संघर्ष समिति के पदाधिकारियों ने इस उदाहरण को सम्मानित किया और संविधान की प्रति भेंटकर परिवार का सम्मान किया। समिति ने इस दहेज मुक्त कार्यक्रम की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए एक प्रेरणास्त्रोत बताया।

इस अवसर पर संघर्ष समिति के प्रमुख सदस्य जैसे चन्दन सिंह जालवान प्रधान, बिरदी चंद गोठवाल महासचिव, डॉ. शिवताज सिंह प्रधान, परिवर्तनकारी साहित्य मं, बलबीर सिंह बबेरवाल प्रधान, रविदास महासभा और अन्य कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। इस तरह के आयोजनों से समाज में दहेज मुक्त और समानता की ओर बढ़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है।

मध्य प्रदेश: थांदला में आगामी त्योहारों के लिए शांति समिति की बैठक, सुरक्षा और नियमों का पालन करने की अपील

रियाज मोहम्मद खान

मध्य प्रदेश: आगामी त्योहारों को लेकर थांदला थाना परिसर में शांति समिति की बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक की अध्यक्षता अनुविभागीय अधिकारी राजस्व तरूण जैन और अनुविभागीय अधिकारी पुलिस रविन्द्र सिंह राठी ने की, जिसमें कलेक्टर नेहा मीना एवं पुलिस अधीक्षक पद्मविलोचन शुक्ल के निदेशों का पालन किया गया। बैठक में एडीएम और एसडीओपी महोदय ने संयुक्त रूप से कहा कि आगामी त्योहारों जैसे महाशिवरात्रि, रमजान मुबारक और भगोरिया पर्व को शांति, सौहार्द्र और भाईचारे के साथ मनाया जाए। उन्होंने लोगों से अपील की कि किसी भी प्रकार का नशा न किया जाए और झुंड बनाकर शरारतें न की जाएं। इसके अलावा, विशेष रूप से यातायात व्यवस्था पर भी ध्यान देने की बात की गई। वाहन चालकों से कहा गया कि वे अपने वाहनों को सही स्थान

पर ही पार्क करें और शराब पीकर वाहन चलाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। ओवरलोड वाहनों के खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही, माता-पिता से अपील की गई कि वे अपने नाबालिग बच्चों को मोटरसाइकिल चलाने की अनुमति न दें। भगोरिया पर्व के दिन रैली निकालने के लिए प्रशासन से अनुमति प्राप्त करना अनिवार्य होगा और डीजे बजाने पर प्रतिबंध रहेगा। बैठक में नगर के सभी मकान मालिक और दुकानदारों से अपील की गई कि वे अपने किराएदारों की जानकारी पुलिस को दें ताकि भविष्य में कोई अप्रिय घटना न हो सके। बैठक में तहसीलदार अनिल वाघेला, थाना प्रभारी ब्रजेश कुमार मालवीय, नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि सुनिल पंण्दा, पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष बंटी डामोर, भाजपा मंडल अध्यक्ष और अन्य जनप्रतिनिधि, समाज के पदाधिकारी, पत्रकारगण, और ग्रामीण क्षेत्रों से पंच, सरपंच समेत अन्य लोग उपस्थित रहे।

राजस्थान: रीट 2024 परीक्षा की तैयारी में जोरों पर, जिला कलेक्टर ने दिए सख्त निर्देश, कैमरे की निगरानी में होगी परीक्षा

मनोज कुमार चोर्डिया

राजस्थान: अध्यापक पात्रता परीक्षा (रीट) 2024 के आयोजन की तैयारियां तेज हो गई हैं। 27 और 28 फरवरी 2025 को होने वाली इस परीक्षा के लिए जिला कलेक्टर अरुण कुमार पुरोहित ने बुधवार को जिला परिषद सभागार में एक महत्वपूर्ण प्रशिक्षण सत्र आयोजित कियाk

इस दौरान उन्होंने परीक्षा की सफलता को लेकर अधिकारियों और कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कलेक्टर ने बताया कि परीक्षा 27 फरवरी को दो पारियों में आयोजित की जाएगी - पहली पारी सुबह 10 बजे से दोपहर 12.30 बजे तक और दूसरी पारी दोपहर 3 बजे से शाम 5.30 बजे तक, वहीं 28 फरवरी को परीक्षा सुबह 10 बजे से दोपहर 12.30 बजे तक होगी। यह परीक्षा जिले के 25 केन्द्रों पर आयोजित की जाएगी, जिनमें 13 राजकीय और 12 गैर-राजकीय केन्द्र शामिल हैं। इस परीक्षा में 22,884 अभ्यर्थी शामिल होंगे। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी परीक्षा केन्द्रों की पूरी तैयारी समय से की जाए। पुलिस विभाग को डिबार कैंडिडेट्स की ट्रेसिंग और पुलिस कार्यवाही की निगरानी करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि परीक्षा केन्द्रों पर मोबाइल पर पूरी तरह प्रतिबंध रहेगा और सभी कार्मिकों को मोबाइल बाहर रखकर ही केन्द्र में प्रवेश करना होगा। वहीं, जिला पुलिस अधीक्षक नारायण टोगस ने कहा कि किसी भी स्थिति में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। परीक्षा के दौरान अनुचित साधनों के इस्तेमाल और डमी अभ्यर्थियों के प्रवेश की स्थिति में भारी जुमार्ना और सख्त कार्यवाही की जाएगी। कलेक्टर ने यह भी कहा कि परीक्षा केन्द्रों पर अभ्यर्थियों की सीसीटीवी कैमरे द्वारा निगरानी की जाएगी और हर एक परीक्षार्थी की विडियोग्राफी की जाएगी, ताकि कोई भी धोखाधड़ी या नकल की घटना न हो सके। उन्होंने यह स्पष्ट किया कि अभ्यर्थियों को प्रवेश पत्र के साथ स्वयं प्रमाणित पहचान पत्र लाना अनिवार्य होगा, और बिना पहचान पत्र के प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

संपादकीय

दिल्ली की नेतृत्व-रेखा

भाजपा ने महिला विधायक रेखा गुप्ता को दिल्ली अर्द्धराज्य का मुख्यमंत्री चुना है। दिसंबर, 1998 में मुख्यमंत्री रहीं सुषमा स्वराज के बाद रेखा गुप्ता दिल्ली की दूसरी भाजपाई मुख्यमंत्री हैं। यदि शीला दीक्षित और आतिशी को भी गिनें, तो वह दिल्ली की चौथी महिला मुख्यमंत्री हैं। देश के 13 राज्यों में भाजपा मुख्यमंत्री हैं, लेकिन महिला मुख्यमंत्री कोई नहीं थी। एनडीए सरकारों का नेतृत्व भी पुरुष मुख्यमंत्री कर रहे हैं। अलबत्ता राजस्थान और ओडिशा में भाजपा की उपमुख्यमंत्री जरूर हैं। अब भाजपा की सूची में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता महिला और वैश्य समुदाय का प्रतिनिधित्व करेंगी, लेकिन अब भी भाजपा किसी दलित को मुख्यमंत्री नहीं बना पाई है। आरएसएस प्रमुख भी आज तक किसी दलित को नहीं बनाया गया है। यह संयोग है अथवा परंपरागत प्रयोग है? रेखा गुप्ता 2025 के विधानसभा चुनाव में पहली बार ही विधायक बनी हैं। हालांकि उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ के सचिव तथा अध्यक्ष, तीन बार नगर निगम पार्षद, भाजपा में पदाधिकारी और राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य के तौर पर 30 लंबे सालों का राजनीतिक सफर पार किया है, लेकिन सवाल किया जा रहा है कि रेखा गुप्ता को ही दिल्ली की मुख्यमंत्री का दायित्व क्यों दिया गया? जबकि कई अनुभवी और 5-6 बार के चुने हुए विधायक भी पार्टी में हैं। इसका साफ जवाब है कि महिला और वैश्य समाज को साधने का प्रयास किया गया है। प्रधानमंत्री मोदी अब महिला सशक्तिकरण की राजनीति पर ज्यादा फोकस करना चाहते हैं। दरअसल वैश्य 'जनसंघ' के दिनों से ही संघवादी राजनीति के कोर समर्थक रहे हैं। भाजपा को भी 1980 के दौर में ब्राह्मणों-बनियों की पार्टी माना जाता था।

बाद में पंजाबियों का समर्थन भी मिलने लगा। प्रधानमंत्री मोदी ने आदिवासी, ओबीसी और कुछ हद तक दलितों को भी भाजपा के साथ जोड? की सफल राजनीति की है, नतीजतन 20 से अधिक राज्यों में भाजपा-एनडीए की सरकारें हैं। बहरहाल दिल्ली का परिदृश्य कुछ अलग रहा है। दिल्ली में साक्षरता दर 88 फीसदी से अधिक है। प्रति व्यक्ति आय भी औसतन 4 लाख रुपए से ज्यादा है। नागरिक जागरूकता भी काफी है। दिल्ली देश की राजधानी के साथ-साथ “मिनी भारत” भी है। चूंकि केजरीवाल भी बनिया समाज के हैं, लिहाजा उनके नेतृत्व में जब आम आदमी पार्टी (आप) की राजनीति परवान चढ़ी, तो वैश्य भी उनकी ओर ध्रुवीकृत हुए, लिहाजा भाजपा ने अपने कोर वोटर को खिसकने का संकट महसूस किया। प्रधानमंत्री मोदी ने 2025 के चुनाव में महिलाओं पर खूब फोकस रखा, नतीजतन पार्टी को 45 फीसदी से अधिक महिला वोट मिले।

अमरीका से निष्कासित हो रहे भारतीय

> अपने देश को छोडकर किसी दूसरे देश में जाने के लिए उस देश की सरकार से वीजा लेना पड़ता है। वीजा लेने की यह व्यवस्था बीसवीं शताब्दी में ही शुरु हुई थी। उससे पहले लोग इच्छानुसार एक स्थान से दूसरे स्थान पर आ-जा सकते थे। लेकिन उसके बाद व्यवस्था बदल गई। पर एक दूसरी समस्या आ गई। जरूरी नहीं कि जिस देश में आप जाना चाहते हैं वहां की सरकार आपको वीजा दे ही दे। लेकिन यदि जाना बहुत ही जरूरी हो तो बिना वीजा भी जाने के रास्ते हैं। लेकिन उन रास्तों पर ले जाने के लिए दुनिया भर में गिरोह बने हुए हैं। ये गिरोह अपने आपको एजेंट कहते हैं।

-कुलदीप चंद अग्निहोत्री-

राजनीतिक शरण के नाम पर क्या अमेरिका और कनाडा सरकारें भारत विरोधी समूह यत्नपूर्वक तैयार नहीं कर रही? इसके लिए क्या वहां परोक्ष ब्रांच काम नहीं कर रहीं? इस ब्रांच को तो गधा एअरवेज के यात्रियों का इंतजार करने की भी जरूरत नहीं होती। यह ब्रांच तो बाकायदा उनको अल्प अवधि का वीजा देकर बुलाती है। उसके बाद जांच लेती है कि क्या इनको भारत विरोधी गुट में रिक्रूट किया जा सकता है। यदि उपयुक्त पाया जाता है तो शरण के बाद उसे इस काम में लगा दिया जाता है। लेकिन इस प्रकार के रंगरूट सप्लाई करने का काम भी तो पंजाब में बैठे कुछ तथाकथित प्रतिष्ठित लोग ही तो कर रहे हैं। यह पूरी सप्लाई सिस्टम चेन है जिसका एक सिरा भारत में, दूसरा कनाडा-अमेरिका में है

अपने देश को छोडकर किसी दूसरे देश में जाने के लिए उस देश की सरकार से वीजा लेना पड़ता है। वीजा लेने की यह व्यवस्था बीसवीं शताब्दी में ही शुरू हुई थी। उससे पहले लोग इच्छानुसार एक स्थान से दूसरे स्थान पर आ-जा सकते थे। लेकिन उसके बाद व्यवस्था बदल गई। पर एक दूसरी समस्या आ गई। जरूरी नहीं कि जिस देश में आप जाना चाहते हैं वहां की सरकार आपको वीजा दे ही दे। लेकिन यदि जाना बहुत ही जरूरी हो तो बिना वीजा भी जाने के रास्ते हैं। लेकिन उन रास्तों पर ले जाने के लिए दुनिया भर में गिरोह बने हुए हैं। ये गिरोह अपने आपको एजेंट कहते हैं। बिना वीजा के लोगों को विभिन्न देशों की सरहदें पार करवा देने के काम को पंजाब में डोंकी फ्लाइट कहा जाता है। यदि आप किसी दूसरे देश में वीजा लेकर जाते हैं तो परिवहन की रेगुलर फ्लाइट से जाएंगे। यदि बिना वीजा जाते हैं तो डोंकी फ्लाइट से जाएंगे। रेगुलर फ्लाइट का किराया तो बहुत कम है, लेकिन डोंकी फ्लाइट का किराया पचास लाख से लेकर एक करोड़ तक हो सकता है। अलबत्ता इतना निश्चित है कि यदि डोंकी फ्लाइट से यात्री जाता है तो पकड़े जाने पर देश वापसी रेगुलर फ्लाइट से ही होगी। अब जब ऐसा हो रहा है तो बहुत हो-हल्ला होगा ही। लेकिन असली प्रश्न है कि लोग बिना वीजा लिए अमेरिका-कनाडा जाते क्यों हैं?

यह प्रश्न बहुत ही उलझा हुआ है। इसका उत्तर जलेबीनुमा ही हो सकता है। यदि यह मान ही लिया जाए कि अपने मुल्क में नौकरी नहीं मिलती, इसलिए दूसरे देश में नौकरी की तलाश में लोग चले जाते हैं। लेकिन पंजाब और गुजरात से तो उन परिवारों के युवा जा रहे हैं जिनका अच्छा खासा व्यवसाय है। भरी-पूरी खेती है। पंजाब में तो बहुत से आईएएस प्रशासकों ने कनाडा की पीआरशिप ले रखी है। उनके लिए तो बेरोजगारी समस्या नहीं है। बहुत से युवा तो नौकरी छोड़ कर विदेश जाने के लिए “गधे पर सवार” (डोंकी फ्लाइट) हो रहे हैं। पंजाब में तो अच्छी भली खेती कर रहे युवा खेत बेच कर उत्तरी अमेरिका में मजदूरी तक करने के लिए भाग रहे हैं। इसलिए यह प्रश्न बहुत गुंझलदार है। इसकी तह में जाने की बजाय उस काले धंधे के एजेंटों की दुनिया में झांकने की कोशिश करते हैं जो “गधा एअरवेज” का संचालन करते हैं। पंजाब के मुख्यमंत्री भी डोंकी फ्लाइट वालों की वतन वापसी को लेकर बहुत चिंतित हैं। लेकिन उनकी चिंता महज इतनी ही है कि डोंकी फ्लाइट से गए यात्रियों को वापस ला रहे जहाज अमृतसर हवाई अड्डा पर न उतरें, बल्कि वे दिल्ली या अहमदाबाद में उतरें। वैसे गधा एअरवेज कैसे आपरेट करती हैं, इसकी थोड़ी बहुत मालूममात भगवंत मान को भी होगी ही क्योंकि बहुत बार कलाकारों के जत्थे भी ऐसे अभियानों में पाए जाते हैं। गधा एअरवेज अरबों की आर्थिक राजनीति है। एक-एक यात्री से लाखों रुपए वसूले जाते हैं। यह गधा एअरवेज बिना सुसंगठित तंत्र के तो चलाई नहीं जा सकती। यह एअरवेज गैर कानूनी है, इसमें तो कोई शक नहीं। फिर भी यदि यह सफलतापूर्वक चल रही है तो इसके अनेक स्टेकहोल्डर होंगे ही। सबसे बड़ा स्टेकहोल्डर तो वे हैं जो उत्तरी अमेरिका के दिवास्वप्न दिखाते हैं। सबसे बड़ा स्वप्न है कि “कनाडा और अमेरिका में “शरण” मिलने की संभावना है। हम यह शरण दिलवा सकते हैं, लेकिन इसके लिए इतने लाख रुपया देना होगा।” क्या भगवंत मान यह नहीं जानते कि कनाडा या अमेरिका में शरण दिलवाने की एजेंसी किन लोगों ने खोल रखी है?

इस एजेंसी को पकड? के लिए पंजाब सरकार ने अभी तक कोई कदम उठाया है? यदि नहीं उठाया तो उसका क्या कारण है? आर्थिक कारण या राजनीतिक कारण? अमेरिका में डोंकी फ्लाइट के माध्यम से जब एक युवक ने अमेरिका में प्रवेश किया और कुछ दिन बाद ही अमेरिकी पुलिस ने उसे पकड़ कर नजरबन्द कर दिया तो उसने सबसे पहले अपने घर फोन करके नजरबन्द होने की ही “खुशखबरी” दी। जेल में जाना खुशखबरी कैसे हो सकती है? उसने इसका भी खुलासा किया। अब “वह अमेरिका में शरण के लिए आवेदन न्यायालय में प्रस्तुत करेगा। कोर्ट में लम्बा केस चलेगा। कुछ दिन बाद जमानत पर नजरबन्दी से छूट जाएगा। तब तक तो अमेरिका से कानूनन ही कोई निकाल नहीं पाएगा। आशा है अंततः शरण मिल जाएगी।” क्या पंजाब सरकार का धर्म नहीं है कि वह शरण दिलवाने के लिए झूठे-सच्चे कागज मुहैया करवाने की चल रही फैक्टरी पर शिकंजा कसे। गधा एअरवेज का संचालन करने वाले एजेंटों पर कभी पंजाब सरकार ने कार्रवाई की? यह एअरवेज तो कई दशकों से चल रहा है। पंजाब में क्या कोई ऐसा राजनीतिज्ञ है जो एन एजेंटों की सिंडीकेट को न जानता हो या फिर कभी-कभार इस एअरवेज के माध्यम से अपने किसी सगे संबंधी को उत्तरी अमेरिका न पहुंचाया हो? क्या करोड़ों का यह बिजनेस अकेले एजेंट ही डकार रहे हैं? क्या पंजाब के राजनीतिज्ञों में इसकी पत्ती या हिस्सेदारी के कारण ही तो इनकी ओर से आंख नहीं मूंद ली जाती? पुलिस की जानकारी के बिना क्या इतना बड़ा बिजनेस चल सकता है? ये सारे ऐसे प्रश्न हैं जिसका उत्तर पंजाब सरकार को देना होगा। लेकिन यह निश्चित है कि पंजाब सरकार इसका उत्तर नहीं देगी। कुछ प्रश्न ऐसे होते हैं जिनका उत्तर सभी को पता होता है, लेकिन उत्तर देता कोई नहीं। डोंकी फ्लाईट का यही सबसे बड़ा काला धंधा है।

लेकिन इस पूरे काले धंधे की एक ब्रांच कनाडा और सरकारों के भीतर भी खुली हुई है। राजनैतिक शरण के नाम पर क्या अमेरिका और कनाडा सरकारें भारत विरोधी समूह यत्नपूर्वक तैयार नहीं कर रही? इसके लिए क्या वहां परोक्ष ब्रांच काम नहीं कर रहीं? इस ब्रांच को तो गधा एअरवेज के यात्रियों का इंतजार करने की भी जरूरत नहीं होती। यह ब्रांच तो बाकायदा उनको अल्प अवधि का वीजा देकर बुलाती है। उसके बाद जांच लेती है कि क्या इनको भारत विरोधी गुट में रिक्रूट किया जा सकता है। यदि उपयुक्त पाया जाता है तो शरण के बाद उसे इस काम में लगा दिया जाता है। लेकिन इस प्रकार के रंगरूट सप्लाई करने का काम भी तो पंजाब में बैठे कुछ तथाकथित प्रतिष्ठित लोग ही तो कर रहे हैं। यह पूरी सप्लाई सिस्टम चेन है जिसका एक सिरा भारत में है और दूसरा सिरा कनाडा और अमेरिका में है। यह ठीक है कि कनाडा या अमेरिका वाले सिरे को नियंत्रित करना पंजाब सरकार के वश में नहीं है लेकिन स्थानीय फैक्टरियों को तो चिन्हित किया जा सकता है। भगवंत मान तो कलाकारों के दलों के साथ बाहर जाते रहते हैं और अपने किस्से कहानियां भी सुनाते हैं। क्या वे कभी इस गधा एअरवेज पर भी कामेडी के बहाने ही कुछ प्रकाश डालेंगे या फिर जहाज अमृतसर में क्यों उतरा, यही चिल्लाते रहेंगे।

विकसित हो भीड़ नियंत्रण का प्रभावी तंत्र

-रमेश सर्राफ धमोरा-

देश में हम आए दिन भीड़ में भगदड़ मचने से कई लोगों के मरने की खबरें पढ़ते रहते हैं। हाल ही में महाकुंभ स्नान के दौरान प्रयागराज में भीड़ में भगदड़ के चलते 37 लोगों को जान गंवानी पड़ी थी। इस घटना के कुछ दिनों बाद ही नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर महाकुंभ जाने वालों की भीड़ में अचानक भगदड़ मचने से 18 लोगों की मौत हो गई थी। यह दोनों ही दुर्घटना बहुत दुर्भाग्यपूर्ण व दुखद है।

देश में भगदड़ में मरने वालों की सूची बहुत लंबी है। सभी को पता है कि जहां बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ एकत्रित होगी वहां कभी भी भगदड़ मचने की स्थिति पैदा हो सकती है। मगर अभी तक ऐसी कोई व्यवस्था नहीं बन पाई है जिससे भगदड़ की स्थिति ही उत्पन्न नहीं होने पाए। सरकारी भी भगदड़ होने के बाद उसको रोकने के ढोल पीट कर कुछ समय बाद शांत बैठ जाती है। मगर ऐसा कोई स्थाई तंत्र विकसित नहीं किया जाता है। जिससे भगदड़ की स्थिति होने से पहले ही सुरक्षा कर्मियों को अलर्ट मिले और वह उन पर नियंत्रण कर सके।

भगदड़ भीड़ प्रबंधन की असफलता की स्थिति में पैदा हुई मानव निर्मित आपदा है। भगदड़ प्रायः भीड़ भरे इलाको में किसी अफवाह के कारण भी पैदा हो सकती है। इसके अलावा प्राकृतिक आपदाएं एवं प्रशासनिक अव्यवस्था के कारण भी यह आपदा पैदा होती है। इसमें संपत्ति से अधिक जान की क्षति होने की संभावना रहती है। भीड़ दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों के वैश्विक डेटाबेस के मुताबिक सन 2000 के बाद से भारत में 50 से ज्यादा विनाशकारी सामूहिक समारोहों में दो हजार से ज्यादा लोगों की जान चली गई है। इन दुर्घटना को देखते हुए प्रभावी भीड़ प्रबंधन तंत्र विकसित करने की बहुत जरूरत महसूस की जा रही है। खासकर कुंभ जैसे बड़े आयोजनों में इसकी काफी जरूरत महसूस होती है।

भगदड़ बेहद खतरनाक और घातक स्थिति होती है। किसी भी जगह पर जब भीड़ उसकी क्षमता से अधिक हो जाती है और लोगों के पास निकलने का रास्ता नहीं होता है। भीड़ की वजह से लोगों को पैर रखने की जगह नहीं मिलती है। ऐसी स्थिति में किसी तरह की अफवाह या दुर्घटना होने पर भीड़ बेकाबू हो जाती है। इसे भीड़ में हलचल भी कहा जाता है। इसकी वजह से ही भगदड़ की स्थिति बनती है। इसी तरह भीड़ में हलचल का मतलब भीड़ का बेतरतीब तरीके से एक से ज्यादा दिशाओं में एक ही समय में आगे बढ़ना है। ऐसे में लोगों को चलने के लिए जगह कम होती है वो एक-दूसरे के बीच दब जाते हैं। जब लोग एक-दूसरे से बहुत नजदीक होते हैं तो “फोर्सेज का ट्रांसमिशन” यानी बल का संचरण हो सकता है। इस फोर्स ट्रांसमिशन को आपने भी कभी न कभी तब महसूस किया होगा जब आप एक बहुत भीड़-भाड़ वाली किसी लाइन में खड़े हुए होंगे। जब पीछे से अचानक धक्का लगता है तो व्यक्ति खुद भी उस धक्के को अपने से आगे खड़े व्यक्ति को ट्रांसफर कर देते हैं। ऐसे में अपना संतुलन बनाए रखना और अपने पैरों पर खड़े रहना लोगों के लिए बहुत मुश्किल हो जाता है।

ये पहली बार नहीं था जब किसी धार्मिक कार्यक्रम के दौरान भगदड़ मची हो। इसके पहले भी समय-समय पर भगदड़ मचने की खबरें सामने आती रही हैं। इन घटनाओं में कई लोगों की जान भी चली गई। 27 अगस्त 2003 महाराष्ट्र के नासिक जिले में कुंभ मेले में स्नान के दौरान भगदड़ मचने से 39 लोगों की मौत हो गई थी। 25 जनवरी 2005 को महाराष्ट्र के सतारा जिले में मंधारदेवी मंदिर में भगदड़ मच गई थी। जिसमें 340 से ज्यादा श्रद्धालु कुचले गए थे। 3 अगस्त 2008 हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर जिले में नैना देवी मंदिर में मची भगदड़ में 162 लोगों की मौत हो गई थी। 30 सितंबर 2008 राजस्थान के जोधपुर शहर में चामुंडा देवी मंदिर में मची भगदड़ में लगभग 250 श्रद्धालुओं की मौत हो गई थी। 4 मार्च 2010 को उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले में कृपालु महाराज के राम जानकी मंदिर में भगदड़ में 63 लोगों की मौत हो गई थी.। 14 जनवरी 2011 को केरल के इडुक्की जिले के पुलमेडु में सबरीमाला मंदिर में एक जीप की टक्कर से मची भगदड़ में 104 श्रद्धालुओं की मौत हो गई थी। 8 नवंबर 2011 को हरिद्वार में गंगा नदी के किनारे हर की पौड़ी घाट पर मची भगदड़ में लगभग 20 लोगों की मौत हो गई थी। 19 नवंबर 2012 को पटना में गंगा नदी पर छठ पूजा के दौरान एक अस्थायी पुल के ढह जाने से भगदड़ मच गई थी जिसमें 20 लोगों की मौत हो गयी थी।

13 अक्टूबर 2013 मध्य प्रदेश के दतिया जिले में रतनगढ़ मंदिर के पास नवरात्रि के जश्न के दौरान भगदड़ मचने से 115 लोगों ने अपनी जान गंवाई थी। 3 अक्टूबर 2014 को दशहरे का जश्न समाप्त होने के तुरंत बाद पटना के गांधी मैदान में भगदड़ मच गई जिसमें 32 लोगों की मौत हो गई थी। 14 जुलाई 2015 को आंध्र प्रदेश के राजमुंदरी में पुष्करम उत्सव के पहले दिन गोदावरी नदी के तट पर भगदड़ मचने से 27 लोगों ने अपनी जान गंवा दी थी। 1 जनवरी 2022 को जम्मू-कश्मीर में माता वैष्णो देवी मंदिर में भगदड़ मचने से 12 लोगों की मौत हो गई थी। 31 मार्च 2023 को इंदौर शहर के एक मंदिर में रामनवमी के मौके पर एक प्राचीन बावड़ी के ऊपर बनी स्लैब के ढह जाने से 36 लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी थी।

इसी तरह रेलवे स्टेशनों पर भी भगदड़ के कारण कई बड़ी दुर्घटना हो चुकी है। 28 सितंबर 2002 को लखनऊ में बसपा की रैली से वापस घर लौटते समय ट्रेन की छत पर चढ़ने से चार लोगों की करंट लगने से मौत हो गई थी। 13 नवंबर 2004 को नई दिल्ली स्टेशन पर छठ पूजा के दौरान बिहार जाने वाले ट्रेन का प्लेटफार्म अचानक बदलने से दूसरे प्लेटफार्म पर जाने के लिए ओवरब्रिज पर मची भगदड़ में चार यात्रियों की मौत हुई थी।

लिव-इन रिलेशनशिप को मान्यता कितनी जायज?

-डॉ. सत्यवान सौरभ-

लिव-इन रिलेशनशिप के मुश्किल से 10% मामले ही शादी तक पहुँच पाते हैं। बाकी 90% मामलों में रिश्ते टूट ही जाते हैं। ठीक उसी तरह, जिस तरह आजकल के नवयुवक प्रेमी-प्रेमिकाएँ जितनी तेजी से प्रोपोज करते हैं उतनी ही तेजी से ब्रेकअप और फिर उतनी ही तेजी से प्रेमी भी बदल लेते हैं। ऐसे प्रेमी-प्रेमिकाओं को लिव-इन रिलेशनशिप जैसी लुभावनी प्रथा सही लगती है। क्योंकि उन्हें एक दूसरे के साथ बिना शादी के पति-पत्नी जैसा रहने का मौका मिल जाता है और पति-पत्नी जैसे रिश्ते का अर्थ आप अच्छी तरह समझते हैं। इसीलिए रिश्ता टूटने के बाद सबसे ज्यादा जीवन बर्बाद लड़कियों का होता है। विशेषकर विवाह के समान भरण-पोषण और उत्तराधिकार के अधिकार प्रदान करना। सहवास में जन्मे बच्चों की कानूनी स्थिति को स्पष्ट करना, विशेष रूप से वैधता और उत्तराधिकार अधिकारों के सम्बंध में। रिश्ता टूटने के बाद अक्सर लड़कियाँ आत्महत्या जैसे कदम उठा लिया करती है...

वैश्वीकरण के प्रभाव और पश्चिमी संस्कृति के संपर्क में आने के कारण अब लिव-इन रिलेशनशिप को अधिक स्वीकार्य माना जाने लगा है। यह सहवास के नैतिक परिणामों तथा विवाह और परिवार के पारंपरिक विचारों पर प्रश्न उठाता है। भारतीय युवाओं की जीवन शैली में तेजी से बदलाव आ रहा है। इसके लिए ये आधुनिक संस्कृति को अपनाने में कोई भी झिझक महसूस नहीं करते और लिव इन रिलेशनशिप आधुनिक संस्कृति की ही एक शैली है। आजकल के युवा लिव इन रिलेशनशिप को वैवाहिक जीवन से बेहतर मानने लगे हैं। आज की पीढ़ी शादी और लिव इन रिलेशनशिप को एक जैसा ही मानती है। इनका मानना है कि शादी में समाज और कानून का हस्तक्षेप होता है किन्तु लिव इन रिलेशनशिप में ऐसा कुछ भी नहीं होता है। बल्कि पूरी आजादी होती है। लेकिन शादी और लिव इन रिलेशनशिप में अंतर है। ये प्रथा जितनी आसान लगती है उतनी ही पेचीदा है। जितने इसके फायदे हैं उससे कहीं ज्यादा नुकसान हैं। इस तरह के सम्बंध प्रायः पश्चिमी देशों में बहुतायत में देखने मिलते हैं। क्योंकि वहाँ की संस्कृति इस प्रथा को सहज ही स्वीकार करती है। वहाँ की लाइफस्टाइल भी कुछ इसी तरह की है। भारत में भी कुछ वर्षों से इस व्यवस्था को सपोर्ट मिला है। जिसके पीछे महानगरों में बसने वाले कुछ लोगों के बदलते सामाजिक विचार, विवाह की समस्या और धर्म से जुड़े मामलों का होना माना जा सकता है। समाज का एक वर्ग इसे भारतीय संस्कृति के लिए सबसे बड़ा खतरा मानता है। तो वहीँ दूसरा वर्ग इसे आधुनिक परंपरा में बदलाव के रूप में देखते हुए स्वतन्त्र जीवन जीने के लिए वरदान मानता है। हर चीज के अपने-अपने फायदे और नुकसान होते हैं।

हाल ही में अधिनियमित उत्तराखंड समान नागरिक संहिता (यूसीसी) ने लिव-इन पार्टनरशिप के लिए व्यापक विनियमों की एक श्रृंखला स्थापित की, जिसका लक्ष्य उन्हें विनियमित करना और उनकी कानूनी मान्यता की गारंटी देना है। लेकिन इनसे काफी चर्चा भी हुई है और सरकारी निगरानी तथा गोपनीयता को लेकर चिंताएँ भी पैदा हुई हैं। पिछले 20 वर्षों में, लिव-इन रिलेशनशिप-जिसमें जोड़े बिना शादी किए एक साथ रहते हैं-भारतीय समाज और कानून में अधिक स्वीकार्य हो गए हैं। अतीत में भारतीय समाज पारंपरिक मूल्यों पर आधारित था और प्रतिबद्ध रिश्ते का एकमात्र स्वीकृत रूप विवाह था। लिव-इन पार्टनरशिप को अक्सर कलंकित माना जाता था तथा समाज द्वारा इसे नकारात्मक दृष्टि से देखा जाता था। हालाँकि, वैश्वीकरण के प्रभाव और पश्चिमी संस्कृति के संपर्क में आने के कारण अब लिव-इन रिलेशनशिप को अधिक स्वीकार्य माना जाने लगा है। जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार (अनुच्छेद एस. खुशबू बनाम) का उपयोग करते हुए, भारतीय अदालतों ने कई फैसलों में लिव-इन रिश्तों को मान्यता दी है। कन्नियाम्मल (2010) के अनुसार, लिव-इन पार्टनरशिप व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार के अंतर्गत आती है। सरमा, इंद्र वि। 3. के. वी.। सरमा (2013): इसने घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम, 2005 (पीडब्ल्यूडीवीए) के तहत विवाह जैसे दिखने वाले लिव-इन रिश्तों को मान्यता दी और उन्हें विभिन्न प्रकारों में वर्गीकृत किया। भारत के मुख्य न्यायाधीश ने रेखांकित किया है कि साथी चुनने और घनिष्ठ सम्बंध स्थापित करने की स्वतंत्रता संविधान के मुक्त भाषण और अभिव्यक्ति पर अनुच्छेद 19 (सी) के अंतर्गत आती है। घरेलू हिंसा के विरुद्ध संरक्षण अधिनियम, 2005 (पीडब्ल्यूडीवीए) अपने दायरे में "विवाह की प्रकृति वाले सम्बंधों" को शामिल करके, लिव-इन सम्बंधों में घरेलू हिंसा का सामना करने वाली महिलाओं को संरक्षण प्रदान करता है।

आस्था की डुबकी से ज्यादा जरुरी है ईश्वर की भक्ति

--संजय गोस्वामी-

आस्था का पागलपन आदमी को किस कदर अमानुषिक बना सकता है की आप अपनों को कष्ट में छोड़ कर डर से महा कुम्भ में पाप धोने महा कुम्भ जा रहे हैं कुंभ की शुरूआत बहुत पुरानी है और यह उस समय से शुरू हुई जब समुद्र मंथन के दौरान अमृत कलश (अमरता का अमृत कलश) बरामद किया गया था, जिसके लिए देवताओं और असुरों के बीच भयंकर युद्ध हुआ था। देवताओं से ज्यादा शक्तिशाली असुरों द्वारा अमृत कलश को जबरन अपने कब्जे में लेने से रोकने के लिए, इसकी सुरक्षा की ज़िम्मेदारी बृहस्पति, सूर्य, चंद्र और शनि देवताओं को सौंपी गई थी। चारों देवता अमृत कलश को असुरों से छिपाने के लिए उसे लेकर भाग गए। देवताओं की साजिश को जानकर, असुरों ने क्रूर रूप धारण कर लिया और अमृत कलश लेकर भाग रहे चारों देवताओं का पीछा किया। यह पीछा 12 दिन और रात तक चला, जिसके दौरान देवता और असुर पृथ्वी के चारों ओर घूमते रहे और इस पीछा के दौरान देवताओं ने हरिद्वार, प्रयाग, उज्जैन और नासिक में अमृत कलश रखा। अमृत कलश को 4 स्थानों पर रखे जाने की इस पवित्र घटना की याद में, हर 12 साल में कुंभ मनाया जाता है। अन्य पौराणिक कथाओं के अनुसार, देवताओं और असुरों के बीच वास्तविक लड़ाई हुई थी, जिसके परिणामस्वरूप अमृत कलश गिर गया था, जिसमें से (अमृत) उपरोक्त 4 स्थानों पर गिरा था। लेकिन यहाँ सवाल है कि आखिर इतने देवताओं कौन थे और इतने देवता थे तो ईश्वर कौन है ईश्वर एक है और संपूर्ण जगत का मालिक है और अच्छे बुरे का ख्याल रखने वाला परमात्मा भगवान श्री राम हैं जिसे स्वामी विवेकानंद ने उस ईश्वर की ध्यान में डुबकर उसकी अनुभूति हुई उन्होंने जो भी कहा वो ईश्वर के द्वारा बताये गए मार्ग पर चलना है जिसे आप अपने अनुसार उनके फोटो से ही उनका दिव्य रूप दिख जाता है जो व्यक्ति कल क्या होगा ऐ नहीं बता सकता वो कैसे कह सकता है कि 144साल बाद ही महाकुम्भ आएगा दरअसल एक कथा के अनुसार इन्द्र ने अंहकारवश वैजयंतीमाला का अपमान किया था, परिणामस्वरूप महालक्ष्मी उनसे रुष्ट हो गईं और उन्हें दर-दर भटकना पड़ा था। देवराज इन्द्र अपने हाथी ऐरावत पर भ्रमण कर रहे थे। मार्ग में उनकी भेंट महर्षि दुवार्सा से हुई। उन्होंने इन्द्र को अपने गले से पुष्पमाला उतारकर भेंटस्वरूप दे दी। इन्द्र ने अभिमानवश उस पुष्पमाला को ऐरावत के गले में डाल दिया और ऐरावत ने उसे गले से उतारकर अपने पैरों तले रौंद डाला। अपने द्वारा दी हुई भेंट का अपमान देखकर महर्षि दुवार्सा को बहुत क्रोध आया। उन्होंने इन्द्र जो देवताओं के प्रमुख थे उन्होंने असुरो को होने का श्राप दे दिया कहा जाता है दुवार्सा मुनि सतयुग, त्रेता एवं द्वापर तीनों युगों में मौजूद थे। पुराणों के अध्ययन से पता चलता है कि वशिष्ठ, अत्रि, विश्वामित्र, दुवार्सा, अश्वत्थामा, राजा बलि, हनुमान, विभीषण, कृपाचार्य, परशुराम, मार्कण्डेय ऋषि, वेद व्यास और जामवन्त आदि कई ऋषि, मुनि और देवता हुए हैं जिनका जिक्र सभी युगों में पाया जाता है। कहते हैं कि ये आज सशरीर जीवित हैं। ऋषि दुवार्सा ने इंद्रदेव को विशेष वर्तनी श्राप दिया था, जिसके कारण असुरों ने देवताओं को इतना कमजोर कर दिया की वे सभी भयभीत होकर ब्रम्हा भगवान के पास गए उन्होंने भगवान विष्णु के पास भेज दिया और भगवान विष्णु ने अमृत पाने का लालच देकर असुरों औ? देवताओं के बीच समुद्र मंथन का सुझाव बताया और समुद्र मंथन हुआ था। जिसमें सबसे पहले हलाहल विष निकला और जिसे भगवान शंकर ने सृष्टि को बचाने के लिए विष को अपने गले में अटका लिया और नीलकंठ भी नाम पड़ा, शास्त्रों के अनुसार ईश्वर एक है और यही गुरू नानकदेवजी ने भी कहा है अतः फिर इतने देवता कहाँ से ईश्वर हो सकते हैं दरअसल भगवान विष्णु और शंकर एक ही हैं जो समय समय पर अपना रूप बदलते हैं जैसा रसायन विज्ञान में आप आइसोटोप का नाम सुना होगा जो एक ही तत्व के कई अलग अलग रूप में होता हैं जैसे कार्बन का आइसोटोप डायमंड और ग्रेफाईट होता है एक विद्युत का चालक है दूसरा नहीं देवताओं का अर्थ है आपको सद्बुद्धि देने वाला और ईश्वर का अर्थ है सही ज्ञान देने बाला अतः सभी ईश्वर के एक ही अंश से बने है और असुरों का अर्थ है गलत शक्ति से किसी का बुरा कर अपने को खुब अच्छा बनाना और लूट मार कर आतंक फैलाना भ्रम में रखना और अपने को ही ईश्वर बताकर लोगों को अज्ञानी बनाकर लूट लेना और ईश्वर आपको सबकुछ आपके सामने रख कर आपकी परीक्षा लेते हैं कि आप विष पिएंगे या अमृत विष का मतलब त्याग से है औ? अमृत का मतलब कभी न मरने वाला पेय पदार्थ है लेकिन मौत इसके बाद भी आती है और जैसा करेंगे वैसा ही भरेंगे। ऐ सुन कर हैरान होता हूँ कि माँ बाप, पत्नी, पति बाल बच्चे को अकेले में मरता हुआ छोड़कर अमृत पाने की लालसा में महाकुम्भ जाकर अपना भला के बारे में सोचते है कैसी घटिया विचारों के लोग हैं जो अपनों से दूर रहकर अपनी भलाई का सोचते हैं आप भी इसपर गौर करें मार्च में जब महाकुम्भ खत्म होगा तो आपको भी मालूम होगा क्या ईश्वर मिला ईश्वर ऐसे नहीं मिलता आपका त्याग व तपस्या ही ईश्वर के पास लाता है जो प्रभु राम हैं उनका स्मरण करते रहें हौसला अवश्य मिलेगा. एक समाचार के अनुसार अपने माता पिता को छोड़ कर ताला लगाकर कुम्भ चला गया और बाद में उनके रोने की आवाज सुनकर पड़ोसी वहां जुट गए।

NCR समाचार

संपादकीय कार्यालय

जी-12/276, संगम विहार, नई दिल्ली-110062. सोमवार से शनिवार

प्रातः 9:00 से सायं 9:00

फोन: 8888883968, 9811111715

आवश्यक सूचना

एनसीआर समाचार के समस्त पाठकों तथा पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षो से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टरजी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृत्व में हो रहा हैं। अतः भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ नये कार्यालय जी 12/276, संगम विहार, नई दिल्ली - 110062, दूरभाष (मोबाईल) 8888883968, 9811111715 से सम्पर्क करें

महाकुंभ के कारण चार राज्यों की 46 ट्रेनें कैंसिल

रेलवे इनके रेक का उपयोग स्पेशल ट्रेनों में कर रहा, मेला खत्म होने में सात दिन बचे

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रयागराज महाकुंभ खत्म होने में अब सिर्फ 7 दिन बचे हैं। 38 दिनों में कुल 55.56 करोड़ श्रद्धालुओं ने डुबकी लगाई है। रेलवे ने महाकुंभ के चलते विभिन्न राज्यों से प्रयागराज जाने वाली 46 ट्रेनें कैंसिल कर दी हैं। राजस्थान से 10, हरियाणा से 4, मप्र होकर जाने वाली 16 और बिहार से जाने वाली 16 ट्रेनें कैंसिल कर दी हैं। इसके अलावा कई ट्रेनों के रूट भी बदले गए हैं। जयपुर, जोधपुर, अजमेर और बीकानेर से चलने वाली 10 ट्रेनें रद्द की गई हैं। एक ट्रेन के रूट में भी बदला है। रेलवे कई ट्रेनों के रेक

का उपयोग महाकुंभ स्पेशल ट्रेनों के संचालन में कर रहा है। इससे उनकी कैंसिलेशन अवधि बढ़ा दी गई है। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी कैप्टन शशि किरण ने बताया- महाकुंभ के दौरान बढ़ती भीड़ को देखते हुए ट्रेनों को कैंसिल किया गया है। इससे जयपुर समेत राजस्थान के अन्य शहरों से प्रयागराज और पूर्वी भारत जाने वाले यात्रियों को परेशानी होगी। रेलवे ने बिहार से चलने वाली 13 ट्रेंनों को कैंसिल कर दिया है। जबकि करीब 9 ट्रेनों का रूट डायवर्ट किया गया है। रेलवे ने ये फैसला तकनीकी कारणों से लिया है। जानकारी के मुताबिक, रेलवे ने कुछ ट्रेनों को प्रयागराज में भारी भीड़ के चलते भी कैंसिल किया है।

हमारे बीच कोई कोल्ड वॉर नहीं, मिलकर कर रहे काम

शिंदे ने अनबन की खबरों को किया खारिज

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के साथ किसी भी तरह के मतभेद की खबरों को खारिज कर दिया है। उन्होंने कहा कि महायुति गठबंधन में सब कुछ ठीक है और उनके बीच किसी भी तरह का कोई कोल्ड वॉर नहीं चल रहा है। इनके बीच अनबन की खबरें तब चर्चा में आई जब शिंदे ने मुख्यमंत्री

रिलीफ फंड के जैसा मेडिकल सेल बना दिया। शिंदे के इस कदम को लेकर विपक्ष ने सवाल उठाए थे। शिंदे ने मंगलवार को कहा कि यह नया सेल किसी कॉम्पिटिशन व्यवस्था के रूप में नहीं बल्कि मुख्यमंत्री के वॉर रूम के साथ मिलकर काम करेगा, ताकि मरीजों को बेहतर सेवाएं मिल सकें। फडणवीस ने भी विवाद को खारिज किया मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने भी मतभेद की खबरों को खारिज कर दिया है। उन्होंने कहा, इस तरह के सेल का गठन कोई गलत बात नहीं है, क्योंकि इसका मकसद लोगों की मदद है।

सीएम भगवंत मान के आवास के बाहर हंगामा

केंद्रीय मंत्री रवनीत बिट्टू के सुरक्षाकर्मियों और चंडीगढ़ पुलिस में तीखी बहस

डिबेट के लिए केंद्रीय मंत्री मान के आवास पहुंचे, सिक्योरिटी ने घुसने नहीं दिया

चंडीगढ़ (एजेंसी)। केंद्रीय राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू को बुधवार को पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान से डिबेट करने के लिए उनके आवास पहुंच गए। सुरक्षा ने उन्हें अंदर जाने नहीं दिया और गेट पर ही रोक लिया। इसे लेकर बिट्टू की सिक्योरिटी और चंडीगढ़ पुलिस के अधिकारियों के बीच हाथापाई और धक्का-मुक्की तक हो गई। चंडीगढ़ पुलिस के अधिकारियों का कहना था कि उनके पास परमीशन नहीं थी इसलिए बिट्टू का काफिला रोक दिया। अधिकारियों ने पायलट गाड़ी के ड्राइवर को जबरन उतारने की कोशिश की। बिट्टू गाड़ी से उतरकर आए तो भी पुलिस अधिकारी सिक्योरिटी अफसर से बहस करते रहे। बिट्टू ने कहा, मैं अकेला यहां आया था। इन्होंने गालियां दीं। अगर मुझे डिटेन करना है तो कर लो। मैं गृह विभाग को शिकायत दूंगा। पूरी घटना का वीडियो भी सामने आया है। जिसमें अधिकारी कह रहे हैं कि आपने रास्ता ब्लॉक कर रखा है। इसके बाद अधिकारियों और ड्राइवर के बीच हाथापाई हुई। पायलट गाड़ी का ड्राइवर पुलिस अधिकारियों से कहता है कि गृह मंत्रालय ने उन्हें (बिट्टू) सिक्योरिटी दे रखी है। हमें कैसे उन्हें अकेला छोड़ सकते हैं। उन्हें कुछ हो गया तो कौन जिम्मेदार होगा। हमें गृह मंत्रालय ने भेजा हुआ है। हम ड्यूटी कर रहे हैं। हमारी ऑल इंडिया ड्यूटी है। इस पर अधिकारी कहते हैं कि आप अपनी ड्यूटी करो और हमें अपनी ड्यूटी करने दो। आप इस तरह रास्ता ब्लॉक नहीं कर सकते। चंडीगढ़ पुलिस के अधिकारी उदयपाल ने कहा कि केंद्रीय मंत्री रवनीत बिट्टू पंजाब सीएम के आवास पर जा रहे थे, जब उससे मिलने की परमीशन को लेकर पूछा गया, तो पता चला कि उनके पास परमीशन नहीं थी।

हरियाणा में बनेगा सबसे बड़ा जंगल सफारी पार्क

गुरुग्राम और नूंह जिले में हो सकता है विकसित, तैयारी पूरी

चंडीगढ़ (एजेंसी)। घूमने-फिरने के साथ-साथ एडवेंचर का शौक रखने वाले पर्यटकों के लिए खुशखबरी आई है। जानकारी के अनुसार, हरियाणा अरावली रेंज में दुनिया का सबसे बड़ा जंगल सफारी पार्क को विकसित किया जाएगा, जिसकी घोषणा राज्य सरकार ने दी है। 10 हजार एकड़ को कवर करने वाली इस योजना का उद्देश्य विश्व स्तर पर सबसे बड़ी परियोजना बनाने का है। अभी तक सबसे बड़ा क्यूरेटेड सफारी पार्क शारजाह में स्थित है, जो करीबन 2 हजार एकड़ में फैला हुआ है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि अरावली पार्क इससे पांच गुना बड़ा होने वाला है। पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए यहां कई आकर्षण भी लगाए जाएंगे। मिडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, ये जंगल सफारी पार्क हरियाणा के गुरुग्राम और नूंह जिले में विकसित किया जा सकता है। अरावली पर्वत श्रृंखला में मौजूद ये सफारी पार्क ना केवल अपने बड़े क्षेत्र

के लिए खास होगा बल्कि अपनी अद्वितीय डिजाइन के लिए भी विशेष रहने वाला है। हरियाणा सरकार स्थानीय लोगों को भी इस प्रोजेक्ट से जोड़ने की प्लानिंग कर रही है। होम-स्टे पुलिस और प्रशासन गांव के समुदायों को संरक्षण का महत्व बताएगा।

आरएसएस-भाजपा को विदेशी एजेंसियों से मिलती है गुप्त सहायता : कांग्रेस

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस पार्टी ने शुक्रवार को दावा किया कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) देश में लोकतंत्र को अस्थिर करने और संवैधानिक संस्थाओं को ध्वस्त करने के लिये विदेशी एजेंसियों से गुप्त सहायता ले रहे हैं और इसके सबूत उसके पास हैं।

पार्टी ने कहा है कि मोदी सरकार अमेरिका की सरकारी एजेंसी यूएसएड द्वारा भारत के चुनावों को प्रभावित करने के लिये धन देने के मामले को लेकर इस समय जो प्रचार कर रही है, वह वास्तव में असली मुद्दों को भटकाने की उसकी कोशिश है, क्योंकि खुद सत्ता पक्ष से जुड़े लोग प्रदेश की एजेंसियों से सहायता लेते रहे हैं।

कांग्रेस संचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने यहां पार्टी मुख्यालय पर संवाददाता सम्मेलन में कहा, कांग्रेस पहले ही भारत में यूएसएड फंडिंग पर श्वेतपत्र की मांग कर चुकी है, यह स्पष्ट कर दें कि हम वैश्विक भागीदारी विकास एजेंसियों, यूएसएड जैसी सहायता तंत्रों को बेईमान नहीं मानते।

श्री खेड़ा ने कहा कि भाजपा ही सबसे पहले 'डीप स्टेट' की कहानी शुरू की और यूएसएड को बदनाम करना शुरू किया था। उन्होंने कहा, हालांकि हमारे पास पर्याप्त सबूत हैं कि आरएसएस-भाजपा भारतीय लोकतंत्र को अस्थिर करने और हमारे संविधान को ध्वस्त करने के लिये विदेशी एजेंसियों से गुप्त सहायता ले रही है। कांग्रेस प्रवक्ता ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पिछली अमेरिका यात्रा का जिक्र करते हुये कहा कि जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने यहां आयातित सामानों पर 'जवाबी शुल्क' लगाने और ब्रिक्स समूह को खत्म करने की बात कर रहे थे तो श्री मोदी मुस्कुरा रहे थे।

भारत-कतर समझौता

व्यापार-निवेश पर बनी बात, पर यहां हो रही दोनों देशों में मुश्किल!

- कतर में कैद 600 भारतीयों के भविष्य पर अभी भी है सस्पेंस
- भारतीय नौसेना अधिकारी पर चल रही सुनवाई, वापसी की मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल-सानी के बीच वार्ता में दोनों देशों के संबंधों को नई ऊंचाई पर ले जाने पर सहमति बनी। दोनों नेताओं ने व्यापार, निवेश, प्रौद्योगिकी, ऊर्जा और लोगों से लोगों के संबंधों पर ध्यान केंद्रित करते हुए भारत-कतर संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक ले जाने का फैसला किया। भारतीय विदेश मंत्रालय ने बताया कि कतर में अभी भी 600 भारतीय बंद हैं। इसके अलावा, एक भारतीय नौसेना के अधिकारी भी कैद में हैं। कतर के अमीर दो

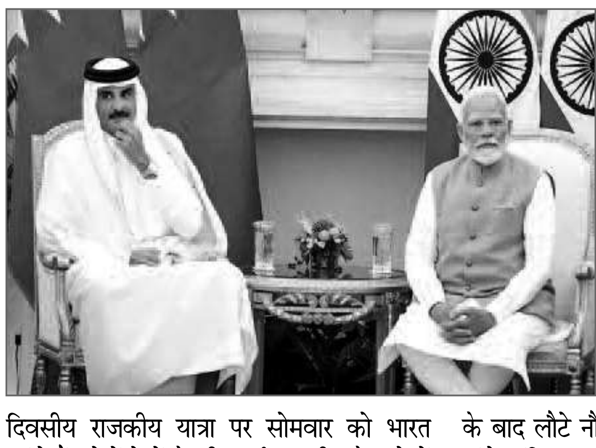

दिवसीय राजकीय यात्रा पर सोमवार को भारत पहुंचे हैं। दोनों देशों के बीच हुई बातचीत के बारे में विदेश मंत्रालय के अधिकारी अरुण कुमार चटर्जी ने बताया कि नौसेना अधिकारी का मामला वहां की स्थानीय अदालतों में लंबित है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने अमीर और उनकी सरकार द्वारा भारतीय नागरिकों के संरक्षण और कल्याण के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। हालांकि विदेश मंत्रालय के सचिव ने सीधे तौर पर ये नहीं बताया कि क्या पीएम मोदी और कतर के अमीर के बीच भारतीय नौसेना के अधिकारी को लेकर कोई बातचीत हुई या नहीं। कैद के बाद लौटे नौसेना अधिकारियों ने खाड़ी देश में फंसे अंतिम भारतीय को वापस लाने की मांग की।

लगाके आग बहारों की बात करते हैं...

- महाकुंभ भगदड़ पर विपक्ष पर बरसे सीएम योगी
- लालू-खरगे से ममता बनर्जी तक, किसी को नहीं छोड़ा

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधानसभा में महाकुंभ 2023 और उससे जुड़ी आलोचनाओं पर अपनी बात रखी। उन्होंने बताया कि 56 करोड़ से ज़्यादा श्रद्धालु कुंभ में आस्था की डुबकी लगा चुके हैं। उन्होंने सनातन धर्म, गंगा, भारत की आस्था और महाकुंभ के खिलाफ फैलाए जा रहे झूठे प्रचार की निंदा की। उन्होंने कहा कि ऐसे झूठे वीडियो और अफवाहें इन 56 करोड़ श्रद्धालुओं की आस्था के साथ खिलवाड़ हैं। योगी ने जोर देकर कहा कि कुंभ किसी पार्टी का नहीं, बल्कि पूरे समाज का आयोजन है, और सरकार सिर्फ एक सेवक की भूमिका में है। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार अपनी जिम्मेदारियों को पूरी तत्परता से निभाएगी। बावजूद इन अफवाहों और दुष्प्रचार के, जनता ने इस आयोजन को सफल बनाया है। मुख्यमंत्री ने 29 जनवरी को हुई

भगदड़ में पीड़ित लोगों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की। साथ ही, सोनभद्र और अलीगढ़ में हुए सड़क हादसों में जान गंवाने वालों के प्रति भी उन्होंने दुःख जताया और कहा कि सरकार पीड़ित परिवारों के साथ खड़ी है। लेकिन, उन्होंने इस पर राजनीति करने पर सवाल उठाए। योगी ने मनोज पांडे का धन्यवाद किया जिन्होंने काहिरा और नेपाल के वीडियो को कुंभ का बताकर फैलाई जा रही अफवाहों का जिक्र किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, जो लोग 29 जनवरी की एक भगदड़ के शिकार हुए थे, उनके प्रति हमारी संवेदनाएं हैं। सोनभद्र, अलीगढ़ जिनका भी जिक्र आपने किया जो सड़क दुर्घटना के शिकार हुए। हमारी संवेदनाएं उनके साथ हैं। सरकार उनके साथ खड़ी है लेकिन इस पर राजनीति करना कितना उचित है। मुख्यमंत्री ने उन लोगों पर कटाक्ष किया जो कुंभ के आयोजन पर सवाल उठा रहे थे। उन्होंने एक कविता के माध्यम से अपनी बात रखी-लगाके आग बहारों की बात करते हैं, जिन्होंने रात में चुन-चुनकर बस्तियों को लूटा, वही नसीबों के मारों की बात करते हैं। उन्होंने कहा कि 56 करोड़ से ज़्यादा श्रद्धालुओं की आस्था का सम्मान किया जाना चाहिए। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि आयोजन किसी पार्टी विशेष का नहीं था। आयोजन समाज का है। सरकार पीछे है। सरकार सेवक के रूप में वहां पर है। इसके लिए हम लोग तत्परता के साथ जिम्मेदारियों का निर्वहन करेंगे। योगी ने जनता द्वारा अफवाहों और दुष्प्रचार को नज़रअंदाज करके कुंभ को सफल बनाने की सराहना की। उन्होंने कहा- अफवाहों और दुष्प्रचार को दरकिनार कर लोगों ने इसे सफलता दिलाई।

सरकारी कर्मचारियों को हेलमेट और सीट बेल्ट अनिवार्य

नोएडा। बाइक या फिर चार पहिया वाहनों से सरकारी दफ्तरों को आने वालों के लिए हेलमेट और सीट बेल्ट अनिवार्य किया गया है। शासन से जारी आदेश पर विभागीय अधिकारियों ने मंगलवार को बैठक करके कर्मियों को इसकी जानकारी दी है।बताया कि यदि वह दोपहिया या चार पहिया वाहन चलाते हैं तो दफ्तर हेलमेट लगाकर और सीट बेल्ट पहनकर ही आएं।

एआरटीओ डॉ. सियाराम वर्मा ने बताया कि शासकीय एवं अर्धशासकीय कार्यालयों के अधिकारी एवं कर्मचारी, जो दोपहिया वाहन से कार्यालय आते हैं, वह हेलमेट अनिवार्य रूप से पहनें। उनके साथ यात्रा करने वाले सहयात्री के लिए भी हेलमेट पहनना आवश्यक होगा। जो अधिकारी/कर्मचारी चार पहिया वाहन से कार्यालय आते हैं, वे वाहन चलाते समय मोबाइल का प्रयोग न करें। सह यात्रियों के लिए भी सीट बेल्ट पहनना अनिवार्य होगा। कार्यालयों के प्रवेश द्वार पर सुरक्षाकर्मी इसको चेक करेंगे।नियमों का पालन न करने पर कार्रवाई के साथ ही कार्यालय से बाहर भेजने की भी कार्रवाई हो सकती है।

भारत को एक और झटका देने की तैयारी में बांग्लादेश!

चीन के साथ करने जा रहा बड़ा समझौता, मार्च से दिखने लगेगा असर

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश के नागरिक अभी तक इलाज के लिए भारत आते थे लेकिन अब इलाज के लिए उनका नया ठिकाना चीन बन सकता है। बांग्लादेशी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, भारत के साथ संबंधों में गिरावट आने के बाद अब बांग्लादेश के नागरिक जल्द ही इलाज करवाने के लिए चीन की तरफ जाना शुरू करेंगे। रिपोर्ट में कहा गया है कि अगर सब कुछ सही रहा तो अगले महीने, यानि मार्च से बांग्लादेशी मरीज इलाज के लिए चीन जाना शुरू कर देंगे। माना जा रहा है कि अगर बांग्लादेश के मरीज इलाज के लिए चीन का रुख करते हैं, तो कोलकाता के अस्पतालों को थोड़ी परेशानी उठानी

पड़ सकती है। शेख हसीना की सरकार गिरने से पहले तक हर महीने बांग्लादेश के करीब 10 हजार मरीज इलाज के लिए कोलकाता आते थे। लेकिन अब बांग्लादेश मरीजों की संख्या में गिरावट आई है। जिसकी वजह से कोलकाता और त्रिपुरा के कई अस्पतालों ने औसतन लगभग 10-15 फीसदी का राजस्व नुकसान दर्ज किया गया है। ढाका स्थित प्रोथोम एलो की रिपोर्ट में कहा गया है कि बांग्लादेश और चीन के बीच चल रही बातचीत के मुताबिक चीन के युन्नान प्रांत के तीन शीर्ष अस्पतालों को बांग्लादेश के मरीजों को भर्ती करने के लिए नामित किया गया है। इनमें युन्नान प्रांत का पहला पीपुल्स अस्पताल, कुनमिंग मेडिकल यूनिवर्सिटी का पहला संबद्ध अस्पताल और चीनी मेडिकल साइंस एकेडमी का फुवाई युन्नान अस्पताल शामिल हैं। बांग्लादेशी मरीजों के लिए चीन की सरकार के साथ उन्हें आसानी से वीजा उपलब्ध करवावे के लिए बातचीत चल रही है। इसके अलावा मरीजों और अस्पताल प्रशासन के बीच बातचीत करने में कोई दिक्कत ना हो, इसके लिए ट्रांसलेटर्स को भर्ती करने के लिए भी काम किए जा रहे हैं। बांग्लादेशी मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि मोहम्मद यूनुस की सरकार ने हाल ही में ढाका में बांग्लादेश-चीन मैत्री अस्पताल स्थापित करने के लिए चीन से संपर्क किया था। जिसके बाद अस्पताल के निर्माण को लेकर चीन ने बांग्लादेश की सरकार से एक विस्तृत प्रस्ताव मांगा है। इसके अलावा, चीन ने पिछले साल जुलाई-अगस्त में हुए विद्रोह में घायल हुए लोगों का इलाज करने और उनके पुनर्वास के लिए विशेष आधुनिक उपकरण उपलब्ध कराने की भी पेशकश की है।

संक्षिप्त समाचार

नीदरलैंड नाइजीरिया को लौटाएगा 100 से अधिक कलाकृतियां

एम्सटर्डम, एजेंसी। यूरोपीय देश नीदरलैंड ने पश्चिमी अफ्रीकी देश नाइजीरिया को 119 कलाकृतियों का संग्रह लौटाने का वादा किया है। बेनिन ब्रॉन्ज़ के नाम से जानी जाने वाली ये कलाकृतियाँ, जो ज़्यादातर लीडेन के एक संग्रहालय में रखी गई हैं। 19वीं सदी के आखिर में ब्रिटिश सैनिकों ने आज के नाइजीरिया से इन कलाकृतियों को लूटा था। नाइजीरिया के राष्ट्रीय संग्रहालय और स्मारक आयोग के अनुरोध पर उन्हें वापस कर दिया जाएगा। कलाकृतियों में मानव और पशु आकृतियां, पट्टिकाएं, शाही चिह्न और एक घंटी शामिल हैं। यह घटनाक्रम इसलिए भी अहम है क्योंकि यूरोप और उत्तरी अमेरिका में सरकारें और संग्रहालय औपनिवेशिक काल के दौरान लूटी गई वस्तुओं के स्वामित्व संबंधी विवादों को सुलझाने के लिए तेजी से प्रयास कर रहे हैं।

ग्रीस में भी सड़कों पर किसान, ट्रैक्टर्स से रोका ट्रैफिक, पुलिस से भिड़ंत

एथेंस, एजेंसी। ग्रीस में भी किसान सड़कों पर हैं। बुधवार को ग्रीस के दूसरे सबसे बड़े शहर थेसालोनिकी में किसानों ने ट्रैक्टर्स से ट्रैफिक को अवरुद्ध कर दिया। बुधवार देर शाम जब ग्रीस के प्रधानमंत्री क्रियाकोस मित्सोताकिस मीडिया से बात कर रहे थे तो किसानों ने वहां जाने की कोशिश की और इस दौरान वे पुलिस से भिड़ गए। हालांकि अभी तक किसी की गिरफ्तारी या किसी के चोटिल होने की खबर नहीं मिली है। एक हजार से ज्यादा प्रदर्शनकारी 50 से ज्यादा ट्रैक्टर्स पर सवार होकर ग्रीस के उत्तरी इलाके से मध्य ग्रीस तक पहुंचे और काले झंडे दिखाए। प्रदर्शनकारियों ने थेसालोनिकी शहर का ट्रैफिक ब्लॉक कर दिया। ग्रीस के किसान बीते कई हफ्तों से प्रदर्शन कर रहे हैं, उनकी मांग है कि जलवायु परिवर्तन के चलते फसलों को हो रहे नुकसान की सरकार भरपाई करे और विभिन्न मुद्दों पर भी किसानों ने समर्थन मांगा है।

पोलियो एस्कॉर्ट की गोली मारकर हत्या

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में बुधवार को पोलियो टीका लगाने वालों की सुरक्षा में तैनात (एस्कॉर्ट) पुलिस अधिकारी की गोली मारकर हत्या कर दी गई। बाइक सवार अज्ञात बंदूकधारियों ने अफगानिस्तान की सीमा से लगे बाजौर जिले के मामुंड तहसील के दमादोला इलाके में पोलियो टीका लगाने वालों को निशाना बनाया। टीका लगाने वालों की सुरक्षा में तैनात पुलिसकर्मी की हत्या कर आरोपी फायरिंग करते हुए मौके से भाग गए। पुलिसकर्मी की मौके पर ही मौत हो गई।

सिंगापुर में मृत्युदंड के विरोध में कार्यकर्ताओं ने जुलूस निकाला

सिंगापुर , एजेंसी। सिंगापुर और मलयेशिया में अधिकार कार्यकर्ताओं ने मृत्युदंड के विरोध में बुधवार को मोमबत्ती जलाकर जुलूस निकाला। वे सिंगापुर में मादक पदार्थों की तस्करी के लिए एक मलयेशियाई व्यक्ति को फांसी देने की तैयारी का विरोध कर रहे हैं। पन्नीर सेल्वम प्रांतमन को 2014 में 52 ग्राम (लगभग 1.8 औंस) हेरोइन रखने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था और 2017 में मौत की सजा सुनाई गई थी। उसे बृहस्पतिवार को फांसी दी जानी है।

ट्रंप स्वतंत्र नियामकों पर अधिक नियंत्रण चाहते हैं, नया कार्यकारी आदेश जारी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप देश के स्वतंत्र नियामकों पर अधिक नियंत्रण चाहते हैं। उन्होंने मंगलवार को जिस कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए हैं, इसका मकसद प्रतिभूति एवं विनिमय आयोग, संघीय व्यापार आयोग और संघीय संचार आयोग जैसे स्वतंत्र संघीय नियामकों का सीधा नियंत्रण व्हाइट हाउस को देना है। आदेश प्रभावी होने के साथ ही राष्ट्रपति को वित्तीय प्रणाली की निगरानी को आकार देने तथा परिवहन सुरक्षा, बुनियादी उपभोक्ता संरक्षण और वायरलेस, प्रसारण, उपग्रह और ब्रॉडबैंड संचार के लिए मानदंड निर्धारित करने की अधिक शक्तियां मिल जाएंगी।

मोदी को हराना चाहते थे बाइडेन, इसलिए दे रहे थे करोड़ों का फंड; डोनाल्ड ट्रंप ने लगाए गंभीर आरोप

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में एक फैसला लिया। इसमें उन्होंने भारत को मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए मिलने वाले 2.1 करोड़ डॉलर फंड को रद्द कर दिया। उनके इस फैसले को लेकर तरह-तरह की चर्चा हो रही है। इस बीच बुधवार रात सऊदी अरब सरकार के एफआईआई प्रायोरिटी समिट को संबोधित करते हुए ट्रंप ने अपने इस फैसले का बचाव किया। साथ ही उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन की सरकार पर भारत में चुनावी हस्तक्षेप का आरोप भी लगाया। ट्रंप ने कहा, हमें भारत में वोटर टर्नआउट के लिए 21 मिलियन डॉलर खर्च करने की जरूरत क्यों है? मुझे लगता है कि जो बाइडेन किसी और को चुनाव में जिताना चाहते थे। हमें भारत सरकार को यह बताना होगा। यह एक बड़ा मामला है। इससे पहले मंगलवार को भी उन्होंने इस मामले पर सफाई दी थी। डोनाल्ड ट्रंप का कहना था कि आज के समय में भारत खुद सक्षम हैं। भारत के पास पैसे की कमी नहीं है।

तानाशाह है जेलेंस्की, बात मान लो नहीं तो देश भी नहीं बचेगा; ट्रंप की खुली धमकी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की के बीच जुबानी जंग और तेज हो गई है। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर जेलेंस्की को तानाशाह कहा है। ट्रंप ने जेलेंस्की पर ही रूस-यूक्रेन युद्ध को भड़काने का आरोप लगा दिया। इतना ही नहीं, पहली बार ट्रंप ने खुलेआम यूक्रेनी राष्ट्रपति के लिए तीखे शब्दों का इस्तेमाल करते हुए उन्हें एक मामूली कॉमेडियन करार दिया।

ट्रंप ने जेलेंस्की पर लगाए गंभीर आरोप : ट्रंप ने अपनी पोस्ट में लिखा, जरा सोचिए, एक मामूली रूप से सफल कॉमेडियन वोलोदिमिर जेलेंस्की ने अमेरिका से 350 अरब डॉलर खर्च करवा दिए, वो भी एक ऐसे युद्ध में जो कभी नहीं होना चाहिए था और जिसे जीता नहीं जा सकता। अगर अमेरिका और ट्रंप न होते, तो जेलेंस्की कभी इसे सुलझा नहीं पाएंगे। अमेरिका ने यूरोप से 200 अरब डॉलर अधिक खर्च किए हैं, लेकिन हमें कुछ नहीं मिलने वाला है। उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन पर निशाना साधते हुए कहा कि वे सोते रहे और उन्होंने यूरोप से पैसों के खर्च को लेकर बराबरी की बात नहीं की। ट्रंप ने कहा, यह युद्ध यूरोप के लिए हमसे कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण है, हमारे पास एक बड़ा, सुंदर महासागर है जो हमें (रूस से) अलग करता है। ट्रंप ने यह भी दावा किया कि जेलेंस्की ने खुद माना है कि अमेरिका से मिली आर्थिक मदद का आधा हिस्सा गायब हो गया है। उन्होंने जेलेंस्की पर चुनाव न कराने का आरोप भी लगाया और कहा कि वह यूक्रेन में बेहद अलोकप्रिय हो गए हैं। ट्रंप ने लिखा, उन्होंने चुनाव कराने से मना कर दिया, यूक्रेनी पोल में उनका प्रदर्शन बहुत कम रहा, और एकमात्र चीज जिसमें वे अच्छे थे, वह- बाइडन को बाजे की तरह बजाना। जेलेंस्की एक तानाशाह हैं जो चुनाव कराने से इनकार कर रहे हैं। उन्हें जल्द कदम उठाने होंगे, वरना उनके पास देश ही नहीं बचेगा।

ट्रंप ने आगे लिखा, इस बीच, हम रूस के साथ युद्ध को समाप्त करने के लिए सफलतापूर्वक बातचीत कर रहे हैं। यह कुछ ऐसा है जिसे सभी मानते हैं कि केवल ट्रंप और ट्रंप प्रशासन ही कर सकता है। बाइडन ने कभी प्रयास नहीं किया, यूरोप शांति लाने में विफल रहा है, और जेलेंस्की शायद बिना कुछ किए पैसे कमाना जारी रखना चाहते हैं। मैं यूक्रेन से प्यार करता हूं, लेकिन जेलेंस्की ने बहुत बुरा काम किया है, उनका देश बिखर गया है, और लाखों लोग बेवजह मारे गए हैं - और यह जारी है।

जेलेंस्की ने किया ट्रंप के दावों का खंडन : इससे पहले कीव में पत्रकारों से बात करते हुए जेलेंस्की ने ट्रंप की बातों को खारिज कर दिया और कहा कि वह गलत जानकारी के प्रभाव में हैं। उन्होंने कहा, दुर्भाग्य से, राष्ट्रपति ट्रंप रूसी दुष्प्रचार के प्रभाव में हैं। अमेरिकी जनता ने हमेशा हमारा समर्थन किया है और हम इसकी सराहना करते हैं। लेकिन युद्ध को खत्म करने के लिए यूक्रेन की भागीदारी जरूरी है।

रूस को लेकर ट्रंप के नरम रुख पर सवाल : ट्रंप पहले भी रूस-यूक्रेन युद्ध को लेकर विवादित बयान दे चुके हैं। उन्होंने यह भी कहा था कि यह युद्ध जल्द से जल्द खत्म होना चाहिए, भले ही इसके लिए यूक्रेन को अपनी जमीन से समझौता क्यों न करना पड़े। ट्रंप की इस स्थिति से कीव और उसके पश्चिमी सहयोगी चिंतित हैं। ट्रंप के हालिया रुख से अमेरिका और उसके सहयोगी देशों में चिंता बढ़ गई है, क्योंकि उन्होंने यह भी कहा कि यूक्रेन कभी भी रूस का हिस्सा बन सकता है।

तिब्बती कार्यकर्ता ने सुनाई आपबीती, कहा- चीन में विरोध प्रदर्शन करने पर मिलती हैं क्रूर यातनाएं

जिनेवा, एजेंसी। मानवाधिकार और लोकतंत्र के लिए 17वें जिनेवा शिखर सम्मेलन-2025 में वक्ताओं ने चीन, रूस, सऊदी अरब, बेलारूस, हांगकांग, वियतनाम और ईरान में

मोषवाधिकारों के उल्लंघन पर प्रकाश डालो। चीनी अत्याचारों को लेकर तिब्बती कार्यकर्ता व पूर्व राजनीतिक कैदी नामकी ने उसे सताए जाने के भयावह अनुभवों का जिक्र भी किया। उन्हें चीन में कैद के दौरान भयानक यातनाएं झेलना पड़ीं। यह सम्मेलन सेंटर इंटरनेशनल डी कॉन्फ्रेंस जिनेवा (सीआईसीजी) में चल रहा है। केंद्रीय तिब्बत प्रशासन (सीटीए) की एक रिपोर्ट के अनुसार, नामकी ने चीनी सरकार द्वारा सताए जाने के अपने दर्दनाक अनुभवों को बताते हुए कहा, 21 अक्तूबर, 2015 को जब वह और उनके चचेरे भाई तेनजिन डोलमा ने नगाबा काउंटी के शहीद चौक पर विरोध प्रदर्शन किया तब 10 मिनट बाद ही पुलिस अफसरों का समूह हम पर टूट पड़ा। उन्होंने जबरदस्ती हमारे हाथों से पोस्टर-बैनर छीन लिए और हमें हथकड़ी लगाकर आवाजें दबा दीं। हम तिब्बत में वापसी व उसकी आजादी का आह्वान कर र रहे थे। इसके बाद भयानक यातनाओं का दौर शुरू हुआ।

तेज गर्मी के बीच नींद न लेने को मजबूर किया : सीटीए रिपोर्ट से पता चला कि दोनों को शुरुआत में नगाबा काउंटी हिरासत केंद्र में रखने के बाद आधी रात को बरखम हिरासत केंद्र में ले जाया गया। नामकी को कैद के दौरान 150 डिग्री तापमान की तेज गर्मी का जोखिम उठाना पड़ा, उसे नींद नहीं लेने दी गई। पुरुष अधिकारियों ने उसे मारा, लात मारी और थप्पड़ मारे और उस पर मनोवैज्ञानिक दबाव भी बनाया। उन्हें नस्ली भेदभाव के बीच अनिवार्य सैन्य प्रशिक्षण देकर चीनी कानूनों और देशभक्ति शिक्षा का अध्ययन करने के लिए मजबूर किया गया। रिहा होने के बाद भी मुझे परेशान किया। ताइपे। तिब्बत के लिए एकजुटता दिखाने के मकसद से मुक्त तिब्बत के लिए साइकिलिंग अभियान के तीसरे दौर के लिए कार्यकर्ता एक साथ आए। मानवाधिकारों के हनन की ओर ध्यान आकर्षित करने के लिए तिब्बत-ताइवान मानवाधिकार गठबंधन ने एक कार्यक्रम में साइकल सवारी कर तिब्बती आजादी के लिए रैली निकाली।

1,000 फुट लंबा ऐतिहासिक जहाज फिलाडेल्फिया से रवाना, दुनिया की सबसे बड़ी कृत्रिम चट्टान बनने की यात्रा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में 1,000 फुट लंबा जहाज- एसएस यूनाइटेड स्टेट्स बुधवार को दक्षिण फिलाडेल्फिया के डेलावेयर नदी तट से रवाना हुआ। यह इसकी अंतिम यात्रा का पहला चरण है। इस ऐतिहासिक और पुराने समुद्री जहाज को आने वाले दिनों में फ्लोरिडा का एक काउंटी दुनिया की सबसे बड़ी कृत्रिम चट्टान में बदलेगा। इस जहाज ने 1952 में अपनी पहली यात्रा में ट्रान्साटलांटिक गति का रिकार्ड तोड़ दिया था। जहाज की देखरेख करने वाली संस्था और उसके मकान मालिक के बीच सालों पुराने किराए का विवाद सुलझने के बाद अब इसे नष्ट करने की तैयारी की जा रही है। फ्लोरिडा में ओकालोसा काउंटी के अधिकारियों के मुताबिक जहाज को खरीदने का सौदा लगभग 10 मिलियन अमरीकी डॉलर में पूरा होगा। जहाज़ की सफ़ाई, परिवहन और उसे डुबोने की लंबी प्रक्रिया में कम से कम डेढ़ साल लगने की उम्मीद है। एसएस यूनाइटेड स्टेट्स को कभी अमेरिकी इंजीनियरिंग का प्रतीक माना जाता था। इसे हजारों सैनिकों को ले जाने वाले सैन्य जहाज के रूप में भी जाना जाता था। ओकालोसा काउंटी के अधिकारियों के मुताबिक एसएस यूनाइटेड स्टेट्स जहाज काउंटी की 500 से अधिक कृत्रिम चट्टानों के बीच एक बार्नकल-जड़ित आकर्षण का केंद्र बन जाएगा।

अमेरिका में ठंड का कहर, तूफान के चलते कई इलाकों में भारी बर्फबारी, 5600 से ज्यादा हवाई सेवाएं प्रभावित

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के कई इलाकों में ठंड का कहर जारी है। बुधवार को उत्तरी कैरोलिना और वर्जीनिया के कुछ हिस्सों में तूफान आया, जिसकी वजह से भारी बर्फबारी हुई। बर्फबारी के चलते सड़कों पर सैंकड़ों दुर्घटनाएं रिपोर्ट हुईं। फिलहाल अधिकारियों ने हालात को देखते हुए लोगों को घरों के भीतर ही रहने की सलाह दी है। अमेरिका के टेनेसी और ओहायो में पहले से ही ठंड का कहर जारी है। गौरतलब है कि टेनेसी और ओहायो पहले ही बाढ़ की समस्या से जूझ रहे हैं, अब ठंड ने लोगों की परेशानी को कई गुना बढ़ा दिया है।

हजारों हवाई सेवाएं प्रभावित : अमेरिका के राष्ट्रीय मौसम सेवा विभाग ने आशंका जताई है कि गुरुवार को वर्जीनिया से अटलांटिक तट तक 25 सेंटीमीटर तक बर्फबारी होने की आशंका है। पूर्वी उत्तरी कैरोलिना में भी भारी बर्फबारी का अनुमान है। वर्जीनिया के हैंप्टन रोड्स क्षेत्र और उत्तर पूर्वी कैरोलिना में प्रति घंटे पांच सेंटीमीटर तक बर्फबारी हुई है। गुरुवार सुबह और भारी बर्फबारी की आशंका है। वर्जीनिया स्टेट पुलिस ने बताया कि बुधवार दोपहर तक 275 दुर्घटनाएं हुई हैं, जिनमें कम से कम दो दर्जन लोग घायल हुए हैं। दुर्घटनाओं के चलते उत्तरी कैरोलिना में भी कुछ हिस्से बंद कर दिए गए हैं। फ्लाइट-ट्रैकिंग साइट फ्लाइटअवेयर डॉट कॉम के अनुसार, पूरे अमेरिका में लगभग 5,600 उड़ानें रद्द या उनमें देरी हुई। इनमें उत्तरी कैरोलिना के चार्लोट डगलस अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से आने-जाने वाली 400 से अधिक उड़ानें शामिल हैं।

वर्जीनिया में तूफान के बाद आपातकाल के हालात : दूसरी ओर, ध्रुवीय भंवर ने मोंटाना से दक्षिणी टेक्सास तक के तापमान में भारी गिरावट ला दी। गौरतलब है कि कई ऐसे इलाकों में बर्फबारी हुई है, जहां आमतौर पर सर्दियों के मौसम में बर्फ नहीं पड़ती। ऐसे में लोगों ने इस पर हैरानी भी जताई है। बर्फबारी वाले इलाकों में स्कूल-कॉलेज बंद कर दिए गए हैं।

वर्जीनिया में पिछले सप्ताह आए तूफान के बाद से ही आपातकाल की स्थिति बनी हुई है। नेशनल गार्ड और राज्य एजेंसियों को स्थानीय सरकारों की मदद करने के लिए तैनात किया गया है। लोगों को घरों के भीतर ही रहने की सलाह दी जा रही है। पूर्वी अमेरिका में पिछले हफ्ते के अंत में आए तूफानों ने कम से कम 19 लोगों की जान ले ली, जिनमें केंटकी में 14 लोग शामिल हैं। दक्षिणी वेस्ट वर्जीनिया में, सप्ताहांत की बाढ़ ने मैकडॉवेल काउंटी में तीन लोगों की जान ले ली।

लंदन हाईकोर्ट से माल्या को बड़ा झटका, सुनवाई स्थगित करने की अपील खारिज

लंदन, एजेंसी। भगोड़े शराब कारोबारी विजय माल्या की इंग्लैंड की एक अदालत की ओर से जारी दिवालिया आदेश के खिलाफ दायर अपील पर इंग्लैंड की हाईकोर्ट से झटका लगा है। इंग्लैंड एंड वेल्स हाईकोर्ट के चेंचरी डिविजन के अपीलीय जज जस्टिस एंथनी मान ने माल्या की ओर से सुनवाई स्थगित करने का आवेदन ठुकरा दिया। माल्या खुद सुनवाई के लिए मौजूद नहीं थे, उनके वकीलों ने सुनवाई स्थगित करने का अनुरोध किया था।

जस्टिस एंथनी ने भारत में मनी लॉन्ड्रिंग और बैंक फ्रॉड के मामलों में वांछित 69 वर्षीय शराब कारोबारी से जुड़ी कई अपीलों को सुनने का फैसला किया। इनमें से वह अपील भी शामिल हैं जिनमें भारतीय स्टेट बैंक के नेतृत्व में बैंकों के समूह ने विजय माल्या की बंद हो चुकी एयरलाइन कंपनी किंगफिशर पर 1.05 अरब पाउंड के भुगतान की मांग की गई है।

जस्टिस एंथनी ने कहा, मुझे भारतीय सुनवाई के परिणाम तक कार्यवाही लंबित रखने का कोई कारण नहीं दिखता। अपील का महत्वपूर्ण समय पहले भी बर्बाद हो चुका है। उन्होंने मामले में माल्या की ओर नए सबूत पेश करने के अनुरोध को भी खारिज कर दिया। इन सबूतों में संसद में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन का वह बयान भी शामिल है कि माल्या की संपत्तियों से सरकारी बैंकों को 14131 करोड़ रुपये मिल चुके हैं।

सुनवाई में दिवालियापन कार्यवाही के खिलाफ की गई अपीलों पर हुई चर्चा : जस्टिस मान मुख्य दिवाला और कंपनी न्यायालय के न्यायाधीश माइकल ब्रिग्स के एक फैसले से संबंधित अपीलों की सुनवाई कर रहे हैं, जो लगभग छह साल पहले माल्या के खिलाफ बैंकों द्वारा शुरू की गई दिवालियापन कार्यवाही के संदर्भ में दिया गया था। सुनवाई में मुख्यतः दिवालियापन कार्यवाही के खिलाफ की गई अपीलों पर चर्चा की गई। माल्या का तर्क था कि भारतीय कानून के एक सिद्धांत के कारण बैंकों को उनकी संपत्तियों पर सुरक्षा रखने से रोका गया।

ब्रिटेन में जमानत पर हैं विजय माल्या : इस सप्ताह की सुनवाई के दौरान दो और अपीलों पर भी चर्चा होगी। इस बीच, माल्या ब्रिटेन में जमानत पर हैं, जबकि उनका एक गोपनीय कानूनी मामला चल रहा है, जो शरण आवेदन से संबंधित है। माल्या यह तर्क करते रहे हैं कि भारतीय बैंक उनके खिलाफ एक ही ऋण का पीछा कर रहे हैं। भारतीय स्टेट बैंक और अन्य बैंकों का मामला मई 2018 से चल रहा है, जिसके बाद कई सुनवाई हुईं और अंततः 26 जुलाई, 2021 को माल्या के खिलाफ दिवालियापन आदेश जारी किया गया।

हमास आज 4 इजराइली बंधकों के शव लौटाएगा

गाजा, एजेंसी। फिलिस्तीन का उग्रवादी संगठन हमास आज यानी गुरुवार को 4 इजराइली बंधकों के शव लौटाएगा। इनमें शिरी बिबास और उनके 2 बच्चे एरियल बिबास और केफिर बिबास शामिल हैं। चौथा शव ओडेड लाइफशिट्ज नाम के बंधक का है। 7 अक्टूबर 2023 को जब हमास ने इन्हें बंधक बनाया था, तब एरियल की उम्र 4 साल और केफिर की उम्र 9 महीने थे। इन बच्चों के पिता यार्डेन को इस महीने की शुरुआत में रिहा किया गया था।

इसके अलावा हमास शनिवार को 6 बंधकों को रिहा करेगा। यह पहले से तय संख्या से डबल है। शनिवार को रिहा होने वाले बंधकों के बदले इजराइल अक्टूबर 2023 से गिरफ्तार सभी महिलाओं और 19 साल से कम उम्र के फिलिस्तीनी लोगों को रिहा कर देगा। इसके साथ ही मिस्र बॉर्डर के जरिए गाजा में मलबा हटाने वाली मशीनें ले जाने की परमिशन देगा।

केफिर हमास की कैद में सबसे कम उम्र का बंधक था : केफिर को जब बंधक बनाया गया उस वक्त उसकी उम्र सिर्फ 9 महीने थी। तब वह हमास के कब्जे में सबसे कम उम्र का बंधक था। हमास ने नवंबर 2023 में दावा किया था कि शिरी और उनके दोनों बच्चों की इजराइली बमबारी में मौत हो चुकी है। हमास ने तब एक वीडियो भी जारी किया था जिसमें यार्डेन बिबास अपने परिजनों की मौत का जिम्मेदार इजराइली पीएम नेतन्याहू को बता रहे थे। हालांकि, इजराइल ने कभी भी हमास के इस दावे को

नहीं माना। एक इजराइली अधिकारी ने रॉयटर्स को बताया कि मृतक बंधकों का नाम घोषित करने से पहले इजराइल में उनकी पहचान की जाएगी।

अब तक 6 बार हो चुकी बंधकों की अदला बदली : इजराइल और हमास में 19 जनवरी को बंधकों की रिहाई को लेकर सीजफायर हुआ था, जिसमें 3 फेज में बंधकों की रिहाई होना है। पहले चरण के तहत 33 इजराइली बंधकों को रिहा किया जाना है। इसमें से 19 बंधकों को अब तक 1100 से ज्यादा फिलिस्तीनी कैदियों के बदले रिहा किया जा चुका है। इजराइल का कहना है कि शेष 14 में से आठ की मौत हो चुकी है। पिछले महीने लागू हुए सीजफायर डील के तहत बंधकों और फिलिस्तीनी कैदियों की छह बार अदला-बदली हो चुकी है।

पनामा के होटल में फंसे 300 लोगों में सबसे ज्यादा भारत-नेपाल जैसे देशों के; खिड़की से मांग रहे मदद

पनामा सिटी, एजेंसी। अमेरिका से निर्वासन और घर न पहुंच पाने की अनिश्चितता के साथ-साथ तमाम दिक्कतों से जूझ रहे 300 लोग पनामा के एक होटल में फंसे हुए हैं। इन 300 लोगों में सबसे ज्यादा भारतीय और नेपाल, श्रीलंका, पाकिस्तान, अफगानिस्तान और चीन नागरिक हैं। ये सभी वहां तब तक रहेंगे, जब तक उनकी वापसी की व्यवस्था नहीं हो जाती, इसके साथ ही उन्हें होटल से बाहर जाने की अनुमति नहीं मिली है। अधिकारियों के अनुसार, 40त्न से ज्यादा प्रवासी अपने देश लौटने के लिए तैयार नहीं हैं। होटल में बंद सभी प्रवासियों की हालत काफी दयनीय है, इसका पता इससे चलता है कि होटल में फंसे लोग खिड़कियों पर संदेश लिखकर मदद की गुहार लगा रहे हैं। पनामा के होटल से कई तस्वीरें सामने आई है, जिसमें लोग हाथों में सादे कागज पर- मदद करें और हम अपने देश में सुरक्षित नहीं हैं, लिख कर खड़े हैं।

इन 10 एशियाई देशों के हैं 300 प्रवासी : जानकारी के मुताबिक, सभी प्रवासी 10 एशियाई देशों से आए हैं, जिसमें ईरान, भारत, नेपाल, श्रीलंका, पाकिस्तान, अफगानिस्तान और चीन के लोग शामिल हैं। अमेरिका के लिए इन देशों में सीधा निर्वासन करना मुश्किल है, इसलिए पनामा को एक ठहराव के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है।

प्रवासियों को दी जा रही बुनियादी सुविधाएं : इधर पनामा के सुरक्षा मंत्री फ्रैंक एब्रेगो ने दावा किया है कि, सभी प्रवासियों चिकित्सा सुविधा और खाना मिल रहा है। यह पूरी व्यवस्था अमेरिका और पनामा के बीच हुए एक समझौते के तहत हो रही है। अमेरिका इस पूरे ऑपरेशन का खर्च उठा रहा है। वहीं पनामा

के राष्ट्रपति जोसे राउल मुलिनो, जो ट्रंप की पनामा नहर पर नियंत्रण को लेकर दी गई धमकियों के कारण राजनीतिक दबाव में हैं, ने पिछले गुरुवार को पहली डिपोर्टेशन फ्लाइट के आने की घोषणा की थी।

अपने देशों को लौटने के लिए तैयार प्रवासी : रिपोर्ट के मुताबिक, अब तक 300 लोगों में से 171 प्रवासी अंतरराष्ट्रीय संगठनों की मदद से अपने-अपने देशों को लौटने के लिए तैयार हो गए हैं। संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी एजेंसी (यूएनएचआरसी) और अंतरराष्ट्रीय प्रवासन संगठन (आईओएम) बाकी 128 लोगों के लिए विकल्प की तलाश कर रहे हैं, ताकि वे किसी तीसरे देश में बस सकें। वहीं जो प्रवासी अपने देश वापस जाने के लिए तैयार नहीं हैं, उन्हें पनामा के दारिएन प्रांत के एक विशेष केंद्र में रखा जाएगा।

महंगे बाजारों में शुरू हुआ भारतीय फलों का निर्यात

नई दिल्ली, एजेंसी। मोदी सरकार के सपोर्ट के कारण भारत के फलों को पहली बार पश्चिम के अधिक फायदा देने वाले बाजार मिले हैं, जिससे किसानों की आय बढ़ाने में मदद मिली है।

कृषि मंत्रालय के वरिष्ठ मंत्रालय अधिकारी ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से कहा, 'महंगे फलों से लेकर पारंपरिक खाद्य पदार्थों तक की यह पहली खेप इस बात पर प्रकाश डालती है कि कैसे आत्मनिर्भर भारत के लिए मोदी सरकार का दृष्टिकोण भारतीय किसानों के लिए नए अवसर पैदा कर रहा है।'

उन्होंने बताया कि कृषि निर्यात के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि यह है कि भारत ने समुद्र के रास्ते ऑस्ट्रेलिया में प्रीमियम सांगोला और भगवा अनार की पहली खेप सफलतापूर्वक भेजी है। यह कम परिवहन लागत पर थोक निर्यात को बढ़ावा देगी और ऑस्ट्रेलिया के बाजारों में भारत के ताजे फल आसानी से पहुंच सकेंगे, जिससे अधिक भारतीय उपज के लिए वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में प्रवेश करने का मार्ग खुलेगा।

भारतीय अनार पश्चिमी ग्राहकों के बीच सफल साबित हुआ है। देश ने 2023 में अमेरिकी बाजार में हवाई मार्ग से ताजा अनार की पहली परीक्षण खेप निर्यात की थी। इससे देश की कृषि उपज को वहां बाजारों में अपनी जगह बनाने में सफलता मिली। महाराष्ट्र के भगवा अनार में पर्याप्त निर्यात क्षमता है और इसका लगभग 50 प्रतिशत निर्यात राज्य के सोलापुर जिले से होता है।

आधिकारियों ने बताया कि जीआई टैगिंग ने भारतीय फलों को विदेशी बाजार में अपनी जगह बनाने में एक अहम भूमिका निभाई है।

भारत के अनोखे जीआई-टैग वाले पुरंदर अंजीर अब यूरोप में अपनी अलग पहचान बना चुके हैं। 2024 में मोदी सरकार ने पुरंदर अंजीर से बने भारत के पहले रेडी-टू-ड्रिंक अंजीर जूस को पोलैंड को निर्यात करने की सुविधा शुरू की थी। इससे पहले 2022 में इसे जर्मनी को भी निर्यात किया गया था। पुरंदर अंजीर अपने अनोखे स्वाद और बनावट के लिए जाने जाते हैं। यह पहल वैश्विक स्तर पर भारत के अनोखे कृषि-उत्पादों को बढ़ावा देने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

2022 में भारत ने केरल के एनार्कुलम के वजाकुलम से यूएई के दुबई और शारजाह के लिए जीआई टैग वाले ह्लवजाकुलम अनानासह्व की पहली खेप को भी हरी झंडी दिखाई थी। इससे अनानास किसानों को बेहतर आय मिली।

फलों के अलावा भारत की ओर से अनाजों के निर्यात पर खास फोकस किया जा रहा है। भारत का चावल निर्यात सालाना आधार पर 44.61 प्रतिशत बढ़कर 1.37 अरब डॉलर हो गया है, जो कि जनवरी 2024 में 0.95 अरब डॉलर था।

काइनेटिक ग्रुप की इलेक्ट्रिक वाहन बैटरी विनिर्माण क्षेत्र में दस्तक

मुंबई, एजेंसी। वाहन कलपुर्जा विनिमार्ता काइनेटिक ग्रुप ने शुक्रवार को महाराष्ट्र के अहमदनगर में 50 करोड़ रुपये के निवेश से बैटरी उत्पादन संयंत्र स्थापित करने के साथ ईवी बैटरी विनिर्माण क्षेत्र में प्रवेश की घोषणा की।

पुणे की कंपनी ने कहा कि यह सुविधा दोपहिया और तिपहिया इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) के लिए 60,000 रेंज-एक्स ब्रांड की बैटरी का उत्पादन करेगी।

इसमें कहा गया है कि इस संयंत्र में एलएफपी (लिथियम-आयन फॉस्फेट) और एनएमसी (निकल मैंगनीज, कोबाल्ट), दोनों प्रकार की बैटरियां बनाई जाएंगी।

इसके अलावा, काइनेटिक ग्रुप ने कहा कि वह इन बैटरियों को घरेलू खपत के अलावा ओईएम (मूल उपकरण विनिमार्ताओं) को भी आपूर्ति करने की योजना बना रहा है।

इसके अलावा, यह सुविधा तिपहिया वाहनों के लिए प्रिज्मीय सेल विकसित कर रही है।

काइनेटिक ग्रुप के वाइस चेयरमैन और प्रबंध निदेशक आजिंक्य फिरोदिया ने कहा, 'रेंज-एक्स, बैटरी के क्षेत्र में अग्रणी कार्य का परिणाम है और भारत की यातायात परिवर्तन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। अहमदनगर संयंत्र बैटरी प्रौद्योगिकी में आत्मनिर्भरता, सुरक्षा और स्थिरता का प्रमाण है।'

उन्होंने कहा कि स्वचालन और स्मार्ट प्रौद्योगिकी को एकीकृत कर-के, यह सुविधा विश्वसनीय, कुशल और स्वच्छ ऊर्जा समाधान सुनिश्चित करती है।

दक्षिण कोरिया ने ट्रंप प्रशासन से उसे अपनी जवाबी शुल्क लगाने की योजना से बाहर रखने का किया अनुरोध

सियोल, एजेंसी। दक्षिण कोरिया ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन से व्यापार साझेदारों पर जवाबी शुल्क लगाने की अमेरिकी योजना से उनके देश को बाहर रखने का अनुरोध किया है। दक्षिण कोरिया की सरकार ने शुक्रवार को बयान में कहा, उप व्यापार मंत्री पार्क जोंग-वोन ने इस सप्ताह व्हाइट हाउस में वाणिज्य मंत्रालय और अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय के अधिकारियों के साथ बैठक के लिए वाशिंगटन की यात्रा के दौरान यह अनुरोध किया।

हालांकि, दक्षिण कोरिया के व्यापार मंत्रालय ने अमेरिका का इस अनुरोध पर क्या रुख रहा और पार्क की मुलाकात किन अधिकारियों से हुई इस बारे कोई जानकारी साझा नहीं की।

मंत्रालय के अनुसार, पार्क ने इस दौरान दक्षिण कोरियाई कंपनियों के बड़े पैमाने पर व्यापार निवेश के जरिये अमेरिकी अर्थव्यवस्था में योगदान का उल्लेख किया।

उन्होंने कहा कि देश पहले से ही अमेरिका जैसे मुक्त व्यापार भागीदारों पर कम शुल्क लगा रहा है। उन्होंने दक्षिण कोरिया को व्यापार भागीदारों पर जवाबी शुल्क लगाने और आयातित इस्पात तथा एल्यूमीनियम पर शुल्क बढ़ाने की अमेरिकी योजनाओं से बाहर रखने का अनुरोध किया।

गौरतलब है कि दक्षिण कोरिया के शीर्ष आर्थिक शोध संस्थान ने इस महीने देश की अर्थव्यवस्था के लिए अपने वृद्धि अनुमान में कटौती की थी। इसमें अमेरिकी प्रशासन के शुल्क बढ़ाने और वैश्विक व्यापार को पुनः पटरी पर लाने के उद्देश्य से उठाए गए अन्य उपायों के प्रभाव को लकर भी चिंता व्यक्त की गई थी।

कोरिया डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट (केडीआई) ने अपने नवीतनम अनुमान में कहा कि 2025 में दक्षिण कोरिया की अर्थव्यवस्था 1.6 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी। यह नवंबर में घोषित उसके पिछले अनुमान से 0.4 प्रतिशत कम है।

उद्योग को इस्पात आयात पर लगाम लगाने के लिए सरकार की कार्रवाई का इंतजार: टाटा स्टील

नई दिल्ली, एजेंसी। टाटा स्टील के सीईओ टी वी नरेंद्रन ने शुक्रवार को कहा कि उद्योग को इस्पात आयात पर लगाम लगाने के लिए सरकार की कार्रवाई का इंतजार है, क्योंकि इससे घरेलू कंपनियां प्रभावित हो रही हैं। उन्होंने यह चेतावनी भी दी कि बढ़ते आयात की मौजूदा स्थिति के कारण इस्पात क्षेत्र में भविष्य में निवेश प्रभावित हो सकता है।

इस्पात उद्योग पिछले कुछ वर्षों में निजी क्षेत्र के सबसे बड़े निवेशकों में से एक रहा है। उद्योग की सभी कंपनियों ने बड़ी विस्तार योजनाओं की घोषणा की है। राष्ट्रीय राजधानी में अखिल भारतीय प्रबंधन संघ (एआईएमए) के 69वें स्थापना दिवस के मौके पर उन्होंने पीटीआई-भाषा से कहा कि विस्तार का एक दौर पूरा हो रहा है। एआईएमए के वरिष्ठ उपाध्यक्ष नरेंद्रन ने कहा कि बहुत सारा ऐसा इस्पात, जिसे कहीं और बाजार नहीं मिल पाता, भारत में आ जाता है। इसके चलते यहां कीमतें उस स्तर तक गिर जाती हैं, जहां इस्पात कंपनी को स्वस्थ नकदी प्रवाह के लिए संघर्ष करना पड़ता है। यह टिप्पणी इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि भारत का लक्ष्य 2030 तक अपनी कुल स्थापित इस्पात विनिर्माण क्षमता को 30 करोड़ टन तक ले जाना है और सभी बड़ी इस्पात कंपनियों ने पहले ही अपनी विस्तार योजनाओं की घोषणा कर दी है।

इस्पात और स्टेनलेस स्टील उद्योग की कंपनियां लगातार सरकार के साथ आयात के मुद्दे को उठा रही हैं। उनका दावा है कि चीन सहित चुनिंदा देशों से आने वाली खेप में उछाल ने उनकी प्रतिस्पर्धात्मकता को प्रभावित किया है। भारतीय इस्पात संघ (आईएसए) ने इस संबंध में व्यापार उपचार महानिदेशालय (डीजीटीआर) के पास पहले ही आवेदन दायर कर दिया है, जो इसकी समीक्षा कर रहा है।

आरबीआई के डिप्टी गवर्नर ने संस्थाओं को 'लापरवाह वित्तीयकरण' के प्रति किया आगाह

मुंबई, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के डिप्टी गवर्नर एम. राजेश्वर राव ने वित्तीय क्षेत्र की संस्थाओं को लापरवाही भरे वित्तीय लेनदेन के प्रति शुक्रवार को आगाह किया।

यहां एनएसई के एक कार्यक्रम में राव ने कहा कि अल्पकालिक लाभ का 'प्रलोभन' आसानी से लोगों की दीर्घकालिक वित्तीय सुरक्षा को प्रभावित कर सकता है। उन्होंने कहा, 'हमें लापरवाही भरे वित्तीयकरण के जोखिम के बारे में अवश्य ही सचेत रहना चाहिए।'

राव ने बताया कि असुरक्षित क्षेत्र में अत्यधिक उधारी और पूंजी बाजार में 'उत्पन्न उत्साह' को लेकर चिंताएं हैं। उन्होंने कहा, 'वित्तीय संस्थाओं का यह कर्तव्य है कि वे सुनिश्चित करें कि ग्राहक 'लीवरेज्ड' उत्पादों और प्रत्याक्षित निवेश से जुड़े जोखिमों को पूरी तरह समझें।'

राव ने कहा कि आरबीआई ग्राहकों को शिक्षित करने के लिए अन्य वित्तीय क्षेत्र के नियामकों के साथ काम कर रहा है और उन्होंने कहा कि वित्तीय साक्षरता की कमी के कारण लोग बेईमान कंपनियों के झांसे में आ जाते हैं।

हालांकि, जब कोई झटका लगता है, तो निवेशक का वित्तीय प्रणाली पर से भरोसा खत्म हो जाता है और इसलिए यह आवश्यक है कि प्रणाली अपनी बेहतरी के लिए शिक्षा में निवेश करे। गवर्नर संजय मल्होत्रा के नियम बनाते समय विनियमन की लागत पर ध्यान देने के आश्वासन के कुछ दिन बाद राव ने कहा कि तेज गति वाली दुनिया में वित्तीय विनियमन एक नाजुक संतुलनकारी कार्य है।

कमजोर वैश्विक रुख से कच्चे तेल के वायदा भाव टूटे

नई दिल्ली, एजेंसी। विदेशी बाजार की कमजोर मांग को देखते हुए कारोबारियों ने अपने सौदों के आकार को कम किया जिससे वायदा कारोबार में शुक्रवार को कच्चा तेल 32 रुपये की गिरावट के साथ 6,284 रुपये प्रति बैरल पर आ गया।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमएक्स) में कच्चे तेल का मार्च माह में आपूर्ति होने वाला अनुबंध 32 रुपये या 0.51 प्रतिशत की गिरावट के साथ 6,284 रुपये प्रति बैरल रह गया। इसमें 3,363 लॉट के लिए कारोबार हुआ।

विश्लेषकों ने कहा कि कमजोर वैश्विक संकेतों के बीच प्रतिभागियों द्वारा अपने स्टॉक की निकासी करने से कीमतों पर असर पड़ा।

कमजोरी के साथ खुले शेयर बाजार

मुंबई, एजेंसी। वैश्विक बाजार से मिलेजुले संकेतों के बीच शुक्रवार के कारोबारी दिन शेयर बाजार की कमजोर शुरूआत हुई। बीएसई सेंसेक्स और निफ्टी 50 शुक्रवार को गिरावट के साथ खुले। शुरूआती कारोबार में सेंसेक्स 159.84 अंक टूटकर 75,576.12 पर आ गया, जबकि निफ्टी 50 49.70 अंक गिरकर 22,863.45 पर कारोबार कर रहा था। फाइनेंशियल, ऑटो और ऑयल शेयरों में कमजोरी देखी जा रही है। सेंसेक्स में टाटा स्टील, जोमैटो और एलएंडटी टॉप गेनर रहे, जबकि महिंद्रा एंड महिंद्रा, कोटक महिंद्रा बैंक और आईसीआईसीआई बैंक सबसे ज्यादा गिरावट वाले शेयरों में शामिल हैं। शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव जारी है। निफ्टी 50 में महिंद्रा एंड महिंद्रा, एनटीपीसी और आईसीआईसीआई बैंक को नुकसान हुआ और ये टॉप लूजर्स में शामिल रहे। वहीं सिप्ला, सन फार्मा और भारती एयरटेल टॉप गेनर्स के रूप में उभरे। वहीं एशिया बाजारों में मिलाजुला कारोबार देखने को मिल रहा है। जापान के निक्कई 225 में 0.43 फीसदी की गिरावट आई, क्योंकि देश की जनवरी महंगाई दर 4 फीसदी तक पहुंच गई। यह आंकड़ा जनवरी 2023 के बाद सबसे ऊंचा स्तर है। वहीं कोर महंगाई दर भी 3.2 फीसदी तक बढ़ गई।

सरकार का लक्ष्य 2031 तक अधिकतम संख्या में महत्वपूर्ण खनिज ब्लॉक की नीलामी करना: राज्य मंत्री दुबे

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार ने शुक्रवार को राष्ट्रीय महत्वपूर्ण खनिज मिशन की सफलता के लिए उद्योग की भागीदारी तथा समर्थन मांगा और कहा कि उसका लक्ष्य 2031 तक अधिकतम संख्या में महत्वपूर्ण ब्लॉक की नीलामी करना है।

कोयला एवं खान राज्य मंत्री सतीश चंद्र दुबे ने यहां भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग महासंघ (फिक्की) के महत्वपूर्ण खनिज मिशन विषय पर आयोजित कार्यक्रम में देश के महत्वपूर्ण खनिजों में आत्मनिर्भर बनने की आवश्यकता बतायी और कहा कि यह तभी संभव हो सकता है जब सरकार और उद्योग दोनों एक साथ मिलकर काम करें।

कोयला एवं खान राज्य मंत्री सतीश चंद्र दुबे ने फिक्की के महत्वपूर्ण खनिज मिशन को संबोधित करते हुए कहा, 'मैं आप सभी से इस मिशन में भाग लेने का अनुरोध करता हूं ताकि यह सफल हो सके।' उन्होंने कहा कि 24 महत्वपूर्ण खनिज ब्लॉक की नीलामी पहले ही की जा चुकी है और सरकार का लक्ष्य 2031 तक अधिकतम संख्या में ऐसे ब्लॉक की नीलामी करना है।

मंत्री ने कहा, 'हमारा लक्ष्य 2031 तक अधिकतम संख्या में महत्वपूर्ण ब्लॉक की नीलामी करना है और यह आपके समर्थन के बिना संभव नहीं है।'

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने पिछले महीने 16,300 करोड़ रुपये के राष्ट्रीय महत्वपूर्ण खनिज मिशन को मंजूरी दी थी, जिसके लिए सात वर्ष में 34,300 करोड़ रुपये के कुल परिव्यय की परिकल्पना की गई है। इसका मकसद हरित ऊर्जा बदलाव की दिशा में भारत की यात्रा में तेजी लाना है।

सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों से राष्ट्रीय महत्वपूर्ण खनिज मिशन में 18,000 करोड़ रुपये का योगदान करने की उम्मीद है, जिसका उद्देश्य देश के भीतर और अपतटीय स्थानों पर महत्वपूर्ण खनिजों की खोज को बढ़ावा देना है।

तांबा, लिथियम, निकल, कोबाल्ट और दुर्लभ मृदा जैसे महत्वपूर्ण खनिज तेजी से बढ़ती स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकियों के विकास को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक कच्चे माल हैं। इनका इस्तेमाल पवन टर्बाइन और बिजली नेटवर्क से लेकर इलेक्ट्रिक वाहनों तथा बैटरी विनिर्माण के लिए किया जाता है। दुनिया भर में स्वच्छ ऊर्जा के बढ़ते चलन के साथ इन खनिजों की मांग बढ़ रही है।

एक नजर

मोदी सोमवार को पीएम-किसान की 19वीं किस्त जारी करेंगे, किसानों को मिलेंगे 22,000 करोड़ रुपये

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सोमवार को पीएम-किसान योजना की 19वीं किस्त जारी करेंगे। इसमें 9.8 करोड़ किसानों के बैंक खातों में लगभग 22,000 करोड़ रुपये सीधे स्थानांतरित किए जाएंगे। सरकार किसानों की आय बढ़ाने के लिए इस योजना के तहत प्रत्येक लाभार्थी को हर चार महीने में 2,000 रुपये देती है। इस तरह तीन बराबर किस्तों में कुल 6,000 रुपये का वार्षिक लाभ मिलता है। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शुक्रवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, 'प्रधानमंत्री 24 फरवरी को बिहार के भागलपुर में एक समारोह में पीएम-किसान की 19वीं किस्त जारी करेंगे।' उन्होंने कहा कि 9.8 करोड़ किसानों को कुल 22,000 करोड़ रुपये जारी किए जाएंगे। चौहान ने कहा कि 18वीं किस्त में लाभार्थियों की संख्या 9.6 करोड़ थी, जो अब बढ़ गई है। मंत्री ने कहा कि सरकार ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) के तहत अब तक कुल 3.46 लाख करोड़ रुपये दिए हैं और अगले सप्ताह 19वीं किस्त जारी होने के बाद यह राशि बढ़कर 3.68 लाख करोड़ रुपये हो जाएगी। फरवरी 2019 में शुरू की गई पीएम-किसान दुनिया की सबसे बड़ी प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) योजना है और इसने किसानों को बीज और उर्वरकों की खरीद के लिए अपने खर्चों को पूरा करने में मदद की है। पंजाब में प्रदर्शनकारी किसानों के साथ बातचीत के बारे में पूछने पर चौहान ने कहा कि सरकार कृषक समुदाय के साथ बातचीत कर रही है और आगे भी करती रहेगी। उन्होंने कहा कि सरकार उत्पादन बढ़ाने, खेती की लागत कम करने, किसानों की आय बढ़ाने और प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

केरल में व्यापक स्तर पर बदलाव हो रहे हैं, इसे निवेश स्थल बनाने के प्रयास जारी: मुख्यमंत्री विजयन

कोच्चि, एजेंसी। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने राज्य में विकास की संभावनाओं का उल्लेख करते हुए शुक्रवार को कहा कि राज्य में व्यापक स्तर पर बदलाव हो रहे हैं और निवेशक अनुकूल ढांचा सुनिश्चित करने के प्रयास जारी हैं। विजयन ने यहां केरल निवेश वैश्विक शिखर सम्मेलन (आईकेजीएस) का उद्घाटन करते हुए कहा कि राज्य को निवेश गंतव्य बनाने के लिए हरसंभव प्रयास किया जाएगा और कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी। उन्होंने जोर देकर कहा, 'हम आलोचनाओं को गंभीरता से लेते हैं और यह समझने का प्रयास करते हैं कि केरल को निवेश गंतव्य बनाने की दिशा में हमें और क्या करना चाहिए।' विजयन लगातार दूसरे कार्यकाल के लिए वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) सरकार का नेतृत्व कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, 'हमने प्रक्रियाओं को सरल बनाने में अच्छी प्रगति की गई है।' विजयन ने कहा कि सरकार खुद को निवेश के लिए सुविधा मुहैया कराने वाला और मुख्य स्रोत मानती है। उन्होंने साथ ही कहा कि उच्च शिक्षा क्षेत्र में बदलाव के लिए भी व्यापक कदम उठाए जा रहे हैं। इस कार्यक्रम में केरल के उद्योग मंत्री पी. राजीव ने कहा कि राज्य में निवेश करने का यह सही समय है, क्योंकि यह निवेश के लिए सुरक्षित स्थान है। उन्होंने कहा कि राज्य ने 22 प्राथमिकता वाले क्षेत्रों की पहचान की है और औद्योगिक नीति प्रकृति, लोगों और उद्योग पर केंदित है। इस दो दिवसीय शिखर सम्मेलन में करीब 3,000 प्रतिभागियों के हिस्सा लेने की उम्मीद है।

अदाणी समूह अगले पांच वर्ष में केरल में 30,000 करोड़ रुपये का करेगा निवेश

कोच्चि, एजेंसी। अदाणी समूह अगले पांच वर्ष में केरल में 30,000 करोड़ रुपये का निवेश करेगा। अदाणी पोर्ट्स एंड एसईजेड लिमिटेड के प्रबंध निदेशक करण अदाणी ने यहां केरल निवेश वैश्विक शिखर सम्मेलन (आईकेजीएस) में कहा,'हम 20,000 करोड़ रुपये का अतिरिक्त निवेश करने की प्रतिबद्धता जता रहे हैं।' समूह पहले ही विझिंजम बंदरगाह का विकास कर रहा है और तिरुवनंतपुरम में हवाई अड्डे का संचालन कर रहा है। वह राज्य में अपनी सीमेंट विनिर्माण क्षमता का विस्तार करने के साथ-साथ एक लॉजिस्टिक्स और ई-कॉमर्स केंद्र भी विकसित करेगा। समूह विझिंजम बंदरगाह का विकास कर रहा है और उसने पहले ही 5,000 करोड़ रुपये का निवेश कर दिया है। उन्होंने कहा कि समूह 5,500 करोड़ रुपये के निवेश से तिरुवनंतपुरम हवाई अड्डे की क्षमता को 45 लाख यात्री प्रति वर्ष से बढ़ाकर 1.2 करोड़ यात्री प्रति वर्ष करेगा। करण अदाणी ने कहा कि कोच्चि में लॉजिस्टिक्स और ई-कॉमर्स केंद्र भी स्थापित किया जाएगा। कोच्चि में सीमेंट विनिर्माण क्षमता बढ़ाई जाएगी। कुल मिलाकर समूह अगले पांच वर्ष में केरल में 30,000 करोड़ रुपये का निवेश करेगा। इस दो दिवसीय शिखर सम्मेलन में करीब 3,000 प्रतिभागियों के आने की उम्मीद है।

देश में खाद्यान्न पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध, रबी 2024 में हुआ 1,132 लाख मीट्रिक टन गेहूं का उत्पादन: केंद्र

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में 2024 के रबी सीजन में 1,132 लाख मीट्रिक टन (एलएमटी) गेहूं का उत्पादन हुआ है और देश में पर्याप्त मात्रा में खाद्यान्न उपलब्ध है। सरकार द्वारा यह जानकारी दी गई। खाद्य सुरक्षा के प्रबंधन और जमाखोरी को रोकने के लिए केंद्र ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में व्यापारियों/थोक विक्रेताओं, खुदरा विक्रेताओं और प्रसंस्करणकताओं के लिए गेहूं पर स्टॉक सीमा लागू की है। गेहूं की कीमत को एक सीमा में रखने के लिए सरकार ने गेहूं के स्टॉक की सीमा को संशोधित किया है, जो कि 31 मार्च, 2025 तक लागू है। उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने कहा, 'गेहूं का स्टॉक रखने वाली सभी संस्थाओं को व्हीट स्टॉक लिमिट पोर्टल पर पंजीकरण कराना आवश्यक है और हर शुक्रवार को अपने स्टॉक की जानकारी इस पोर्टल पर अपडेट करनी होगी।' अगर किसी स्थिति में स्टॉक करने वाली संस्थाओं के पास तय लिमिट से ज्यादा स्टॉक है, तो उन्हें नोटिफिकेशन के 15 दिनों के अंदर स्टॉक को तय सीमा के अनुसार करना होगा। खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग देश में कीमतों को नियंत्रित करने और आसान उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए गेहूं की स्टॉक स्थिति पर कड़ी नजर रख रहा है। महीने की शुरूआत में सरकार ने कहा था कि चालू सीजन में अब तक विभिन्न रबी फसलों के तहत देश में बोया गया कुल कृषि क्षेत्र पिछले वर्ष की समान अवधि के 651.42 लाख हेक्टेयर से बढ़कर 661.03 लाख हेक्टेयर को पार कर गया है। गेहूं की बुवाई का रकबा पिछले वर्ष की इसी अवधि के 318.33 लाख हेक्टेयर से बढ़कर 324.38 लाख हेक्टेयर हो गया है, जिसके परिणामस्वरूप इस मौसम में अनाज का उत्पादन बढ़ने की उम्मीद है। अधिक उत्पादन की संभावना के चलते आने वाले समय में खाद्य महंगाई में कमी आने की उम्मीद है। वहीं, अच्छे मानसून, न्यूनतम समर्थन मूल्य और इनपुट की पर्याप्त आपूर्ति के कारण ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी सपोर्ट मिल सकता है।

रुपया 14 पैसे बढ़त के साथ 86.50 डॉलर पर

मुंबई, एजेंसी। रुपया शुक्रवार को शुरूआती कारोबार में 14 पैसे मजबूत होकर 86.50 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि घरेलू बाजारों में कमजोर रुख और विदेशी पूंजी की निकासी के कारण रुपये के थोड़े नकारात्मक रुख के साथ कारोबार करने की आशंका है। हालांकि, कच्चे तेल की कीमतों में समग्र कमजोरी तेज गिरावट को कम कर सकती है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया डॉलर के मुकाबले 86.50 पर खुला, जो पिछले बंद भाव से 14 पैसे की बढ़त दशार्ता है।

विराट शतक के सामने पाकिस्तान ने टेके घुटने

चैंपियंस ट्रॉफी : भारत ने पाकिस्तान को छह विकेट से हराया

दुबई, एजेंसी। कुलदीप यादव (तीन विकेट) और हार्दिक पंड्या (दो विकेट) की शानदार गेंदबाजी के बाद विराट कोहली (नाबाद100) की शतकीय और श्रेयस अय्यर (56) की अर्धशतकीय पारियों की बदौलत भारत ने रविवार को चैंपियंस ट्रॉफी के पांचवें मुकाबले में 45 गेंदें शेष रहते पाकिस्तान को छह विकेट से हरा दिया है।

पाकिस्तान के 241 के स्कोर के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी भारत के रोहित शर्मा और शुभमन गिल की सलामी जोड़ी तेज शुरूआत करने का प्रयास किया। पांचवें ओवर में शाहीन शाह अफरीदी ने रोहित शर्मा (20) को बोल्ड आउटकर भारत को पहला झटका दिया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये विराट कोहली ने शुभमन गिल के साथ मोर्चा संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच दूसरे विकेट के लिये 69 रनों की साझेदारी हुई। 18वें ओवर में अबरार अहमद ने शुभमन गिल को बोल्ड कर पाकिस्तान को दूसरी सफलता दिलाई।

शुभमन गिल ने 52 गेंदों में सात चौके लगाते हुए (46) रनों की पारी खेली। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये श्रेयस अय्यर ने विराट कोहली के साथ तीसरे विकेट के लिए 114 रनों की साझेदारी कर भारत की जीत सुनश्चित कर दी। 39वें ओवर में खुशदिल शाह ने श्रेयस को इमाम अल हक के साथ कैच आउट करा दिया। श्रेयस ने 57 गेंदों में पांच चौके और एक छक्का लगाते हुए (56) रनों की पारी खेली। हार्दिक पंड्या (आठ) शाहीन शाह अफरीदी का शिकार बने। विराट कोहली ने 43वें ओवर की तीसरी गेंद पर चौका लगाकर अपना शतक पूरा किया और भारत को छह विकेट से जीत दिला दी। अक्षर पटेल (तीन) रन बनाकर नाबाद रहे।

पाकिस्तान की ओर शाहीन शाह अफरीदी को दो विकेट मिले। खुशदिल शाह और अबरार अहमद ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

इससे पहले आज यहां पाकिस्तान के कप्तान मोहम्मद रिजवान ने टॉस जीतने के बाद पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तान के लिए इमाम-उल-हक और बाबर आजम की सलामी जोड़ी ने संभल कर शुरूआत करते हुए पहले विकेट के लिए 47 रन जोड़े। नौं ओवर में हार्दिक पंड्या ने बाबर आजम (23) को केएल राहुल के हाथों कैच आउट कराकर पाकिस्तान को पहला झटका दिया। इसके बाद अभी स्कोर में छह और रन जुड़े थे कि अक्षर पटेल ने इमाम-उल-हक (10) को रन आउटकर पवेलियन भेज दिया। इसके बाद सऊद शकील और कप्तान मोहम्मद रिजवान की जोड़ी ने मोर्चा संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच तीसरे विकेट के लिए 104 रनों की साझेदारी हुई। 33वें ओवर में अक्षर पटेल ने मोहम्मद रिजवान (46) को बोल्ड कर भारत को तीसरी सफलता दिलाई। 36वें ओवर में हार्दिक पंड्या ने सऊद शकील को आउटकर पाकिस्तान को बड़ा झटका दिया। सऊद शकील ने 76 गेंदों में पांच चौकों की मदद से (62) रनों की महत्वपूर्ण पारी खेली। तय्यब ताहिर (चार) को रवींद्र जड़ेजा ने बोल्ड किया। 43वें ओवर में आगा सलमान (19) को कुलदीप ने अपना शिकार बनाया। इसी ओवर में कुलदीप ने शाहीन शाह अफरीदी (शून्य) को भी आउट किया। 47वें ओवर में कुलदीप ने नसीम शाह (14) को आउटकर भारत को आठवीं सफलता दिलाई। हारिस रउफ (आठ) रनआउट हुये। 49वें ओवर की चौथी गेंद पर हर्षित राणा ने खुशदिल शाह को कोहली के हाथों कैच आउट पाकिस्तान को 241 के स्कोर पर रोक दिया। खुशदिल ने 39 गेंदों में दो छक्के लगाते हुए (38) रनों की पारी खेली। आज के मैच में भारतीय खिलाड़ियों ने बेहतरीन क्षेत्ररक्षण का प्रदर्शन करते हुए पाकिस्तान के दो बल्लेबाजों को रनआउट किया।

भारत की ओर से कुलदीप यादव ने तीन विकेट लिये। हार्दिक पंड्या को दो विकेट मिले। अक्षर पटेल, हर्षित राणा और रवींद्र जडेजा ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

14 हजार रन बनाने वाले तीसरे बल्लेबाज विराट कोहली ने जड़ा 51वां शतक

दुबई, एजेंसी। भारत के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने रविवार को पाकिस्तान के खिलाफ अपना 51वां एकदिवसीय शतक पूरा किया। इसी मैच में उन्होंने एकदिवसीय क्रिकेट में अपने 14 हजार रन पूरे किये, इसी के साथ वह यह कारनामा करने वाले तीसरे बल्लेबाज बन गये। विराट कोहली ने रविवार को दुबई में पाकिस्तान के खिलाफ चैंपियंस ट्रॉफी के मैच में यह रिकार्ड बनाया। उन्होंने मात्र 287 पारियों में यह ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की। विराट कोहली ने इस मैच में 43वें ओवर की तीसरी गेंद पर चौका लगाकर अपना शतक पूरा किया और भारत को टूर्नामेंट में दूसरी जीत दिला दी। विराट ने 111 गेंदों में सात चौकों की मदद से अपना शतक पूरा किया। विराट को उनकी शानदार शतकीय पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच से नवाजा गया। कोहली ने भारत के दिग्गज सचिन तेंदुलकर के 350 पारियों में बनाये गये रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। श्रीलंका के कुमार संगकारा ने 378 पारियां अपने 14 हजार रन पूरे किये थे। इसके साथ ही विराट एकदिवसीय इतिहास में 14 हजार रन का आंकड़ा पार करने वाले केवल तीसरे बल्लेबाज बन गए।<वह जून 2017 में 175 पारियों में आठ हजार एकदिवसीय रन पूरे करने के बाद से हर 1000 रन के मुकाम तक पहुंचने वाले सबसे तेज बल्लेबाज रहे हैं। वह जल्द ही कुमार संगकारा (14,234) को पीछे छोड़कर दूसरे स्थान पर पहुंच सकते हैं। इस सूची में सचिन तेंदुलकर 18,426 रनों के साथ शीर्ष पर हैं।

संक्षिप्त

कोहली ने बाबर की पीठ थपथपाई, दिल को छू लेने वाले इशारे की फोटो वायरल

दुबई, एजेंसी। भारतीय बल्लेबाजी के दिग्गज विराट कोहली ने रविवार को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के हाई-ऑक्टेन मैच से पहले पाकिस्तान के पूर्व कप्तान बाबर आजम की पीठ थपथपाकर उनके प्रति दिल को छू लेने वाला इशारा किया। जब बाबर साथी सलामी बल्लेबाज इमाम-उल-हक के साथ मैदान पर उतरे तो दोनों बल्लेबाजों ने एक-दूसरे से बातचीत की और एक-दूसरे का अभिवादन किया। नेटिज़न्स ने इस दोस्ताना हल्के-फुल्के पल को तुरंत नोटिस किया क्योंकि इस संक्षिप्त मुलाकात की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गए। एक यूजर ने लिखा, "दोस्ती" जबकि दूसरे ने कहा, "इसलिए हम कोहली से प्यार करते हैं"। कोहली और बाबर इस समय विश्व क्रिकेट के दो सबसे बड़े बल्लेबाज हैं, लेकिन बाद वाला इस समय खराब फॉर्म से गुजर रहा है। 2022 में भारत के इंग्लैंड दौरे के दौरान, जब कोहली अपनी फॉर्म से जूझ रहे थे, बाबर ने सोशल मीडिया पर एक मैच के दौरान की उनकी एक तस्वीर साझा की, साथ में संदेश दिया, "यह भी बीत जाएगा"। विराट ने एक्स पर बाबर के समर्थन का तुरंत जवाब दिया और लिखा, "धन्यवाद। चमकते और बढ़ते रहो। उन्होंने लिखा, "आप सभी को शुभकामनाएं।"

खेल मंत्री ने दिल्ली में 'फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल' का नेतृत्व किया

नई दिल्ली, एजेंसी। खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने रविवार को यहां 'फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल' अभियान का नेतृत्व किया, जिसमें ओलंपिक में भाग ले चुके नाविक अर्जुन लाल जाट सहित कई अन्य प्रतिभागी शामिल हुए। इस अवसर पर खेल मंत्री ने कहा, ''माननीय प्रधानमंत्री ने मोटापे के खिलाफ जो लड़ाई शुरू की है उसमें हमें अपने जीवन में दैनिक फिटनेस गतिविधियों को शामिल करने के लिए एक साथ आना चाहिए। '' मांडविया ने कहा, ''साइकिल चलाना सबसे सरल व्यायाम है और इसका पर्यावरण पर भी बहुत सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। यह कार्बन फुटप्रिंट को कम करता है और प्रदूषण का समाधान है।'' 'फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल' का आयोजन प्रत्येक सप्ताह किया जाता है और इसमें अपने क्षेत्र के विशेष लोगों को आमंत्रित किया जाता है।

नई दिल्ली मैराथनः मान सिंह और भागीरथी बिष्ट बने चैंपियन

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तराखंड के मान सिंह और भागीरथी बिष्ट ने रविवार को यहां 'अपोलो टायर्स नई दिल्ली मैराथन' दौड़ में क्रमशः पुरुष और महिला वर्ग का खिताब जीता। एशियाई मैराथन चैंपियनशिप (2024) के विजेता 35 साल के मान सिंह ने पुरुषों की एलीट श्रेणी के कड़े मुकाबले को दो घंटे 15 मिनट और 24 सेकंड का प्रभावशाली समय के साथ अपने नाम किया। प्रदीप चौधरी (2:15:29) और अक्षय सैनी (2:15:34) ने मान सिंह को कड़ी टक्कर दी लेकिन क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे। उत्तराखंड की ही भागीरथी ने दो घंटे 48 मिनट और 59 सेकंड के समय के साथ एलीट महिलाओं में शीर्ष स्थान हासिल किया। ठाकोर भरतजी (2:49:16) और अश्विनी जाधव (2:50:48) ने क्रमशः रजत और कांस्य पदक जीता। मैराथन दौड़ में धावकों को 42.195 किमी की दूरी तय करनी होती है। राष्ट्रीय बैडमिंटन टीम के मुख्य कोच पुलेला गोपीचंद और भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान अजिंक्य रहाणे ने इस दौड़ को हरी झंडी दिखाई। आयोजकों ने दावा किया कि इस कार्यक्रम (मैराथन, हाफ मैराथन और 10के (10 किलोमीटर की दौड़) में देश के विभिन्न हिस्सों से 25,000 से अधिक धावक और फिटनेस उत्साही शामिल हुए। गोपीचंद ने कहा, ''मैं नई दिल्ली मैराथन को सफल बनाने के लिए आयोजकों, प्रायोजकों और प्रत्येक एथलीट को बधाई देता हूं।'' इस मैराथन में वंचित पृष्ठभूमि के 33 से अधिक बच्चों के अलावा 10 किलोमीटर की दौड़ में स्वयंसेवकों की सहायता से दृष्टिबाधित धावकों की एक टीम ने भी हिस्सा लिया।

राहुल द्रविड़ ने बेटे अन्वय के साथ खेला लीग मैच

बेंगलुरु, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट के दिग्गज राहुल द्रविड़ ने लंबे समय बाद क्रिकेट के मैदान पर वापसी की और अपने बेटे अन्वय द्रविड़ के साथ केएससीए लीग गेम में हिस्सा लिया। राहुल द्रविड़ ने अपने करियर के दौरान भारतीय क्रिकेट को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया था और अब उनके दोनों बेटे भी क्रिकेट में अपनी पहचान बना रहे हैं। उनके बड़े बेटे समित एक ऑलराउंडर हैं, जबकि छोटे बेटे अन्वय विकेटकीपर-बल्लेबाज हैं। राहुल ने अपने करियर में कुछ समय के लिए विकेटकीपिंग भी की थी, जिससे अन्वय को भी प्रेरणा मिली। अन्वय द्रविड़ ने हाल ही में विजय मर्चेंट ट्रॉफी में कर्नाटक का प्रतिनिधित्व किया और अपनी अंडर-14 टीम की कप्तानी भी की। वहीं, समित ने भी कर्नाटक के लिए आयु-समूह क्रिकेट खेला है। समित का चयन 2024 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू श्रृंखला के लिए भारत की अंडर-19 क्रिकेट टीम में हुआ था, लेकिन चोट के कारण वह इस अवसर से चूक गए। केएससीए लीग मैच में राहुल द्रविड़ का प्रदर्शन उल्लेखनीय नहीं रहा, और वह केवल 10 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 10,000 से अधिक टेस्ट और वनडे रन बनाने वाले इस महान बल्लेबाज के लिए यह मुकाबला व्यक्तिगत रूप से खास तो नहीं रहा, लेकिन उनके बेटे अन्वय के लिए यह एक यादगार दिन बन गया।

खिलाड़ियों को नियमित खेलने के अधिक अवसर मिलेः जो रूट

चैंपियंस ट्रॉफी

- **रूट का मानना है कि वनडे क्रिकेट में सफलता पाने के लिए खिलाड़ियों को नियमित रूप से खेलने के अधिक अवसर मिलने चाहिए**

नई दिल्ली, एजेंसी। वनडे क्रिकेट में इंग्लैंड का पहला मुकाबला ऑस्ट्रेलिया से होगा, लेकिन टीम लगातार चार वनडे सीरीज हारकर टूर्नामेंट में प्रवेश कर रही है। इंग्लैंड के स्टार बल्लेबाज जो रूट ने चैंपियंस ट्रॉफी 2025 से पहले वनडे क्रिकेट में बल्लेबाजी की जटिलताओं पर खुलकर बात की है। रूट का मानना है कि वनडे क्रिकेट में सफलता पाने के लिए खिलाड़ियों को नियमित रूप से खेलने के अधिक अवसर मिलने चाहिए। रूट ने कहा, मैंने अपने करियर में ऐसी दो पारियों के बारे में नहीं सुना जो बिल्कुल एक जैसी रही हों। बल्लेबाजी की कला परिस्थितियों का आकलन करने, दबाव में सही निर्णय लेने और स्थिति के अनुरूप खेलने में है। उनका मानना है कि हर मैच नई चुनौती लाता है और बल्लेबाज को खुद को हर बार नए सिरे से ढालना पड़ता है। इंग्लैंड की वनडे टीम की हालिया विफलताओं के बावजूद रूट का मानना है कि वह अब भी इस प्रारूप में अधिक सफलता हासिल करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। 2023 वनडे विश्व कप में इंग्लैंड का सफर लीग चरण में ही खत्म हो गया था, जिसके बाद उनकी टीम की किस्मत वनडे में गिरावट की ओर गई। इसके बावजूद रूट ने कभी इस प्रारूप को छोड़ने की बात नहीं सोची। उन्होंने कहा, मैंने कभी संन्यास नहीं लिया और न ही यह कहा कि मैं इस प्रारूप में नहीं खेलना चाहता। मुझे लगता है कि किसी भी खिलाड़ी को टीम में चयन का दैवीय अधिकार नहीं होता। आपको अपने प्रदर्शन से इसे साबित करना होता है और यह सुनिश्चित करना होता है कि आप टीम को मजबूत बना रहे हैं, न कि उसे पीछे धकेल रहे हैं। रूट ने इंग्लैंड के खिलाड़ियों को 50 ओवर प्रारूप में खेलने और इसमें किस्मत बदलने के लिए अधिक अवसर देने की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने कहा, आज के समय में खिलाड़ियों को लगातार वनडे खेलने का मौका नहीं मिलता, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि हम सफल नहीं हो सकते। हमें इस प्रक्रिया को गति देने का तरीका खोजना होगा, जिसमें स्मार्ट रणनीति और अनुभवों को साझा करने की भूमिका अहम होगी। जब हम बड़े मैचों में निर्णायक क्षणों तक पहुंचें, तो हमें टीम को जीत दिलाने के लिए तैयार रहना होगा। रूट को भरोसा है कि इंग्लैंड के पास इस प्रारूप में फिर से मजबूत होने की क्षमता है। उन्होंने कहा, हमारे पास सही खिलाड़ी और भरपूर प्रतिभा है। हमें बस अपने खेल को बेहतर तरीके से लागू करने और एक मजबूत मानसिकता के साथ खेलने की जरूरत है।

सौरव गांगुली की जिंदगी पर बन रही बायोपिक

मुंबई, एजेंसी। पूर्व कप्तान सौरव गांगुली की जिंदगी पर बायोपिक बनने जा रही है। फिल्म को लेकर खुद सौरव गांगुली ने यह खुलासा किया है कि उनकी भूमिका कौन निभाने वाला है। मीडिया से चर्चा में उन्होंने बताया कि राजकुमार राव उनकी बायोपिक में लीड रोल हालांकि, फिल्म की शूटिंग और डेट्स को लेकर कुछ अड़चनें हैं, जिसके कारण इसे पूरा होने में एक साल से ज्यादा का समय लग सकता है।

सौरव गांगुली भारतीय क्रिकेट के सबसे सफल कप्तानों में से एक रहे हैं। उन्होंने भारत के लिए 113 टेस्ट और 311 वनडे मैच खेले हैं और अपने इंटरनेशनल करियर में 18,575 रन बनाए। दादा के नेतृत्व में भारतीय टीम ने कई यादगार जीत हासिल कीं, जिनमें 2003 का वर्ल्ड कप फाइनल भी शामिल है। क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद उन्होंने क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ बंगाल के अध्यक्ष के रूप में अपनी भूमिका निभाई और बाद में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के अध्यक्ष बने। इसके अलावा, उन्होंने सचिन तेंदुलकर और वीवीएस लक्ष्मण के साथ बीसीसीआई की तकनीकी समिति में भी काम किया। वहीं, अगर राजकुमार राव की फिल्मों की बात करें तो वह जल्द ही 'भूल चूक माफ' में नजर आएंगे, जिसमें उनके साथ वामिका गब्बी लीड रोल में हैं। हाल ही में इस फिल्म का टीजर रिलीज हुआ, जिसे दर्शकों से अच्छा रिस्पॉन्स मिला है। यह फिल्म 10 अप्रैल को रिलीज होगी। इसके अलावा, राजकुमार राव 'मालिक' नाम की फिल्म में भी नजर आएंगे, जिसे कुमार तौरानी प्रोड्यूस कर रहे हैं। सौरव गांगुली की बायोपिक की आधिकारिक घोषणा और फिल्म की शूटिंग शुरू होने का इंतजार किया जा रहा है।

यूपी वारियर्स के खिलाफ जीत की राह पर लौटने की कोशिश करेगा आरसीबी

बेंगलुरु, एजेंसी। कप्तान स्मृति मंधाना की शानदार फॉर्म, मध्यक्रम के बल्लेबाजों के अच्छे प्रदर्शन तथा घरेलू दर्शकों के अपार समर्थन के दम पर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) सोमवार को यहां यूपी वारियर्स के खिलाफ बेहतर खेल दिखाकर महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में जीत की राह पर लौटने की कोशिश करेगा।

भारतीय उप कप्तान मंधाना लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रही है। उन्होंने भारत और अपनी फ्रेंचाइजी टीम के लिए जो पिछले 10 मैच खेले हैं उनमें उन्होंने एक शतक और पांच अर्धशतक लगाए हैं।

आरसीबी की टीम हालांकि दीप्ति शर्मा की अगुवाई वाली टीम को किसी भी तरह से हल्के से लेने की गलती नहीं करेगी जो सत्र की अपनी पहली जीत हासिल करके उत्साह से भरी है। मंधाना की अगुवाई वाली टीम ने अपने पहले दोनों मैच जीत कर इस सत्र की शानदार शुरुआत की थी लेकिन पिछले मैच में उसे हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली टीम मुंबई इंडियंस से हार का सामना करना पड़ा था। आरसीबी ने अब तक तीनों विभाग में अच्छा प्रदर्शन किया है और उसके खिलाड़ी पिछली हार को भूलकर जीत की राह पर लौट के लिए प्रतिबद्ध होंगे।

संघर्ष | **न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ लगातार दो टेस्ट श्रृंखलाओं में हार के बाद रोहित और कोहली के भविष्य पर सवाल उठने लगे**

कोहली और रोहित को अपना भविष्य खुद तय करने देना चाहिये : सरफराज

दुबई, एजेंसी। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान सरफराज अहमद का मानना है कि भारतीय सुपरस्टार विराट कोहली और रोहित शर्मा को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपना भविष्य तय करने का अधिकार खुद मिलना चाहिये। न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ लगातार दो टेस्ट श्रृंखलाओं में हार के बाद कप्तान रोहित और अनुभवी बल्लेबाज कोहली के भविष्य पर सवाल उठने लगे। इन श्रृंखलाओं में दोनों दिग्गज खिलाड़ियों को रन बनाने के लिए संघर्ष करना पड़ा था।

सरफराज ने यहां पत्रकारों से कहा, ''लोगों को विराट कोहली और रोहित शर्मा के बारे में बात भी नहीं करनी चाहिए। भारत के लिए उनका प्रदर्शन शानदार रहा है।'' उन्होंने कहा, ''विराट कोहली ने भारत के लिए मुश्किल मैच जीते हैं और मैंने उन मैचों को देखा है। आप कल्पना नहीं कर सकते कि उन्होंने भारत के लिए किस तरह का प्रदर्शन किया है।''

पाकिस्तान के इस पूर्व कप्तान ने कहा, ''रोहित शर्मा के लिए भी यही बात लागू होती है। जिस तरह से वह टीम का नेतृत्व कर रहे हैं वह शानदार है। उन्होंने 2023 (वनडे) विश्व कप में टीम का बेहतरीन तरीके से नेतृत्व किया और इसके बाद टी 20 विश्व कप जीता।'' सरफराज ने कहा कि विराट और रोहित सही समय आने पर क्रिकेट को अलविदा कह देंगे, लेकिन तब तक भारत को अपनी टीमें 'उनके आसपास' बनानी चाहिए।

सरफराज ने कहा, ''उन्हें खेलने दें और उन्हें तय करने दें कि वे क्या करना चाहते हैं। आपको उनके आसपास ही अपनी टीम बनानी चाहिए। जिस तरह से उन्होंने टी 20 अंतरराष्ट्रीय को अलविदा कहा उसी तरह से वे अन्य प्रारूपों में भी करेंगे। आपको उन्हें हटाकर टीम नहीं बनानी चाहिए, आपको उन्हें शामिल करके टीम बनानी चाहिए।'' सरफराज ने कहा कि पाकिस्तान को भी इसी तरह बाबर आजम को केंद्र में रखकर टीम तैयार करनी चाहिए। पूर्व कप्तान बाबर भारत के खिलाफ चैंपियंस ट्रॉफी मैच में हालांकि महज 23 रन पर आउट हो गए।

उन्होंने कहा, ''बाबर आजम एक अलग खिलाड़ी हैं। मुझे लगता है कि उन्हें (पाकिस्तान) टीम को इस तरह से तैयार करना चाहिए कि बाबर आजम भारत के लिए विराट कोहली की तरह पूरे 50 ओवर खेल सकें। वह शुरुआत में समय लेते हैं और फिर खेल को आगे बढ़ाते हैं।'' उन्होंने कहा, ''उनका (बाबर का) लक्ष्य किसी पर क्रम पर बल्लेबाजी करते हुए पूरे 50 ओवर तक खेलने का होना चाहिये। उनके साथ मौजूद दूसरे बल्लेबाजों को तेजी से रन बनाने का जिम्मा उठाना चाहिये।

सरफराज ने कहा कि भारतीय टीम को चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान की यात्रा करनी चाहिए थी। उन्हें पाकिस्तान के लोगों से काफी प्यार और सम्मान मिलता। उन्होंने कहा, ''मैं आपसे पाकिस्तानी लोगों का सामान्य दृष्टिकोण साझा करना चाहूंगा। वे भारतीय टीम को पाकिस्तान में देखना चाहते हैं। पाकिस्तान के लोग भारत और उनके क्रिकेटरों से बहुत प्यार करते हैं और वे उनका बहुत सम्मान करते हैं।

कॅरियर गाइडेंस देश व दुनिया में आज हेल्थ सेक्टर का जितना विस्तार हो रहा है, उसे देखते हुए कहा जा सकता है कि आगे चलकर काबिल फिजियोथैरेपी की मांग और बढ़ेगी। फिजियोथैरेपी विज्ञान की ऐसी विधा है जिसके अंतर्गत शारीरिक व्यायाम के जरिए व्यक्ति के रोगों व व्याधियों का उपचार किया जाता है।

फिजियोथैरेपी वक्त की मांग

फिजियोथैरेपिस्ट का काम रोगियों में किसी बीमारी, चोट, अक्षमता या बढ़ती उम्र की वजह से उपजी शारीरिक व्याधियों का उपचार करना है। आज लोग बीमारी के उपचार के लिए समग्र नजरिया अपनाने लगे हैं। इसकी वजह से दुनिया भर में फिजियोथैरेपिस्ट्स की मांग में तेजी से इजाफा हुआ है।

काम का दायरा

फिजियोथैरेपिस्ट्स अस्पतालों, विकलांगों की लिए बने पुनर्वास केन्द्रों, स्वास्थ्य केन्द्रों, शारीरिक व मानसिक रूप से अक्षम व्यक्तियों के लिए बने स्कूलों, स्वास्थ्य संगठनों के

अलावा डिफेंस मेडिकल प्रतिष्ठानों और स्पोर्ट्स क्लबों में भी अपनी सेवाएं देते है। इंजुरी व फैक्चर्स, जोड़ों के दर्द, खिंचाव, मोच, स्ट्रोक्स के उपचार में काबिल फिजियोथैरेपिस्ट की सेवाएं कारगर साबित होती हैं।

बढ़ती मांग

आज जिस तरह के अत्याधुनिक अस्पताल, स्वास्थ्य केन्द्र व क्लीनिक्स खुल रहे हैं और हेल्थ सेक्टर का विस्तार हो रहा है, उसे देखते हुए कहा जा सकता है कि फिजियोथैरेपिस्ट की मांग आगे चलकर और बढ़ेगा। कई राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी खुद को फिट रखने व फिटनेस संबंधी सुझाव लेने के लिए फुलटाइम पर्सनल फिजियोथैरेपिस्ट्स की सेवाएं लेते हैं। विदेशों में और खासकर अमेरिका कनाडा व आस्ट्रेलिया जैसे देशों में पर्सनल फिजियोथैरेपिस्ट्स की जबदस्त मांग है।

योग्यता

फिजियोथैरेपी में कोई डिग्री अथवा डिप्लोमा/सर्टिफिकेट कोर्स करने के लिए अभ्यर्थी को फिजिक्स, केमिस्ट्री या बायोलॉजी के साथ 12वीं या इसके समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण होना चाहिए। अस्पताल व क्लीनिक्स अमूमन ऐसे लोगों को रोजगार देते हैं, जिनके पास फिजियोथैरेपी में बैचलर डिग्री (बीपीटी) हो। बीपीटी करने के बाद छात्र यदि चाहें तो अपनी विशेषज्ञता बढ़ाने के लिए पोस्ट ग्रेजुएशन भी कर सकते हैं।
फिजियोथैरेपी में डिप्लोमा या सर्टिफिकेट कोर्स की अवधि छह महीने से लेकर दो साल तक हो सकती है। डिग्री स्तर अवधि

तीन से चार साल तक होती है। प्रतिष्ठित संस्थान कॉमन टेस्ट सीईटी के जरिए बीपीटी में छात्रों की दाखिला देते है।

व्यक्तिगत योग्यता

फिजियोथैरेपिस्ट्स बनने के चाह रखने वाले अभ्यर्थियों में लंबे समय तक खड़े रहकर काम करने की क्षमता होनी चाहिए। काबिल फिजियोथैरेपिस्ट वहीं है जो मरीज की जरूरत को अच्छी तरह समझ सके, उसके प्रति संवेदनशील रवैया अपनाए। सफल फिजियोथैरेपिस्ट बनने के लिए व्यक्ति में इन खूबियों के अलावा मानवीय संरचना का सम्पूर्ण ज्ञान होना भी अति आवश्यक है।

पारिश्रमिक

इस क्षेत्र से जुड़े कोई फ्रेश ग्रेजुएट किसी हॉस्पिटल या क्लीनिक में ट्रेनी फिजियोथैरपिस्ट के तौर पर 8,000 से 12,000 रूपए वेतन पाने की उम्मीद कर सकता है। हालांकि प्रतिष्ठित अस्पतालों में आपको और भी अच्छा वेतन मिल सकता है। अनुभव हासिल करने के बाद आपके वेतन में खासा इजाफा हो सकता है। अनुभवी फिजियोथैरपिस्ट चाहे तो निजी क्लीनिक खोल कमाई कर सकते हैं।

डायटीशियन
कॅरियर का बेहतर विकल्प

आहार जीवन की प्राथमिक आवश्यकता है। हम जो आहार लेते है उसका शरीर में पाचन किया जाता है। प्रकृति ने विभिन्न खाद्य–पदार्थों को भोजन का रूप दिया है जिसे कच्चा या पका कर हम उपयोग करते हैं ऐसे पदार्थ हमारे पाचक अंगों द्वारा पचा लिए जाते हैं, जिनसे ऊतकों का निर्माण एवं पोषण होता है। चलने, फिरने दौडने या अन्य शारीरिक कार्य करते रहने से शरीर के भीतर के ऊतक टूटते–फूटते एवं घिसते रहते है। भोजन द्वारा हमारे शरीर की संरचना तथा मरम्मत के लिए विभिन्न पोषक तत्व मिलते रहते हैं, जिनसे हमें शक्ति मिलती हैऔर हमारे शीरीरिक के विभिन्न अंग अपना कार्य सुचारू रूप से करते रहते हैं।सन्तुलित आहार और सही आहार हमारे शरीर के लिए बेहद जरूरी है लिहाजा हमारी शारीरिक जरूरतों के अनुसार कितने पोषक तत्वों की जरूरत होती हैं और कौन से खाद्य–पदार्थ से सेहत को नुकसान पंहुच सकते है, इसका जवाब डायटीशियन ही बता सकता है। जीवनशैली में आ रहे बदलावों और उसके दुष्णपरिणाम के चलते डायटीशियन एक बेहतर केरियर ऑप्शन के रूप में उभरा है। यह कोर्स अपनाकर आप अपना ही नहीं दूसरो की सेहत का भी ख्याल रख सकते है। एक डायटीशियन के रूप में आप नवजात शिशु से लेकर बुजुर्ग, बीमार, अभिनेताओं और खिलाडियों तक की डाइट का चार्ट बना सकते हैं। डायटीशियन लोगों को सलाह देता है, कि उसे स्वस्थ रहने के लिए किस तरह का भोजन करना चाहिए। डायटीशियन का कार्य जितना आसान दिखाई देता है वास्तव में वह उतना आसान नहीं हैं, क्योंकि रोगियों के लिए व्यक्तिगत आहार योजना बनाते हुए विभिन्न क्लीनिकल घटकों को ध्यान में रखना होता है। साथ ही रोगियों की जीवनशैली, खान–पान की आदतों पर भी विचार करना होता है।पोरेट स्तर पर डायटीशियन की मांग बढ रही है और पांच सितारा होटलों में भी डायटीशियनों की सेवाएं ली जा रही हैं।

कराटे– दुश्मन को बिना किसी हथियार से हराने की तकनीक

करาटे निहत्थे लडऩे की एक मार्शल आर्ट है। यह एक प्रकार की कला है जिसमें हाथों तथा पैरों से वार करना तथा दुश्मन के वार को रोकना शामिल होता है। जिस व्यक्ति को करาटे की तकनीक पता हो वह अपने दुश्मन को बिना किसी हथियार के हरा सकता है। एक करาटे एक्सपर्ट सामने वाले को एक ही वार में चित्त भी कर सकता है। जहां जूडो आत्मरक्षा के लिए इस्तेमाल की जाती है वहीं करาटे में दुश्मन पर वार भी किया जा सकता है। करาटे में शारीरिक संपर्क बहुत सीमित रखा जाता है और चोट से बचने के लिए वार को नियंत्रित रखा जाता है।

करาटे एक जापानी शब्द है जिसका अर्थ है 'खाली हाथ'। करาटे में शरीर की ताकत स्ट्राइकिंग प्वाइंट पर केंद्रित की जाती है। स्ट्राइकिंग प्वाइंट में हाथ, पैर का अलग भाग, एड़ी, बाजू, घुटना तथा कोहनी शामिल होते हैं। इन सभी भागों को कड़ी मेहनत और प्रैक्टिस से कठोर बनाया जाता है। एक कराटे एक्सपर्ट कई इंच मोटी लकड़ी को अपने हाथ या पैर से तोड़ सकता है। सही टाइमिंग, कुशलता तथा जज्बा तो इसके लिए जरूरी है ही साथ ही जरूरी होती है शारीरिक कठोरता।

करาटे के खेल में वार को शरीर के संपर्क में आने से एक इंच पहले ही रोक लिया जाता है। कराटे में मैच सिर्फ 3 मिनट के होते हैं। एक खेल के तौर पर इसमें कुशलता का स्तर परखने के लिए दोनों में नकली लड़ाई और औपचारिक परीक्षण दोनों का आयोजन किया जाता है। यदि प्रतियोगी अच्छे से वार न कर पाए तो जज अपना फैसला मूवमैंट्स और डिफेंस तकनीक के आधार पर सुना सकते हैं।जजों द्वारा खिलाडियों के प्रदर्शन को वैसे ही रेटिंग दी

जाती है, जैसे जिम्नास्टिक में होता है। करาटे एशिया में विकसित हुआ जिसे कई शताब्दियां लग गईं और 17वीं शताब्दी के दशक में जाकर यह कला के रूप में व्यवस्थित होने लगा। 1920 के दशक में यह जापान में बहुत प्रसिद्ध हुआ। आज पूरे विश्व में कई स्कूल कराटे की ट्रेंनिंग देते हैं। 1970 में करาटे वर्ल्ड चैम्पियनशिप टाइटल की स्थापना की गई थी।

प्राचीन चीन से शुरू और जापान में प्रसिद्ध हुआ युद्ध कौशल (मार्शल आर्ट) कराटे आज पूरे विश्व में अत्यधिक लोकप्रिय है। कराटे खेल भी, कला भी कराटे निहत्थे लडऩे की एक मार्शल आर्ट है। यह एक प्रकार की कला है जिसमें हाथों तथा पैरों से वार करना तथा दुश्मन के वार को रोकना शामिल होता है।

जिस व्यक्ति को करาटे की तकनीक पता हो वह अपने दुश्मन को बिना किसी हथियार के हरा सकता है। एक कराटे एक्सपर्ट सामने वाले को एक ही वार में चित्त भी कर सकता है। जहां जूडो आत्मरक्षा के लिए इस्तेमाल की जाती है वहीं कराटे में दुश्मन पर वार भी किया जा सकता है। कराटे में शारीरिक संपर्क बहुत सीमित रखा जाता है और चोट से बचने के लिए वार को नियंत्रित रखा जाता है। कराटे एक जापानी शब्द है जिसका अर्थ है 'खाली हाथ'। करาटे में शरीर की ताकत स्ट्राइकिंग प्वाइंट पर केंद्रित की जाती है। स्ट्राइकिंग प्वाइंट में हाथ, पैर का अलग भाग, एड़ी, बाजू, घुटना तथा कोहनी शामिल होते हैं।

स्वरोजगार

कागज़ उद्योग

देश में सामाजिक–आर्थिक विकास की दृष्टि से कागज़ उद्योग देश का सबसे पुराना और अति महत्वपूर्ण उद्योग है। इस उद्योग का अनुमानित आकार 25000 करोड़ रुपये (5.95 बिलियन डॉलर) है। विश्व के कागज और कागज बोर्ड उत्पाद में इसका हिस्सा लगभग 1.6 प्रतिशत है। इस उद्योग से 1.20 लाख लागों को प्रत्यक्ष रूप से और 3.40 लाख लोगों को परेक्ष रूप से रोजगार मिला हे। अधिकतर पेपर मिल पिछले लम्बे अर्से से कार्य कर रहे हैं और इस प्रकार वर्तमान समय में इनमें पुरानी से लेकर अति आधुनिक तकनीक वाली दोनों प्रकार की प्रौद्योगिकियाँ इस्तेमाल हो रही हैं।
पिछले पाँच वर्षों से कागज़ की खपत लगभग 6 प्रतिशत वार्षिक दर से बढ़ रही है। कागज़ उद्योग को कागज के उत्पादन की किस्म के आधार पर वर्गीकृत किया जा सकता है; जैसे क्रीमवोव, मैपलिथो, कोपलर, कोटेड पेपर, इंडिस्ट्रयल पेपर और स्पेस्लिटी पेपर। इंडिस्ट्रयल पेपर अधिक मात्रा में इस्तेमाल होता है, जो कि कुल खपत का लगभग 60 प्रतिशत है। अभी तक कागज उद्योग की वृद्धि सकल घरेलू उत्पाद में हुई वृद्धि के बराबर रही है और पिछले कुछ वर्षों के दौरान इसमें औसतन 6–7 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। विश्व स्तर पर भारत में कागज का बाजार तेजी से बढ़ रहा है ओर यह उत्सावर्धक स्थिति को दर्शाता है। आर्थिक संवृद्धि के साथ कागज की खपत में भी अत्याधिक उछाल आने की संभावनाएँ हैं और यह 2015–16 तक 13.95 मिलियन टन तक पहुँच सकता है। भावी अनुमान यह हे कि कागज की खपत में सकल घरेलू उत्पाद के गुणांकों में वृद्धि होगी और इस प्रकार प्रति व्यक्ति 1 किलाग्राम खपत की वृद्धि से उसकी मांग में 1 मिलियन टन की वृद्धि होगी। उद्योग के अनुमानानुसार वर्ष 2012–13 तक कागज़ उत्पादन 8.4 प्रतिशत संचयी वार्षिक वृद्धि दर(सीएजीआर) से बढ़ा है, जबकि कागज की खपत 9 प्रतिशत संचयी वार्षिक वृद्धि दर(सीएजीआर) से बढ़ी है। कम खर्च व लागत में कागज उद्योग स्वरोजगार का बेहतर जरिया बन सकता है।

पैरा–मैडीकल कोर्सेज में संवारें कॅरिअर

यदि आपकी बारहवीं परीक्षा की श्रेणी या अंक बहुत अच्छे नहीं हैं तो निराश होने की आवश्यकता नहीं है। इसकी वजह यह है कि पैरा–मैडीकल कोर्सेज में प्रवेश के लिए सी.पी.एम.टी. जैसी कठिन प्रवेश परीक्षा नहीं देनी होती। डॉक्टर जब मरीज को देख लेता है उसके बाद (कुछ मामलों में डाक्टर से पहले भी) सारा काम पैरा–मैडीकल के लोग ही संभालते हैं।

मरीज के खून, पेशाब, बलगम, वीर्य, टिश्यू आदि की जांच करनी हो, उसका एक्स–रे, ई.सी.जी., ई.ई.जी., एम.आर.आई., अल्ट्रा साऊंड, सी.टी. स्कैन, टी.एम.टी.,पी.एफ.टी., मैमोग्राफी आदि इंजैक्शन व दवा देनी हो तथा इसके अलावा भी अनेक ऐसे काम हैं जिसे पैरा–मैडीकल स्टाफ ही करता है। आप्रेशन करते समय एक डाक्टर को असिस्ट करने के लिए पैरा–मैडीकल स्टाफ होता है। मैडीकल फील्ड का लगभग सारा टैक्निकल स्टाफ पैरा–मैडीकल के अंतर्गत ही आता है।

इसके तहत प्रमुख कोर्स व संबंधित कार्य इस प्रकार हैं– मैडीकल लैब टैक्नोलॉजी , एक्स–रे टैक्नोलॉजी एंड रेडियोलॉजी/रेडियोग्राफी, ऑप्टोमीट्री या ऑप्थाल्मिक टैक्नोलॉजी, प्रॉस्थैटिक एवं ऑथोटिक इंजीनियरिंग, फिजियोथैरिपी एंड ऑकुपेशनल थैरेपी, डैंटिस्ट असिस्टैंट, स्पीच थैरेपी एंड ऑडियोलॉजी, क्लीनिकल चाइल्ड डिवैल्पमैंट, रिहैबिलिटेशन, मैडीकल ट्रांसक्रिप्शन, कम्युनिटी हैल्थ वर्कर्स कोर्स (मेल/फीमेल/मल्टीपर्पज़) ऑप्रेशनल थैरेपिस्ट असिस्टैंट/ ऑप्रेशन थिएटर असिस्टैंट व टैक्नीशियन कोर्स, कॉर्डियोलॉजी टैक्नीशियन कोर्स, सी.टी. स्कैन टैक्नीशियन कोर्स।

इनके साथ ही फॉर्मेसी, नर्सिंग एवं मिडवाइफरी तथा साइकोलॉजी की गणना भी पैरा–मैडीकल के अंतर्गत ही की जाती है। उपरोक्त सभी कोर्सों में सर्टीफिकेट, डिप्लोमा, बी.एससी., एम.एससी., बैचलर या मास्टर डिग्री विभिन्न मान्यता प्राप्त संस्थानों में प्रदान की जाती है।

संस्थान

- पोस्ट ग्रैजुएट इंस्टीच्यूट ऑफ मैडीकल एजुकेशन एंड रिसर्च, सैक्टर–11,चंडीगढ़–1600012
- पंडित भगवत दयाल शर्मा पोस्ट ग्रैजुएट इंस्टीच्यूट ऑफ मैडीकल साइंसेज, रोहतक–124001, हरियाणा।
- गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, कश्मीरी गेट, दिल्ली–110007

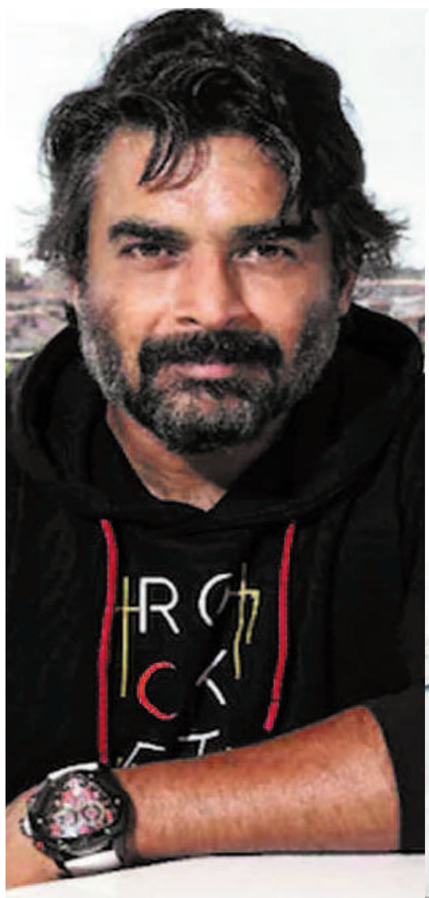

‘भारत के एडिसन’ जीडी नायडू की बायोपिक की घोषणा, माधवन निभाएंगे मुख्य भूमिका

निर्देशक कृष्णकुमार रामकुमार ‘भारत के एडिसन’ के नाम से मशहूर वैज्ञानिक जीडी नायडू की बायोपिक बनाएंगे। निर्माताओं ने फिल्म का टाइटल जारी कर दिया है। टाइटल ‘जी.डी.एन’ रखा गया है, जिसमें अभिनेता आर. माधवन मुख्य भूमिका में दिखेंगे।

वैज्ञानिक पर आधारित बायोपिक का भारत में शेड्यूल मंगलवार से शुरू हो चुका है, जिसमें आर माधवन के साथ अभिनेता प्रियामणि, जयराम और योगी बाबू भी शामिल होंगे। फिल्म में संगीत गोविंद वसंता ने दिया है। अभिनेता माधवन ने इंस्टाग्राम पर फिल्म के टाइटल की घोषणा करते हुए एक पोस्टर शेयर किया। उन्होंने लिखा, आप सभी के आशीर्वाद और शुभकामनाओं की जरूरत है। जानकारी के अनुसार, फिल्म की पूरी शूटिंग कोयंबटूर में की जाएगी, जो वैज्ञानिक का जन्मस्थान है। खास बातचीत में फिल्म के कार्यकारी निर्माता मुरलीधरन सुब्रमण्यम ने बताया था, फिल्म का लगभग 95 प्रतिशत हिस्सा कोयंबटूर में शूट किया जाएगा और बाकी पांच प्रतिशत विदेश में शूट किया जाएगा। पांच प्रतिशत का एक छोटा हिस्सा, जो विदेश में शूट किया जाना था, वह पिछले साल ही पूरा हो चुका है। बाकी हिस्से की शूटिंग जारी है। मुरलीधरन ने कहा, निर्देशक और उनकी टीम ने वैज्ञानिक के जीवन पर तीन से पांच साल से भी अधिक समय तक रिसर्च किया है। टीम का उद्देश्य था कि जीडी नायडू, विज्ञान और समाज में उनके योगदान का कोई भी हिस्सा ना छूटे।

‘रॉकेट्री– द नंबी इफेक्ट’ को साल 2022 में सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म के लिए मिले राष्ट्रीय पुरस्कार के बाद वर्गीज मूलन पिक्चर्स और ट्राइकलर फिल्म्स इस प्रोजेक्ट के लिए फिर से साथ आ रहे हैं। ‘रॉकेट्री– द नंबी इफेक्ट’ में नंबी नारायणन की भूमिका निभाने वाले माधवन अब जीडी नायडू की भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म का निर्माण वर्गीज मूलन पिक्चर्स के वर्गीज मूलन और विजय मूलन तथा ट्राइकलर फिल्म्स के आर. माधवन और सरिता माधवन करने के लिए तैयार हैं। अरविंद कमलानाथन फिल्म के सिनेमैटोग्राफर और क्रिएटिव प्रोड्यूसर के रूप में काम करेंगे।

मिसेज के बाद साइंस बेस्ड मूवी करेंगी सान्या

सान्या मल्होत्रा की फिल्म मिसेज हाल ही में सा रिलीज हुई। यह मलयालम फिल्म द ग्रेट इंडियन किचन की रीमेक है। इसे आरती कड़व ने डायरेक्ट किया। फिल्म में सान्या ने एक ऐसी हाउसवाइफ का किरदार निभाया, जो अपने जीवन में बड़ा मुकाम हासिल करना चाहती है लेकिन परिवार उसे सिर्फ किचन तक सीमित रखना चाहता है। यह सोच इरादतन नहीं, बल्कि पितृसत्तात्मक मानसिकता के कारण बनी रहती है। आरती ने इसी सोच को फिल्म में दिखाया है।

फिल्म को मिली जबरदस्त तारीफ

आरती कहती हैं... फिल्म को उम्मीद से ज्यादा प्यार मिला। मैंने इसे जिम्मेदारी से बनाया था। मुझे लगा था कि लोग इस विषय पर चर्चा करेंगे लेकिन इतनी तारीफ मिलेगी, यह सोचा नहीं था। कई दर्शकों ने अपनी मां और बहनों की जिंदगी से जुड़ी कहानियां साझा कीं, जो फिल्म के किरदार से मेल खाती थीं। यह जानकर दुख भी हुआ कि समाज में अब भी ऐसी दकियानूसी सोच बनी हुई हैं।

थिएटर में रिलीज का इरादा नहीं था

आरती ने बताया कि फिल्म को थिएटर में लाने का कोई इरादा नहीं था। इसलिए डायरेक्ट ओटीटी पर रिलीज करना सही फैसला रहा। आगे साइंस फिक्शन जॉनर की फिल्म भी लाऊंगी। पहले कार्गो नाम की फिल्म बनाई थी। ऐसी फिल्मों के लिए बड़े बजट की जरूरत होती है। सान्या को दो साइंस फिक्शन कहानियां सुनाई हैं। मुमकिन है कि जल्द ही सान्या की कोई साइंस फिक्शन फिल्म आए।

नॉर्थ इंडियन दर्शकों के लिए फिल्म में किए गए थे बदलाव

मूल फिल्म मलयाली दर्शकों के लिए बनी थी। हिंदी वर्जन में इसे नॉर्थ इंडियन दर्शकों के हिसाब से बदला गया। साउथ वर्जन में सबरीमाला विवाद को दिखाया गया था, जहां महिलाओं को घर में बंद कर दिया गया था। हिंदी वर्जन में इसे करवा चौथ से जोड़ा गया। मूल फिल्म में घर में मेड नहीं थी लेकिन हिंदी वर्जन में मेड का किरदार जोड़ा गया।

फिल्में बदलाव ला सकती हैं...

आरती का मानना है कि फिल्मों से बदलाव की शुरुआत होती है। जब किसी मुद्दे पर बातचीत होती है, तो पॉलिसी लेवल पर भी बदलाव का माहौल बनता है। हालांकि यह प्रयास पर्याप्त नहीं होते लेकिन जरूरी होते हैं।

फ्रेंचाइज बनाने की प्लानिंग नहीं है...

आरती ने कहा कि मिसेज में कामकाजी महिलाओं से जुड़े कई जरूरी मुद्दे हैं। इसे फ्रेंचाइज बनाना प्राथमिकता नहीं है। सान्या इस फिल्म के मुद्दे से इतनी जुड़ गई थीं कि शूटिंग के बाद भी उन्हें इससे बाहर आने में महीना भर लगा था।

कौशलजीस वर्सेस कौशल के लिए अजय देवगन ने शुभकामनाएं दी

बॉलीवुड अभिनेता अजय देवगन ने हाल ही में सोशल मीडिया पर आगामी फिल्म कौशलजीस वर्सेस कौशल के लिए शुभकामनाएं दी। फिल्म के ट्रेलर को अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर शेयर करते हुए, सिंघम अभिनेता ने लिखा, पीढ़ियां आपस में टकरा सकती हैं, लेकिन प्यार हमेशा एक रास्ता खोज लेता है। कौशलजीस वर्सेस कौशल में परिवार, प्यार और हंसी के मजेदार दिल को छू लेने वाले सफर के लिए तैयार हो जाइए। इस शुक्रवार 21 फरवरी को केवल जिओ हॉटस्टार पर स्ट्रीमिंग होगी। सोमवार को आगामी पारिवारिक ड्रामा कौशलजीस वर्सेस कौशल के निर्माताओं ने इसका ट्रेलर जारी किया। फिल्म के ट्रेलर में दिल को छू लेने वाली कहानी की झलक मिलती है।

फिल्म को सीमा देसाई और ज्योति देशपांडे द्वारा निर्देशित किया गया है। फिल्म की कहानी 27 साल के युग कौशल की जिंदगी के इर्द-गिर्द घूमती है, जो कन्नौज में अपने छोटे शहर की जड़ों को पीछे छोड़कर दिल्ली चला जाता है। निर्देशक सीमा देसाई ने एक बयान में कहा, कौशलजीस वर्सेस कौशल की कहानी जो जटिल होते हुए भी खूबसूरत है। यह परिवार के बारे में है। हम अक्सर युवा जोड़ों की प्रेम कहानियां देखते हैं, लेकिन उन लोगों का क्या जो दशकों से साथ हैं? यह फिल्म शादी पर एक हल्की-फुल्की लेकिन मार्मिक नजर डालती है और पूछती है, क्या होगा अगर वर्षों के संघर्ष के बाद भी प्यार खत्म न हो। मुझे भरोसा है कि दर्शक प्यारे किरदारों से जुड़ेंगे, हंसेंगे, रोएंगे और अपने परिवार की झलक स्क्रीन पर देखेंगे। यह दिल से दिलों के लिए बनाई गई एक अच्छी फिल्म है। कौशलजीस वर्सेस कौशल में शीबा चड्ढा, पावेल गुलाटी, ईशा तलवार, बृजेंद्र काला और ग्रुशा कपूर भी हैं। यह फिल्म 21 फरवरी को जिओ हॉटस्टार पर रिलीज होगी।

शिवाजी महाराज की जीवन यात्रा को पर्दे पर दिखाना मेरे लिए बेहद खास है

आज छत्रपति शिवाजी महाराज की 395वीं जयंती है। इस मौके पर ऋषभ शेट्टी की अपकमिंग फिल्म छत्रपति शिवाजी महाराज के मेकर्स ने फिल्म का नया पोस्टर जारी किया है। इस नए पोस्टर में वीर शिवाजी बने ऋषभ शेट्टी देवी मां की विशाल मूर्ति के सामने खड़े नजर आ रहे हैं।

ऋषभ शेट्टी ही बनेंगे शिवाजी महाराज

बॉलीवुड से लेकर मराठी सिनेमा तक कई सारे सितारे शिवाजी महाराज के किरदार में नजर आ चुके हैं। अब छत्रपति शिवाजी महाराज पर बन रही आगामी फिल्म द प्राइड ऑफ भारत- छत्रपति शिवाजी महाराज में ऋषभ शेट्टी शिवाजी महाराज का किरदार निभाते नजर आने वाले हैं।

ऋषभ शेट्टी ने कही ऐसी बात

पोस्टर रिलीज के मौके पर ऋषभ शेट्टी ने कहा, छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती पर हम सभी गर्व महसूस करते हैं। वे केवल एक योद्धा नहीं थे बल्कि स्वराज्य की आत्मा थे। उन्हें हमेशा धैर्य, बुद्धि और भक्ति का प्रतीक माना जाता है। उनकी जीवन यात्रा को पर्दे पर दिखाना वाकई मेरे लिए बेहद खास है। मैं आशा करता हूं कि उनकी विरासत को मैं अच्छे तरीके से पर्दे पर दिखा सकूं। सभी भारतीयों को उनकी अमर वीरता का एहसास दिला सकूं।

फिल्म में नजर आएंगे ये सितारे

स्वराज्य का सपना देखने वाले छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती पर इस फिल्म की टीम के बारे में भी मेकर्स ने बताया है। फिल्म की कहानी सिद्धार्थ – गरिमा ने लिखी है। फिल्म को संगीत प्रीतम ने दिया है। गानों ने बोल प्रसून जोशी ने लिखे हैं। वहीं, सिनेमेटोग्राफी रवि वर्मन ने की है। गणेश हेगड़े ने कोरियोग्राफी की है। फिल्म के कास्टिंग डायरेक्टर मुकेश छाबड़ा हैं।

इस दिन रिलीज होगी फिल्म

यह फिल्म 21 जनवरी 2027 में हिंदी समेत छह अन्य भाषाओं में रिलीज होगी। यह फिल्म भारत और विदेशों में भी शिवाजी के स्वराज्य का सपना दिखाने वाली है।

शबाना आजमी ने बताई डब्बा कार्टेल का हिस्सा बनने की वजह

एक्सेल एंटरटेनमेंट की नई सीरीज ‘डब्बा कार्टेल’ के ट्रेलर लांच इवेंट पर शबाना आजमी की अदाओं ने लोगों का खूब मनोरंजन किया। महबूब स्टूडियो में इस कार्यक्रम का आयोजन शानदार तरीके से हुआ। लोगों में काफी उत्साह रहा लेकिन, आदतन प्रोग्राम अपने समय से ही शुरू हुआ। जनता बेसब्री से ट्रेलर का इंतजार करी दिखी। महबूब स्टूडियो में जब बारी इस ट्रेलर लॉन्च की आई तो मामला बहुत ही रोचक हो गया है। आहिस्ता आहिस्ता किरदारों पर से परदा हटा और जब बारी शबाना आजमी की आई तो फिर तो माहौल बदलना ही थी। इवेंट में मीडिया के साथ सवाल जवाब के समय शबाना आज़मी ये कहा कि इस सीरीज की पूरी कास्टिंग घर का मामला था। शिबानी अख्तर ने क्रिएट किया ये प्रोजेक्ट और मुझे हुक्म दिया, एक्टिंग करने के लिए। बहू को कैसे मना कर सकती थी और बेटा तो प्रोड्यूसर ही है। साथ ही उन्होंने एक कन्फेशन ये भी किया की जब इस सीरीज की कास्टिंग चल रही थी तो वह नहीं चाहती थीं कि अभिनेत्री ज्योतिका को इसमें कास्ट किया जाए। इवेंट के दौरान ही शबाना आजमी ने इसके लिए ज्योतिका से माफी भी मांगी और कहा कि अच्छा हुआ शिबानी ने उनकी नहीं सुनी और दोनों ने साथ काम किया। सीरीज के निर्देशक हितेश भाटिया ने इस मौके पर बताया कि शुरू में तो वह काफी परेशान थे लेकिन जब सारे लोग साथ आ गए तो उनकी घबराहट भरोसे में बदल गई। ज्योतिका के मुताबिक उन्हें ये प्रोजेक्ट इसलिए काफी पसंद आया क्योंकि इसमें महिलाओं की अहम भूमिका है। वह कहती हैं, ‘इस सीरीज में सिर्फ किरदार ही नहीं, बल्कि पूरी टीम में भी महिलाओं की बहुत भागीदारी रही। हमारे क्रू में लगभग 60–70% महिलाएं थीं, जो हर विभाग में शानदार काम कर रही थीं। यह देखकर बहुत गर्व महसूस हुआ। अभिनेता आदर्श रावल के साथ फिल्म ‘बमफाड़’ से हिंदी सिनेमा में अपना करियर शुरू करने वाली साउथ सिनेमा की अभिनेत्री शालिनी पांडे ने भी ज्योतिका की बात का समर्थन किया और कहा कि यह शो महिलाओं के दम पर आगे बढ़ा है। उन्होंने उलाहना दिया कि शानदार अभिनेता गजराज राव के साथ उनका एक भी सीन नहीं है। वहीं, गजराज राव ने कहा, आमतौर पर मैं सिर्फ अपने डायलॉग्स याद करता हूँ, लेकिन इस बार सबसे ज्यादा मेहनत फार्मास्युटिकल्स के नाम याद करने में करनी पड़ी। और, अब तो मुझे इतने नाम याद हो गए हैं कि मेडिकल इंडस्ट्री में भी एंट्री ले सकता हूं! नेटफ्लिक्स की नई सीरीज ‘डब्बा कार्टेल’ 28 फरवरी को रिलीज होगी।

सनम तेरी कसम की री-रिलीज की सफलता पर भावुक हुए हर्षवर्धन राणे

हर्षवर्धन राणे अपनी रोमांटिक ड्रामा फिल्म सनम तेरी कसम की सफलता का जश्न मना रहे हैं। यह फिल्म सभी रिकॉर्ड तोड़ रही है। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई कर रही है। आज भी अभिनेता ने एक इमोशनल नोट शेयर किया और सभी प्रशंसकों को उनके प्यार के लिए धन्यवाद दिया। अभिनेता ने पोस्टर साझा कर लिखा- एक प्रेम कहानी जो लंबे समय तक नहीं चलनी थी। हर्षवर्धन ने आगे लिखा- फिर भी हम यहां हैं, 10 दिन बाद, अभी भी हर पल ऐसा महसूस कर रहे हैं जैसे यह पहली बार हो। अभिनेता ने आगे लिखा- किसी ऐसे व्यक्ति को टैग करें जो इसे दोबारा देखने की योजना बना रहा है। सनम तेरी कसम अब तब बॉक्स ऑफिस पर 36.01 करोड़ रुपये की कमाई की।

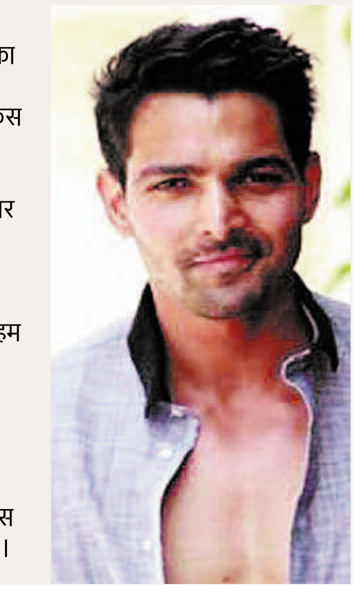

एनसीआर समाचार प्रा. लि. की ओर से मुद्रक, प्रकाशक मो. हनीफ द्वारा आर.डी. प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स प्राईवेट लिमिटेड, ए-41 सेक्टर-8 नोएडा, यू.पी.-201301 से मुद्रित व जी-12/276बी, संगम विहार, नई दिल्ली-62 से प्रकाशित। फोनः 8888883968, 9811111715 किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली न्यायालय में ही होगा। **संपादक : मो इस्माईल खान** RNI No. DLHIN/2010/37009